राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 18
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
बुधवार 03 अगस्त 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट | पेज 3 केजरीवाल सरकार नई आबकारी नीति के तहत गलत तरीके से दिल्ली के सरकारी खजाने को लूट रही है : आदेश गुप्ता | पेज 5 मयंक सुसाइड : बहन के साथ बीएचयू के केंद्रीय विद्यालय पर छात्रों का धरना, प्रिंसिपल पर कार्रवाई की मांग | पेज 7 नैन्सी पेलोसी ताइवान गईं तो भड़क जाएगा तनाव, चीन के बाद रूस ने दी अमेरिका को चेतावनी

तेजी से घट रहा कोरोना का ग्राफ

देश में बीते 24 घंटे में 11,738 केस

● कॉर्बेवैक्स को कोविशील्ड, कोवैक्सिन के बूस्टर डोज के तौर पर लगाए जाने की सिफारिश

नई दिल्ली। देश में बीते 24 घंटे में कोरोना के 11,738 नए केस मिले हैं, जबकि 29 लोगों की मौत हुई है। वहीं एक्टिव केस की संख्या 1 लाख 32 हजार 566 है। बीते दिन 14,344 लोग रिकवर भी हुए हैं। इसके एक दिन पहले शनिवार को 14,352 मिले थे और 23 लोगों की मौत हुई थी।

मंगलवार को कोरोना पर बने सरकारी पैनल ने कोविशील्ड, कोवैक्सिन के वैक्सीन लगवा चुके वयस्कों को बूस्टर के तौर पर कॉर्बेवैक्स वैक्सीन लगाने की सिफारिश की है। मंजूरी मिलने के बाद यह पहली बार होगा, जब बूस्टर डोज के लिए पहले लगाई गई वैक्सीन से इतर कोई वैक्सीन लगेगी। भारत की पहली स्वदेशी रूप से विकसित रिकॉम्बिनेंट प्रोटीन सबयूनिट वैक्सीन कॉर्बेवैक्स का इस्तेमाल फिलहाल में 12 से 14 साल ऐज ग्रुप के बच्चों के वैक्सीनेशन में किया जा रहा है। बीते दिन महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा यानी 1849 केस मिले थे। वहीं पिछले 24 घंटे में ये आंकड़ा घटकर 830 हो गया। हिमाचल में सोमवार को कोरोना से तीन लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही चार राज्य उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और मेघालय में पॉजिटिविटी रेट 16 प्रतिशत के पार पहुंच गया।

देश में अब तक कोरोना के 4.40 करोड़ केस

देश में कोरोना महामारी की शुरुआत से अब तक 44 लाख 47 हजार 710 संक्रमित मिल चुके हैं, जबकि 5 लाख 29 हजार 89 लोगों की मौत हो चुकी है। कोरोना से ठीक हुए मरीजों की संख्या बढ़कर 4 करोड़ 33 लाख 72 हजार 456 पहुंच गई है। वहीं, भारत का कोरोना वैक्सीनेशन कवरेज 204.25 करोड़ से अधिक हो गया है।

हिमाचल में ऑपरेशन कराने से पहले कोरोना टेस्ट जरूरी

हिमाचल प्रदेश कोरोना के 859 नए केस मिले हैं। इसके साथ ही पॉजिटिविटी रेट 17.39 प्रतिशत के पार पहुंच गया। इसके चलते शिमला के IGMC में एक बार फिर ऑपरेशन कराने से पहले कोरोना टेस्ट करवाना जरूरी कर दिया गया है।

इसके अलावा अस्पताल में भर्ती मरीजों के साथ अब सिर्फ एक ही परिजन रह पाएगा। वार्डों में मरीज से मिलने के दौरान परिजनों को उचित दूरी बनाकर रखनी होगी।

हिजाब विवादः सुनवाई के लिए एक पीठ गठित करेगा सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि वह हिजाब विवाद मामले में कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए एक पीठ का गठन करेगा। उच्च न्यायालय ने 15 मार्च के अपने फैसले में राज्य के प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों में हिजाब पहनने पर प्रतिबंध लगाने के शैक्षणिक संस्थानों के अधिकार को बरकरार रखा। शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमना की अध्यक्षता वाली पीठ ने विशेष उल्लेख के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा द्वारा याचिकाओं पर शीघ्र सुनवाई की गुहार पर कहा कि इस मामले में एक पीठ का गठन किया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश ने कहा,मैं एक पीठ का गठन करूंगा।

महाराष्ट्र में सड़क दुर्घटना में पांच की मौत

एजेंसी

नासिक। महाराष्ट्र के धुले जिले में मुंबई-आगरा राजमार्ग पर सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के तीन सदस्यों सहित पांच लोगों की मौत हो गई और दो बच्चे घायल हो गए।

आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि घटना सोमवार को उस वक्त हुई, जब एक कार अपने यथास्थान पर जा रही थे। उसी दौरान नरदाना शहर के पास कार अनियंत्रित होकर, सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर से जा टकरायी, जिसके बाद उसमें सवार पांच लोगों की मौत हो गई और दो बच्चे घायल हो गए।

मृतकों में से तीन एक ही परिवार के सदस्य थे। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान नासिक के संदीप शिवाजी चव्हाण, मीना संदीप चव्हाण, जानवी संदीप चव्हाण और हितेश अरुण चौधरी (चालक) और धुले के ट्रैक्टर चालक पांडुरन ढोंडू माली के रूप में हुई है।

गुरुग्राम में दर्दनाक हादसा

निर्माणाधीन साइट की 17वीं मंजिल से गिरे 5 मजदूर, 4 की मौके पर ही मौत

एजेंसी

गुरुग्राम। दिल्ली से सटे गुरुग्राम सेक्टर-77 में मंगलवार को एक निर्माणाधीन साइट पर हुए दर्दनाक हादसे में 17वीं मंजिल से गिरकर चार मजदूरों की मौत हो गई। वहीं, एक मजदूर घायल हो गया जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। एसीपी सुरेश कुमार ने बताया कि जेजेआरएस कॉन्ट्रेक्टर द्वारा गुरुग्राम के सेक्टर-77 में एम्मार पाम हिल्स सोसाइटी का निर्माण किया जा रहा है। मंगलवार को निर्माण कार्य के दौरान कुछ मजदूर टावर क्रेन को ठीक करने के लिए ऊपर चढ़ गए थे।

इस दौरान 17वीं मंजिल से गिरकर 4 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि एक मजदूर 12वीं मंजिल पर ही सुरक्षा उपकरणों में उलझ कर फंस गया। उसे घायल हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि इस मामले में हम एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि जांच में कंपनी के जिन लोगों की लापरवाही पाई जाएगी, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

देश की 80 प्रतिशत आबादी जहरीला पानी पी रही

राज्यसभा में सरकार ने कहा- ज्यादातर राज्यों में भूजल जहरीला, पीने का साफ पानी राज्यों की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि देश में पानी की गुणवत्ता बिगड़ रही है। सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, अब तक हम जो पानी पीते आ रहे हैं वह जहरीला है। देश के लगभग सभी राज्यों के अधिकांश जिलों में ग्राउंडवॉटर में ज्यादा मात्रा में जहरीले एलिमेंट पाए गए हैं।

जल शक्ति मंत्रालय के एक दस्तावेज के मुताबिक, देश की 80% से ज्यादा आबादी को जमीन से पानी मिलता है। अगर भूजल में ज्यादा मात्रा में खतरनाक एलिमेंट्स मिलते हैं तो इसका मतलब है कि पानी %जहर% बन रहा है।

राज्यसभा में सरकार ने रिहायशी इलाकों की संख्या भी बताई है, जहां पीने के पानी के सोर्स प्रदूषित हो गए हैं। इसके अनुसार, 671 क्षेत्र फ्लोराइड से, 814 क्षेत्र आर्सेनिक से, 14,079 क्षेत्र आयरन से, 9,930 क्षेत्र सलीनिटी से, 517 क्षेत्र नाइट्रेट से और 111 क्षेत्र हैवी मेटल्स (भारी धातुओं) से

प्रभावित हैं। आमतौर पर यह माना जाता है कि एक व्यक्ति प्रतिदिन औसतन 3 लीटर पानी पीता है। हालांकि, सरकारी दस्तावेजों के मुताबिक, स्वस्थ रहने के लिए रोजाना कम से कम 2 लीटर पानी जरूर पीना चाहिए। अगर आप रोजाना 2 लीटर पानी भी पी रहे हैं तो आपके शरीर में भी कुछ मात्रा में जहर जा रहा है।

शहरों के मुकाबले गांववालों के सामने मुश्किल ज्यादा

सरकार ने कहा कि शहरों की तुलना में गांवों में यह समस्या ज्यादा गंभीर है, क्योंकि भारत की आधी से ज्यादा आबादी गांवों में रहती है। यहां पीने के पानी का अहम जरिया हैंडपंप, कुएं, नदियां या तालाब हैं। यहां पानी सीधे जमीन से आता है। इसके अलावा गांवों में आमतौर पर इस पानी को साफ करने का कोई तरीका नहीं है। इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग जहरीला पानी पीने को मजबूर हैं।

जुलाई में बारिश का 17 साल का रिकॉर्ड टूटा

पिछले महीने सामान्य से 17 प्रतिशत ज्यादा बारिश

एजेंसी

नई दिल्ली/रायपुर/जयपुर/रांची। देश के कई राज्यों में अभी भी बारिश का दौर जारी है। जुलाई में देश में 17 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई, जो 17 साल में सबसे ज्यादा है। इससे पहले जुलाई 2005 में 18 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई थी। इधर, देश के पूर्वी और पूर्वोत्तर राज्यों में जुलाई में 44.7 प्रतिशत कम बारिश हुई है, जो 122 साल में सबसे कम है।

पिछले महीने कम बारिश का सबसे ज्यादा असर प. बंगाल, बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में देखने को मिला तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और कर्नाटक में पिछले महीने सामान्य से 60.4 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई। गुजरात, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में जुलाई में 42 प्रतिशत ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गई, जो 1994 के बाद सबसे ज्यादा है।

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा, मंडी जिलों में पिछले 24 घंटों में भारी बारिश हुई है। राज्य में लैंडस्लाइड और बाढ़ ने लोगों की मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। मौसम विभाग ने मंगलवार को उत्तराखंड के कई जिलों में हल्की, तो कई जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है। वहीं, अगले दो महीनों में पूर्वोत्तर में बारिश की कमी दूर होने की संभावना है। उधर, केरल के कन्नूर जिले के कई इलाकों में लोगों को जलभराव का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र में भारी बारिश 01.08 के कारण 7 जिलों में रेड अलर्ट और 2 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। दक्षिणी जिलों में भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। बारिश से अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है। दक्षिण कन्नड़ के सुब्रमण्य गांव में भारी बारिश के कारण एक घर की दीवार गिरने से दो नाबालिगों की मौत हो गई।

पार्थ चटर्जी पर महिला ने चप्पल फेंकी

कोलकाता। पार्थ चटर्जी को मंगलवार को जब मेडिकल जांच के लिए ले जाया जा रहा था, तभी महिला ने उन पर चप्पल फेंकी। बंगाल के चर्चित शिक्षक भर्ती घोटाले में आरोपी ममता बनर्जी सरकार के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी पर एक महिला ने चप्पल फेंकी है। पार्थ पर उस समय चप्पल फेंकी गई, जब उन्हें मेडिकल के लिए कोलकाता के ESIC हॉस्पिटल में लाया गया था। महिला यहां अपने परिजन का इलाज करवा रही है। मीडिया से बातचीत के दौरान गुस्साई महिला ने कहा कि पार्थ चटर्जी जैसे लोग जनता का करोड़ों रुपए लूटकर अपने घर की तिजोरी भर रहे हैं। ऐसे भ्रष्टाचारी को एसी कार में अस्पताल लाया जाता है।

मालेगांव ब्लास्ट, कोर्ट में लाई गई बाइक

जज, फॉरेंसिक एक्सपर्ट, वकीलों और गवाहों ने किया मुआयना, ब्लास्ट में हुआ था इस्तेमाल

मुंबई। मालेगांव ब्लास्ट केस में मंगलवार को कोर्ट में धमाके में इस्तेमाल की गई बाइक को लाया गया। जज एके लाहोटी ने फोरेंसिक एक्सपर्ट, गवाहों और वकीलों के साथ मिलकर मोटर साइकिल का मुआयना किया। ब्लास्ट में एलएमएल फ्रीडम बाइक का इस्तेमाल किया गया था, जो भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर के नाम पर थी।

29 सितम्बर 2008 को महाराष्ट्र में नासिक जिले के मालेगांव में बम ब्लास्ट हुआ था। इसमें 7 लोगों की मौत हो गई थी, करीब 100 लोग जख्मी हुए थे। ब्लास्ट उस वक्त किया गया जब लोग रमजान के दौरान नमाज पढ़ने जा रहे थे।

ब्लास्ट में छह लोगों की मौत हो गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे

पुरोहित की याचिका पर तेजी से फैसला करें : सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बॉम्बे हाई कोर्ट को मालेगांव ब्लास्ट मामले के आरोपी लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित की याचिका पर तेजी से फैसला करने के निर्देश दिए हैं। लेफ्टिनेंट पुरोहित ने उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी रद्द करने की मांग की है। पुरोहित का कहना है कि केस चलाने के लिए सरकार की तरफ से दी गई मंजूरी कानूनी रूप से गलत थी। 13 जुलाई को एनआईए ने बॉम्बे हाई कोर्ट को बताया था कि 12 जुलाई तक कुल 495 गवाहों में से 256 गवाहों से पूछताछ की जा चुकी है। बाकि लोगों से जल्द गवाहों से जल्द ही पूछताछ किया जाएगा।

मामले में इन्हें बनाया गया है आरोपी

मामले के आरोपियों में बीजेपी नेता प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीकांत प्रसाद पुरोहित, सुधाकर द्विवेदी, मेजर रमेश उपाध्याय (सेवानिवृत्त), अजय रहीरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी शामिल हैं, जो जमानत पर बाहर हैं।

हेमंत करकरे ने किया था प्रताड़ित : गवाह

सुनवाई के दौरान गवाह ने शिकायत की कि उसे महाराष्ट्र एटीएस, विशेष रूप से तत्कालीन प्रमुख हेमंत करकरे द्वारा प्रताड़ित किया गया था। इसके बाद अभियोजन पक्ष ने आरोपी को मुजरिम घोषित कर दिया था।

साध्वी प्रज्ञा समेत 7 को अप्रैल 2017 में मिली थी जमानत

साध्वी प्रज्ञा समेत 7 को अप्रैल 2017 में मिली थी जमानत मालेगांव ब्लास्ट मामले में ही आरोपी प्रज्ञा ठाकुर और उनके 6 सहयोगियों को अप्रैल 2017 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने जमानत दे दी थी। प्रज्ञा को पांच लाख के निजी मुचलके पर जमानत दी गई थी। तब कोर्ट ने कहा था कि पहली नजर में देखें तो साध्वी के खिलाफ कोई मामला नहीं बनता। कोर्ट ने यह भी कहा था कि साध्वी प्रज्ञा एक महिला हैं और आठ साल से ज्यादा समय से जेल में हैं। उन्हें ब्रेस्ट कैंसर है और वो कमजोर हो गई हैं, बिना सहारे चलने में भी लाचार हैं।

मालदीव को दस करोड़ डॉलर का ऋण, सुरक्षा ढांचे में मदद देगा भारत

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत ने मालदीव को ग्रेटर माले कनेक्टिविटी परियोजना सहित विभिन्न परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए दस करोड़ डॉलर के अतिरिक्त ऋण देने के साथ ही देश की रक्षा एवं सुरक्षा प्रणाली को सशक्त बनाने के लिए एक नौसैनिक पोत एवं 24 वाहन देने के साथ 61 द्वीपों में पुलिस ढांचा मजबूत बनाने में सहयोग देने आज घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत की यात्रा पर आये मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह के बीच हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय बैठक में ये निर्णय लिये गये। श्री सोलिह कल नयी दिल्ली आये हैं। पहले दोनों नेताओं के बीच एकांत में बातचीत हुई और फिर प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक हुई। बैठक में भारत ने मालदीव को 2030 तक उसके शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करने में मदद करने का आश्वासन दिया। बैठक के बाद श्री मोदी ने अपने प्रेस वक्तव्य में राष्ट्रपति सोलिह का स्वागत करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत और मालदीव के मित्रतापूर्ण संबंधों में नया जोश आया है, हमारी नजदीकियां बढ़ी हैं। महामारी से पैदा हुई चुनौतियों के बावजूद हमारा सहयोग एक व्यापक भागीदारी का रूप लेता जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी आज राष्ट्रपति सोलिह के साथ कई विषयों पर व्यापक चर्चा हुई है। उन्होंने हमारे द्विपक्षीय सहयोग के सभी आयामों का आकलन किया और महत्वपूर्ण क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

उन्होंने कहा, अभी कुछ देर पहले हमने ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्टस की शुरुआत का स्वागत किया। यह मालदीव की सबसे बड़ी अवसंरचना परियोजना होगी। हमने आज ग्रेटर माले में 4000 सोशल आवासों के निर्माण के परियोजना की समीक्षा की है। मुझे यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता है कि हम इसके अतिरिक्त 2000 सोशल आवासों के लिए भी वित्तीय सहायता देंगे। उन्होंने कहा, हमने 10 करोड़ डॉलर के अतिरिक्त ऋण देने का निर्णय भी किया है, ताकि सभी परियोजनाएं समयबद्ध तरीके से पूरे हो सकें।

आयकर विभाग ने गुजरात के व्यापारिक समूह से किए 24 करोड़ रुपए जब्त

नयी दिल्ली। आयकर विभाग ने गुजरात में कपड़ा, रसायन, पैकेजिंग, भू-सम्पदा और शिक्षा के क्षेत्र के एक प्रमुख व्यावसायिक समूह के खिलाफ तलाश और जब्त अभियान चलाया गया है, जिसमें विभाग को 24 करोड़ की नकदी मिली और करीब-करीब इतने मूल्य के ही आभूषण मिले हैं।

एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को यह जानकारी सामने आयी।

विभाग ने अभियान में 24 करोड़ की नकदी और 20 करोड़ रुपये की कीमत के आभूषण जब्त किए हैं। विभाग ने यह भी कहा कि तलाश अभियान में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक के बेहिसाबी लेन-देन का भी पता चला है।

आयकर विभाग ने गत 20 जुलाई को खेडा, अहमदाबाद, मुंबई, हैदराबाद और कोलकाता के कुल 58 परिसरों में छापे मारे थे।

बयान में कहा, तलाश अभियान में दस्तावेजों और डिजिटल डेटा के रूप में विभिन्न आपत्तिजनक सबूत मिले हैं और उन्हें जब्त कर लिया गया है। इन साक्ष्यों से पता चलता है कि समूह ने विभिन्न तौर-तरीकों को अपनाकर बड़े पैमाने पर कर चोरी की है, जिसमें खातों की किताबों के अलावा बेहिसाब नकद बिक्री, फर्जी खरीद-फरोख्त और अचल संपत्ति लेन-देन से प्राप्त धन शामिल है।

इसके अलावा समूह को कथित तौर पर कोलकाता की कंपनियों से शेयर प्रीमियम के माध्यम से बेहिसाब रकम जमा करने के बारे में पता चला है। इसके अलावा साक्ष्यों से यह भी पता चला है कि समूह ने कथित रूप से अपनी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के खातों में हेराफेरी कर लाभ अर्जित किया है।

कलक्टर सस्पेंड

एसडीएम रहते फर्नीचर कारोबारी से 2.67 लाख का सामान लिया था, पेमेंट मांगने पर घर पर बुलडोजर चलवाया था

मुरादाबाद के डिप्टी कलक्टर घनश्याम वर्मा सस्पेंड

मुरादाबाद। मुरादाबाद में तैनात डिप्टी कलक्टर घनश्याम वर्मा को शासन ने मंगलवार को निलंबित कर दिया है। कमिश्नर आन्जनेय कुमार सिंह ने डिप्टी कलक्टर के निलंबन की पुष्टि की है। घनश्याम वर्मा पर आरोप है कि उन्होंने बिलारी में बतौर एसडीएम तैनाती के दौरान वहां के एक फर्नीचर कारोबारी के शोरूम से 2.67 लाख रुपए का फर्नीचर लिया। जब फर्नीचर कारोबारी ने पेमेंट मांगा तो एसडीएम ने कारोबारी के घर को अवैध बताते हुए बुलडोजर चलवा दिया।

इस मामले में कमिश्नर आन्जनेय कुमार सिंह के आदेश पर एडीएम सुरेंद्र सिंह ने मामले की जांच की थी। जांच में प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह ने एसडीएम को बिलारी के एसडीएम पद से हटा दिया था।

इस मामले में कमिश्नर ने शासन को रिपोर्ट भेजकर एसडीएम के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की थी। मंगलवार शाम को उन्हें सस्पेंड कर दिया गया।

एडीएम की जांच रिपोर्ट में हुआ था ये खुलासा

एडीएम की जांच रिपोर्ट के मुताबिक जिस फर्नीचर कारोबारी के घर पर स्छरूने बुलडोजर चलवाया था,

वह बिलारी नगर पालिका क्षेत्र में आता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पालिका क्षेत्र में एसडीएम को कब्जा हटवाने के लिए बुलडोजर चलवाने की पावर नहीं है।

यह शक्ति नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को दी गई है। लेकिन फर्नीचर कारोबारी को सबक सिखाने के लिए एसडीएम घनश्याम वर्मा इतने उतावले थे कि उन्होंने पालिका की पावर बायपास कर सीधे नोटिस दिया और बुलडोजर भी चलवा दिया।

जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि बिलारी EO का चार्ज भी एसडीएम घनश्याम वर्मा के पास ही था। मगर, उन्होंने नोटिस और ध्वस्तीकरण ऑर्डर बतौर एसडीएम जारी किया, जो अवैध था।

फर्नीचर का पेमेंट मांगने पर नाराज हो गए थे एसडीएम

7 जुलाई को बिलारी के फर्नीचर कारोबारी जाहिद हसन ने डीएम से शिकायत की थी कि बिलारी के एसडीएम घनश्याम वर्मा ने उनके शोरूम से 2.67 लाख रुपए का फर्नीचर लेकर पेमेंट नहीं दिया। पेमेंट मांगने पर घर को अवैध बताते हुए उसे गिराने का नोटिस दिया है।

घनश्याम वर्मा की सियासी पकड़ मजबूत है। इसलिए डीएम ने इस शिकायत को ठंडे बस्ते में डाल दिया। 10 जुलाई को जाहिद ने कमिश्नर आन्जनेय सिंह से शिकायत की।

कमिश्नर ने डीएम को एडीएम स्तर से जांच कराने के आदेश दिए। अपने खिलाफ जांच बैठने से खफा एसडीएम ने 12 जुलाई को कारोबारी जाहिद के घर बुलडोजर चलवा दिया।

शार्ट न्यूज

जम्मू के रामबन में पुलिस चौकी पर संदिग्ध विस्फोटक हमला

जम्मू। जम्मू कश्मीर में रामबन जिले के गूल इलाके में मंगलवार सुबह एक पुलिस चौकी पर संदिग्ध विस्फोटक हमला हुआ हालांकि किसी के हताहत होने की रिपोर्ट नहीं है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुलिस चौकी को लक्ष्य कर कुछ विस्फोटक फेंका गया, जिसमें विस्फोट हो गया। तत्काल हरकत में आयी पुलिस ने कुछ राउंड गोलीबारी भी की। घटना में किसी के हताहत होने की रिपोर्ट नहीं है। रामबन की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहिता शर्मा ने घटना की पुष्टि करते हुए यूनीवार्ता को बताया कि तात्कालिक रूप से यह नहीं कह सकता कि यह ग्रेनेड हमला था ,लेकिन मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गयी है।

काशीपुर चिकित्सालय में गड़बड़ी के मामले में सरकार से मांगा जवाब

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने उधमसिंह नगर जनपद के काशीपुर स्थित एलडी भट्ट चिकित्सालय में स्वास्थ्य किट व अन्य सामान की आपूर्ति के नाम पर जारी निविदा में कथित गड़बड़ी के मामले में सरकार व स्वास्थ्य महकमे को नोटिस जारी कर तीन सप्ताह में जवाब देने को कहा है। इस प्रकरण की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी व न्यायमूर्ति आरसी खुल्बे की युगलपीठ में हुई। मामले को काशीपुर निवासी मो0 अहमद की ओर से जनहित याचिका के माध्यम से चुनौती दी गयी है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि काशीपुर के उप जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य किट की आपूर्ति के लिये पिछले साल निविदा जारी की गयी थी। आरोप लगाया गया कि निविदा एक ही परिवार के तीन लोगों के नाम जारी कर दी गयी है। याचिका में आर्थिक गड़बड़ी की ओर इशारा करते हुए अदालत से इस मामले की जांच की मांग की गयी है। याचिकाकर्ता की ओर से यह भी जिन लोगों के नाम निविदा जारी की गयी है उनमें से एक प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र भी संचालित करता है। जो कि नियम विरूद्ध है।

त्रिपुरा में 822 स्कूलों में नाश्ता परोसने की शुरुआत

अगरतला। त्रिपुरा सरकार ने ज्यादातर बच्चों को स्कूल आने के लिए आकर्षित करने के मद्देनजर प्रयोग के तौर पर धलाई जिले में प्राथमिक और पूर्व प्राथमिक स्तर के छात्रों को नाश्ता देने की पहल की है। अधिकारियों ने मंगलवार को यहां कहा कि आदेश में छात्रों के लिए दोपहर के भोजन साथ साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने तथा राज्य सरकार ने सोमवार से धलाई जिले में पायलट प्रोजेक्ट के तहत रोज नाश्ता की व्यवस्था की है। विभाग के बयान में कहा गया है कि नाश्ते में चार्ट के अनुसार सोमवार को एक उबला अंडा , मंगलवार को दो केले , मौसमी फल या 150 एमएल दूध बुधवार को , दो केले गुरुवार , एक उबला अंडा शुक्रवार को ओर शनिवार को मौसमी फल या 150 एमएल दूध प्रत्येक छात्र को दिया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि पहले दो दिनों में जिले के 822 स्कूलों में 84.70 प्रतिशत बच्चों को नाश्ता वितरित किया गया। उन्होंने दावा किया कि इससे प्राथमिक स्तर के छात्रों की पोषण स्थिति में और उपस्थिति में वृद्धि होगी।

राशन कार्ड का ठेका दिलाने के नाम पर 38 लाख की ठगी का आरोपी गिरफ्तार

रुद्रपुर/नैनीताल। उत्तराखंड की उधमसिंह नगर जनपद पुलिस ने राशन कार्ड बनाने के नाम पर 38 लाख रूपये की ठगी के मामले में एक आरोपी को मंगलवार को लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया। अन्य अरोपियों की तलाश जारी है। उधमसिंह नगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) टीसी मंजूनाथ की ओर से आज रूद्रपुर में इस मामले का खुलासा करते हुए बताया गया कि पिछले महीने 11 जून को राशन कार्ड बनाने का ठेका देने के नाम पर मैसर्स जीविका इंटर प्राइजेज व प्रोपराइटर ईडब्ल्यूएस 572 दशमेश रोड आवास विकास रूद्रपुर के मालिक अक्षय बाबा से 38 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया था। अक्षय बाबा की ओर से तहरीर देकर आरोप लगाया गया कि आरोपियों ने टेक महिन्द्रा के साथ फर्जी इकरारनामा दिखाकर उससे राशन कार्ड बनाने का ठेका देने के नाम पर 38 लाख रुपये की ठगी कर ली। पुलिस ने अभियोग पंजीकृत आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने आरोपी के मोबाइल नंबर की जब तलाश की तो उसकी लोकेशन लखनऊ मिली। एक टीम लखनऊ रवाना हुई और आरोपी ज्ञान प्रकाश मूल निवासी बांसगांव, थाना खजनी, गोरखपुर, उप्र को आज सुबह लखनऊ के 2/254 विनम्र खंड, गोमती नगर से गिरफ्तार कर लिया।

केरल के दस जिलों में रेड अलर्ट जारी

तिरुवनंतपुरम। केरल में मंगलवार को कई जगहों पर भारी बारिश के बाद दस जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया। मौसम विज्ञान विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने कहा कि अलाप्पुझा, कोट्टयम, इडुक्की, एर्नाकुलम, त्रिशूर, पलक्कड़, मालाप्पुरम, कोझीकोड, वायनाड और कन्नूर जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पथानामथिट्टा और कासरगोड जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। सरकार ने मौसम विभाग के रेड अलर्ट जारी करने के बाद आज आठ जिला तिरुवनंतपुरम, इडुक्की, अलाप्पुझा, कोल्लम, एर्नाकुलम, कन्नूर, पठानमथिट्टा और कोट्टायम में शैक्षणिक संस्थानों के लिए अवकाश घोषित कर दिया। इडुक्की, कोझीकोड, वायनाड और त्रिशूर जिलों में आपातकाल स्थिति से निपटने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की चार टीमों को तैनात किया गया। अन्य चार टीमें शीघ्र ही केरल पहुंचेंगी और उन्हें एर्नाकुलम, कोट्टायम, कोल्लम और मलप्पुरम जिलों में तैनात किया जाएगा। जल संसाधन विभाग के अंतर्गत संचालित 17 बांधों से पानी छोड़ा जा रहा है।

कर्नाटक में मंकीपॉक्स की जांच के लिए दिशानिर्देश

बेंगलुरु। कर्नाटक के स्वास्थ्य विभाग ने मंकीपॉक्स के मामलों की निगरानी और तैयारियों को तेज करने के लिए मंगलवार को सभी जिला प्रशासनों को दिशा-निर्देश जारी किए। दिशानिर्देशों में कहा गया है कि मंकीपॉक्स के पुष्ट मामलों के लिए कम से कम 21 दिनों तक आइसोलेशन में रहना अनिवार्य होगा। स्वास्थ्य अधिकारियों को हवाई अड्डों, बस स्टैंडों और रेलवे स्टेशनों पर वायरस के प्रसार की जांच के लिए स्क्रीनिंग टीमों को तैनात करने के भी निर्देश दिए गए हैं। मंकीपॉक्स एक वायरल जूनोसिस बीमारी है जिसका अर्थ है कि वायरस जानवरों से मनुष्यों में फैल सकता है। संक्रमण तब फैलता है जब एक व्यक्ति का संक्रमित व्यक्ति के संक्रामक दाने, पपड़ी या शरीर के तरल पदार्थ से सीधा संपर्क होता है। यह लंबे समय तक आमने-सामने संपर्क के दौरान या किसी ऐसे व्यक्ति के शारीरिक तरल पदार्थ के संपर्क में आने वाली वस्तुओं को छूने से श्वसन स्राव से भी फैल सकता है जो पहले से प्रभावित हो चुके हैं। ये दिशानिर्देश जिला स्तर पर मंकीपॉक्स के सकारात्मक और नकारात्मक मामलों के लिए संस्थागत अलगाव सुविधाओं की स्थापना के बारे में भी बात करते हैं।

एमपी ट्रांसको का ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर प्रोजेक्ट पूर्ण

भोपाल। मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि जर्मनी के के.एफ.डब्ल्यू बैंक द्वारा वित्त पोषित प्रोजेक्ट का अंतिम कार्य गत दिवस मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने पूरा कर लिया है। इसमें 400 के.व्ही. आष्टा -उज्जैन डबल सर्किट लाइन ऊर्जीकृत की गई। तोमर ने बताया कि पूरे देश में गैर परंपरागत ऊर्जा स्त्रोतों से उत्पन्न बिजली के सहज ट्रांसमिशन के लिए ग्रीन एनर्जी कॉरीडोर बनाने के लिए कुछ राज्यों में से मध्यप्रदेश को भी चुना गया था। कुल प्रोजेक्ट 2100 करोड़ रूपये में से 840 करोड़ रूपये का लोन जर्मनी के बैंक के.एफ.डब्ल्यू ने स्वीकृत किया था। इन कार्यों को मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने निर्धारित लक्ष्य से पहले ही पूरा कर दिखाया। इस प्रोजेक्ट की प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा सतत् मॉनिटरिंग भी की जा रही थी। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के अधीक्षण अभियंता इंजी. एम. एम. ढ़ोके ने बताया कि इस स्कीम में प्रदेश में 400 के.व्ही. के तीन सब-स्टेशन, 220 के.व्ही. के सात सब-स्टेशन, 400 के.व्ही. की 5 डबल सर्किट लाइनें, 220 के.व्ही. की 15 डबल सर्किट लाइनें तथा 132 के.व्ही. की 26 डबल सर्किट की कुल 2773 सर्किट किलोमीटर अति उच्च दाब लाइनें निर्मित की गईं।

नेशनल हेराल्ड के दफ्तर पर ईडी का छापा

सोनिया और राहुल गांधी से पूछताछ के बाद नया ऐक्शन

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग केस की जांच कर रही ईडी ने अब कांग्रेस समर्थित अखबार नेशनल हेराल्ड के दफ्तर पर छापेमारी की है। सोनिया गांधी और राहुल गांधी से लंबी पूछताछ के बाद ईडी ने यह नया ऐक्शन लिया है। प्रवर्तन निदेशालय की टीमें नेशनल हेराल्ड के दफ्तर समेत 12 अलग-अलग जगहों पर आज छापेमारी कर रही है। 21 और 26 जुलाई को ही सोनिया गांधी से ईडी ने पूछताछ की थी। उससे पहले राहुल गांधी से भी लगातार कई दिनों तक ईडी की ओर से नेशनल हेराल्ड केस में पूछताछ की गई थी। अब एजेंसी की ओर से यह नया ऐक्शन लिया गया है। दिल्ली में कई ठिकानों पर छापेमारी के अलावा कोलकाता और कई अन्य शहरों में भी छापेमारी की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि पूछताछ के बाद ईडी को लगा कि

इस केस में छापेमारी किए जाने की जरूरत है। ईडी का कहना है कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने इस पूरे मामले में दिवंगत नेता मोतीलाल वोरा का नाम लिया था। इसके अलावा कई ट्रांजेक्शंस की बात सामने आई थी, जिनकी जानकारी जुटाने के लिए दस्तावेजों की जांच करने की जरूरत है। इसके अलावा नेशनल हेराल्ड के दफ्तरों का इस्तेमाल किसलिए होता है, उसकी जांच भी की जाएगी।

राहुल गांधी बोले- तानाशाह के हर फरमान से लड़ना है

इस बीच राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर टिप्पणी की है। उन्होंने फेसबुक पर लिखा, खुद को अकेला मत समझना, कांग्रेस आपकी आवाज़ है, और आप कांग्रेस की ताक़त। तानाशाह के हर फ़रमान से, जनता की आवाज़ दबाने की हर कोशिश से हमें लड़ना है। आपके लिए, मैं और कांग्रेस पार्टी लड़ते आ रहे हैं, और आगे भी लड़ेंगे। आज देश में किन मुद्दों पर विचार-विमर्श होना चाहिए, ये आप अच्छे से जानते हैं क्योंकि सरकार की हर ग़लत नीति का असर आपके जीवन पर पड़ रहा है।

फेसबुक पर लिखा- अहंकारी राजा की छवि चमकाने में अरबों फूंके

इसके आगे उन्होंने लिखा, इस मानसून सत्र में हम सरकार से जनता के सवालों के जवाब मांगना चाह रहे थे, लेकिन आप सब ने देखा कैसे सरकार ने विपक्ष के लोगों को निलंबित करवाया। हमारे द्वारा विरोध करने पर हमें गिरफ़्तार करवाया, सदन स्थगित करवाया, और कल जब चर्चा हुई भी तो सरकार ने साफ कहा कि महंगाई जैसी कोई समस्या है ही नहीं। देश बेरोज़गारी की महामारी से जूझ रहा है, करोड़ों परिवारों के पास स्थिर आय का कोई साधन नहीं बचा।
लेकिन सरकार सिर्फ़ एक अहंकारी राजा की छवि चमकाने में अरबों रुपए फूंक रही है।

फाजिल हत्या कांड में पुलिस ने छह और लोगों को किया गिरफ्तार

मेंगलूरु। कर्नाटक में पुलिस ने मोहम्मद फाजिल हत्याकांड मामले में छह और लोगों को गिरफ्तार किया है।

इससे पहले पुलिस ने फाजिल (23) की हत्या के लिए इस्तेमाल की गई कार के मालिक अजीत क्रस्टा को गिरफ्तार किया था। पुलिस इस मामले में अभी तक सात लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। सभी आरोपियों को लंबा आपराधिक रिकॉर्ड है। अभी तक यह पता नहीं चल सका है कि यह हत्या किस मकसद से की गई थी।

उल्लेखनीय है कि 28 जुलाई की शाम को मंगलुरु शहर के बाहरी इलाके सुरथकल में नकाबपोश लोगों ने फाजिल की हत्या कर दी थी।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार लोगों की पहचान मोहन अयास नेपाली मोहन (26), श्रीनिवास कटिपल्ली (23), गिरिधर (23), दीक्षित (21), अभिषेक (21) और सुहास शेट्टी (29) के रूप में हुई है।

मेंगलूरु के पुलिस आयुक्त एन शशि कुमार ने पत्रकारों को बताया कि आरोपियों ने 15 हजार रुपये देने का वादा करके तीन दिनों के लिए क्रैस्टा से एक कार किराए पर ली थी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि फाजिल की हत्या के मकसद के बारे में पूछताछ के बाद ही ब्योरा देना उचित होगा। उन्होंने कहा, हम आरोपियों को अदालत में पेश करेंगे और 14 दिनों की पुलिस हिरासत की मांग करेंगे। इस अवधि के दौरान उनसे पूछताछ करेंगे और फाजिल की हत्या के मकसद के बारे में आधी-अधूरी जानकारी देना उचित नहीं होगा।

उन्होंने बताया कि फाजिल की हत्या की साजिश मुख्य आरोपी सुहास और अभिषेक ने 26 जुलाई की रात फोन पर रची थी और 28 जुलाई को उसकी हत्या कर दी गई।

विश्व में फेफड़ों के कैंसर से हर साल 21 लाख लोगों की मौत

एजेंसी

हमीरपुर। राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम के सलाहकार डॉ. नरेश पुरोहित ने कहा कि दुनिया भर में फेफड़ों के कैंसर से हर वर्ष 21 लाख लोगों की जान चली जाती है।

एपिडेमियोलॉजिस्ट और प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. पुरोहित ने मंडी स्थित अटल मेडिकल रिसर्च यूनिवर्सिटी (एएमआरयू) द्वारा सोमवार रात आयोजित एक वेबिनार को संबोधित करने के बाद यहां यूनीवार्ता से बात करते हुए इस आशय का दावा किया। उन्होंने कहा कि सभी तरह कैंसर में से फेफड़ों के कैंसर का प्रतिशत 5.9 है और कैंसर से संबंधित मौत में इसका 8.1 प्रतिशत है।

डॉ. पुरोहित ने हालांकि कहा कि फेफड़ों के कैंसर को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा धूम्रपान करने से फेफड़ों का 24 से 36 गुना बढ़ जाता है। जबकि धूम्रपान न करने वालों में इसका जोखिम 3.5 प्रतिशत होता है। उन्होंने बताया कि भारत में 2025 में कैंसर के मामले 2.98 करोड़ होने की उम्मीद है। डॉ. पुरोहित ने कहा कि धूम्रपान न करने वालों में भी धुएं के संपर्क में आने से कैंसर का खतरा बढ़ता है। इसके अलावा अन्य जोखिमों जैसे वायु प्रदूषण, विकिरण थेरेपी, रेडॉन गैस के संपर्क में आने से, एस्बेस्टस और अन्य कैंसरकारी तत्वों के संपर्क में आने से फेफड़ों को कैंसर हो सकता है। उन्होंने कहा कि फेफड़े का कैंसर पुरुष और महिला दोनों को प्रभावित करता है। यह हालांकि मुख्य रूप से धूम्रपान करने वालों में होता है।

विधवा से बलात्कार के आरोप में फूफा ससुर गिरफ्तार

कोटा। राजस्थान में कोटा जिले के इटावा थाना क्षेत्र में एक विधवा से बलात्कार के आरोप में पुलिस ने आज उसके फूफा ससुर रामेश्वर दयाल कीर को गिरफ्तार किया है। कोटा ग्रामीण के इटावा थाना प्रभारी रामनिवास मीणा ने बताया कि क्षेत्र के कीरपुरा गांव निवासी एक विधवा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि गत 28 जुलाई को जब वह गांव में दुकान से खरीदारी कर लौट रही थी तो रास्ते में रामेश्वर दयाल कीर ने उसे एक रिश्तेदार से मिलाने के बहाने मोटरसाइकिल पर बिठा लिया और उसे बूंदी जिले के देही खेड़ा थाना क्षेत्र के बगली गांव में अपने मकान में ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। पीड़िता का कहना था कि बाद में रामेश्वर दयाल ही उसे वापस मोटरसाइकिल से उसके गांव के पास छोड़ कर फरार हो गया।

जलभराव क्षेत्रों से जल्द करें पानी की निकासी : उपमुख्यंत्री चौटाला

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा के उपमुख्यंत्री दुष्यंत चौटाला ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि जलभराव वाले क्षेत्रों से जल्द से जल्द पानी की निकासी की जाए। इसके साथ ही संबंधित अधिकारी इन क्षेत्रों में निगरानी बनाएं रखें।

श्री चौटाला ने कहा कि सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, जींद आदि जिलों में जलभराव की समस्या का तुरंत समाधान किया जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। हिसार-घग्घर ड्रेन से सिरसा के जिन क्षेत्रों में पानी

का भराव हुआ है, वहां से पानी को जल्द से जल्द निकालने की पुख्ता व्यवस्था की जाए।

उपमुख्यमंत्री मंगलवार को सिरसा दौरे पर थे, इस दौरान उन्होंने जलभराव की समस्या को लेकर अधिकारियों की बैठक बुलाई, जिसमें चंडीगढ से चीफ इंजीनियर को टीम सहित बुलाया गया। इस अवसर पर उपायुक्त अजय सिंह तोमर, चीफ इंजीनियर नीतीश जैन, एसई ए.आर भांभू सहित सिंचाई विभाग के आला अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि प्रदेश भर में पिछले 25 से 30 सालों में पहली बार इतनी अधिक बारिश हुई है। उन्होंने कहा कि हिसार घग्घर ड्रेन में पानी काफी अधिक है, इसे लिए सिरसा जिला प्रशासन की ओर से पूरी तैयारी की गई है, पानी की तेजी से निकासी के लिए पिछले वर्ष जहां 50 पंप सैट थे, वहीं अब 100 से अधिक पंप सेट उपलब्ध है, इसके अलावा दूसरे सभी प्रबंध किए गए हैं ताकि जल निकासी की तेजी से की जा सके।

देश में मंकीपॉक्स के आठ केस, एक की मौत

अकेले केरल में 5 मामले; दिल्ली में 3 संक्रमित, इनमें दो नाइजीरियाई नागरिक

नई दिल्ली। केरल के बाद मंगलवार को दिल्ली में भी मंकीपॉक्स का नया मामला सामने आया है। मरीज नाइजीरिया का है, लेकिन दिल्ली में ही रहता है। इसकी कोई हालिया ट्रैवल हिस्ट्री नहीं मिली है। इसके बाद देश में मंकीपॉक्स के मरीजों की संख्या 8 पहुंच चुकी है। इनमें दिल्ली में 3 और केरल में 5 मामले दर्ज हुए हैं।

वहीं, केरल में 30 जुलाई को एक मरीज की मौत हो चुकी है। दिल्ली में 3 संक्रमितों में से 2 नाइजीरिया के नागरिक हैं। इधर, केंद्र ने बढ़ते मामलों के बीच एक टास्क फोर्स का गठन किया है। इसकी अध्यक्षता डॉक्टर

वीके पॉल और स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण कर रहे हैं।

यूएई से केरल आया मरीज

स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि केरल में मंगलवार को मिला 5वां मरीज 27 जुलाई को यूएइ से घर पहुंचा था। तबीयत खराब होने पर उसे मलप्पुरम जिले के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उसकी हालत अभी ठीक है।

मरीज के माता-पिता सहित उसके संपर्क में रहने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। मंत्री ने बताया कि बाकी के तीन मरीजों में से एक पूरी तरह ठीक हो चुका है। दूसरों की हालत में भी सुधार है।

दिल्ली में तीन मामले

दिल्ली में भी पहले दो मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से एक व्यक्ति अफ्रीका से लौटा था। वहीं, एक 35 साल का व्यक्ति भी पॉजिटिव पाया गया है, जो नाइजीरिया का है और भारत में ही रहता है, लेकिन संक्रमित पाए जाने से कुछ दिन पहले मनाली घूमकर आया था।

देश में मंकीपॉक्स से पहली मौत

केरल के त्रिशूर में शनिवार को 22 साल के शख्स की मौत हो गई। यह युवक 21 जुलाई को संयुक्त अरब अमीरत से लौटा था, जिसके बाद उसे 27 जुलाई को अस्पताल में भर्ती किया गया, यहां उसकी मौत हो गई। हालांकि, मौत के बाद उसकी रिपोर्ट सामने आई, जिसमें वह पॉजिटिव पाया गया।

कोविड टीकाकरण में 204.60 करोड़ से अधिक टीके लगे

नयी दिल्ली। देश भर में राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 204.60 करोड़ से अधिक कोविड टीके लगाए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक दो अरब चार करोड़ 60 लाख 81 हजार 81 टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 13 हजार 734 नये मरीज सामने आये हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना सक्रिय मामलों की संख्या एक लाख 39 हजार 792 हो गयी है।

'हर घर तिरंगा' अभियान में सोशल मीडिया प्रोफाइल पर लगाए तिरंगा: ठाकुर

भोपाल। मध्यप्रदेश की संस्कृति मंत्री उषा ठाकुर ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान हर देश भक्त में राष्ट्र ध्वज के प्रति सम्मान और देश भक्ति का भाव पैदा करने वाला अभियान है। आजादी के अमृत महोत्सव पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने हम सभी को अपने-अपने तरीके से राष्ट्र ध्वज के प्रति सम्मान दिखाने के मौके दिए हैं। आधिकारिक जानकारी में सुश्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल पिक्चर पर तिरंगे की फोटो लगाई है। हम भी उनका अनुसरण करते हुए अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल पर तिरंगे की फोटो लगाये। इससे देश-भक्ति का संचार होगा और पूरा विश्व भारत की एकता से परिचित होगा।

सुश्री ठाकुर ने बताया कि 'हर घर तिरंगा' अभियान के लिए विशेष रूप से केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा वेबसाइट निर्मित की गई है। इस पर अपने घर, दुकान, संस्थान आदि की लोकेशन पर तिरंगा को पिन करने वाले हर व्यक्ति को संस्कृति मंत्रालय की तरफ से प्रमाण-पत्र दिया जायेगा। मंत्री सुश्री ठाकुर ने सभी प्रदेशवासियों से प्रमाण-पत्र को सोशल मीडिया पर अपलोड और हर घर तिरंगा का उपयोग कर अभियान में भागीदार बनने की अपील की है।

उन्होंने बताया कि वेबसाइट पर राष्ट्रीय ध्वज के साथ सेल्फी अपलोड करने पर वेबसाइट के होम पेज पर प्रदर्शित किया जायेगा।

जम्मू में नियंत्रण रेखा के पास संदिग्ध ड्रोन पर बीएसएफ ने की गोलीबारी

जम्मू। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सतर्क जवानों ने जम्मू के कान्हाचक सेक्टर में नियंत्रण रेखा के समीप ड्रोन होने की आशंका के साथ एक उड़ती हुई वस्तु पर गोलीबारी की। बीएसएफ के एक अधिकारी ने मंगलवार को यहां बताया कि नियंत्रण रेखा के समीप कल देर रात कान्हाचक इलाके में एक अज्ञात उड़ती वस्तु पर चमचमाती रोशनी देखी गयी। जवानों ने ड्रोन होने की आशंका पर उस पर गोलियां चलायी। बाद में रोशनी दिखाई देना बंद हो गयी। पुलिस और अन्य एजेंसियों ने इलाके में तलाश अभियान छेड़ा है। पिलहाल कुछ भी बरामद नहीं हुआ है। हाल के दिनों में सुरक्षा एजेंसियों ने ड्रोन के जरिए हवा में गिराए गए हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए सीमा पार से की गयी कोशिशों को भी नाकाम किया है।

लाल किले से संसद तक सांसद आज निकालेंगे 'तिरंगा बाइक रैली'

सरकार की सभी दलों से साथ आने की अपील

एजेंसी

नई दिल्ली। संस्कृति मंत्रालय सांसदों के लिए बुधवार सुबह लाल किले से संसद तक तिरंगा बाइक रैली आयोजित करने जा रहा है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सभी राजनीतिक दलों के सांसदों से इस रैली में हिस्सा लेने की अपील की है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संसदीय दल की बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए संसदीय कार्य मंत्री जोशी ने कहा कि यह आयोजन संस्कृति मंत्रालय की ओर से किया जा रहा है ना कि भाजपा की ओर से। उन्होंने सभी दलों के सांसदों से इस कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया और उन्हें सुबह साढ़े आठ बजे लाल किला पहुंचने को कहा।

संसदीय दल की बैठक में भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने आजादी की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर नौ अगस्त से 15 अगस्त के बीच आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के बारे में चर्चा की। उन्होंने हर घर तिरंगा अभियान पर खासा जोर दिया और भाजपा सांसदों से अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों में लोगों को इससे जोड़ने का आग्रह किया।

नड्डा ने हर घर तिरंगा अभियान को लोकप्रिय बनाने के लिए पार्टी नेताओं से सुबह नौ बजे से 11 बजे के बीच प्रभात फेरी निकालने और पार्टी की युवा शाखा के नेताओं से बाइक के जरिये तिरंगा यात्रा निकालने को कहा। हर घर तिरंगा अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी से अपने घरों पर 13 अगस्त से 15 अगस्त के बीच तिरंगा लगाने का आग्रह किया है।

जोशी ने कहा कि पार्टी के नेता 11 से 13 अगस्त तक बूथ स्तर तक प्रभात फेरी निकालेंगे और इस दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पसंदीदा भजन रघुपति राघव राजा राम और राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का गायन करेंगे।

नड्डा ने अपने संबोधन में सांसदों से कहा कि इन कार्यक्रमों के दौरान अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें और उन बूथों पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करने का कहा, जहां पिछले चुनावों में भाजपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है।

पार्टी 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस भी मनाएगी। भारत के विभाजन के कारण अपनी जान गंवाने वाले और अपनी जड़ों से विस्थापित होने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि के रूप में सरकार ने हर साल 14 अगस्त को उनके बलिदान को याद करने के लिए विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने का फैसला किया था। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने इसकी घोषणा की थी। संसदीय दल की बैठक में नड्डा ने मध्य प्रदेश के स्थानीय निकाय के चुनाव सहित हाल के अन्य चुनावों में पार्टी के अच्छे प्रदर्शन का भी उल्लेख किया।

पांच अगस्त को भाजपा के सांसदों की एक बैठक होगी जिसमें छह अगस्त को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव के मद्देनजर उन्हें महत्वपूर्ण जानकारियां दी जाएंगी।

उपराष्ट्रपति चुनाव में भाजपा ने पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल जगदीप धनखड़ को उम्मीदवार बनाया है। उनका मुकाबला कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और विपक्ष की संयुक्त उम्मीदवार मागरिट अल्वा से है।

तमिलनाडु में फिल्म निर्माता अंबू चेझियान के घर पर आयकर के छापे

चन्नई। आयकर अधिकारियों ने मंगलवार को तमिलनाडु के फिल्म निर्माता, वितरक एवं फाइनेंसर अम्बु चेझियान के कई परिसरों पर कर चोरी के आरोप में छापे मारे ।प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार , गोपुरम फिल्म्स के फाइनेंसर-निर्माता अंबु चेझियान, ड्रीम वारियर पिक्चर्स के कलाईपुली एस. थानू, एस.आर. प्रभु के आवासीय और कार्यालय परिसरों में छापेमारी चल रही है। आज सुबह शुरू हुई एक साथ छापेमारी चेन्नई और मदुरै सहित 40 से अधिक ठिकानों में चल रही है। एक फाइनेंसर से अब फिल्म निर्माता बने अम्बु चेझियान के लगभग 10 ठिकानों पर आयकर छापे मारी जारी है। गौरतलब है कि इससे पहले फरवरी 2020 में आयकर विभाग ने अंबु चेझियान के चेन्नई और मदुरै के विभिन्न ठिकानों से 75 करोड़ रुपये की अकूत राशि जब्त की थी।

आदित्य ने शिंदे सरकार पर साधा निशाना

कोल्हापुर। शिव सेना नेता आदित्य ठाकरे ने मंगलवार को शिंदे सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ठाकरे परिवार को अलग-थलग करने की साजिश विफल हो गई है, प्रशासन के नाम पर लोगों को बेवकूफ बनाया जा रहा और अभी भी महाराष्ट्र सरकार की कैबिनेट (मंत्रिमंडल) बैठक नहीं हुई है। ठाकरे ने 'निष्ठा यात्रा' के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि देशद्रोहियों का असली चेहरा सामने आ गया है। अभी तक मंत्रिमंडल की बैठक नहीं होने पर उन्होंने एकनाथ शिंदे-देवेंद्र फडणवीस सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, शिंदे-फडनवीस सरकार के गठन के बाद 33 दिन बीत चुके हैं, लेकिन उन्हें 'जंबो कैबिनेट' गठित करने के लिए अभी कोई तीसरा व्यक्ति नहीं मिला है। उन्होंने (देशद्रोहियों ने) शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे और उनके परिवार के सदस्यों को अलग-थलग करने की साजिश रची, लेकिन मुझे विश्वास है कि महाराष्ट्र के लोग हमें अलग नहीं करेंगे।

नदी में फंसे कार सवार लोगों के लिए देवदूत बना एसडीआरएफ

देहरादून। उत्तराखंड में सोमवार की देर रात बीन नदी में तीन जनमानस के साथ वाहन फंस गया। ऐसे में फिल्मी हीरो की तरह देवदूत बनकर पहुंचे उत्तराखंड के राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के जवानों द्वारा जान हथेली पर रखकर सभी को सुरक्षित बाहर निकालना रियल लाइफ का रियल सीन बन गया ।एसडीआरएफ प्रवक्ता ललिता दास नेगी ने मंगलवार सुबह बताया कि मानसूनी वर्षा के कारण देहरादून जनपद के ऋषिकेश और हरिद्वार के बीच बहने वाली बीन नदी में उफान आ गया। इस बात से अनजान एक कार सवार तीन लोग बीच नदी में फंस गए। यह सभी लोग हरिद्वार से ऋषिकेश आ रहे थे।

शार्ट न्यूज

पुलिस के हत्थे चढा एक शातिर चोर

नोयडा। थाना सेक्टर 63 पुलिस ने मंगलवार को एक शातिर चोर चोटपुर कालोनी के एक मकान में चोरी करने वाला अभियुक्त संजय शा पुत्र महेन्द्र शा निवासी वार्ड नंबर 3 कस्बा शिवहर थाना कोतवाली शिवहर जनपद शिवहर (बिहार) वर्तमान चारमूर्ति पुलिया के पास झुग्गी झोपड़ी थाना बिसरख जनपद गौतमबुद्धनगर से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने चोरी के दो गैस सिलेन्डर,एक टेबिल फैन,एक मिक्सी,एक जार स्टील, 600 रुपये नगद और एक अवैध चाकू बरामद किया है।अभियुक्त द्वारा 23 जुलाई 2022 को चोटपुर कालोनी स्थित एक मकान में चोरी की थी। अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

नाम बदलकर युवती पर शादी का दबाव बनाने एवं रूपये ऐंठने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। दनकौर पुलिस ने नाम बदलकर युवती पर शादी का दबाव बनाने एवं रुपये ऐंठने वाले अभियुक्त चांद पुत्र हबीब निवासी ग्राम ऊँची दनकौर थाना दनकौर गौतमबुद्धनगर को ऊँची दनकौर से गिरफ्तार कर लिया। गौरतलब है कि थाना दनकौर पर वादिया द्वारा सूचना अंकित करायी कि चांद पुत्र हबीब निवासी ग्राम ऊँची दनकौर थाना दनकौर गौतमबुद्धनगर ने अपना नाम बदलकर मेरे साथ प्यार का झूठा नाटक करके पैसे ऐंठता था। जिसके सम्बन्ध में थाना दनकौर पर मुकदमा अपराध संख्या 267/22 धारा 420 भादवि व 3/5(1) उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 के तहत पंजीकृत किया गया। वादिया अभियुक्त के ऑटो से आती जाती थी। जिससे इनमें आपस में जान पहचान हो गयी। लड़के ने लड़की पर शादी का दबाव बनाना शुरू कर दिया। लड़की को पता चला कि लड़का दूसरे समुदाय से है और नाम बदलकर उससे बात करता था। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

जिला कारागार गौतमबुद्धनगर की विजिट एवं निरुद्ध बंदियों के लिए आयोजित किया गया विधिक साक्षरता शिविर

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा प्राप्त निर्देशो के अनुपालन में एवं अवनीश सक्सेना जनपद न्यायाधीश गौतबुद्धनगर के दिशा-निर्देशन में तथा शिवानी त्यागी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला कारागार गौतमबुद्धनगर की विजिट एवं यूटीआरसी के अन्तर्गत चिन्हित बंदियों के मध्य विधिक साक्षरता व जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवानी त्यागी द्वारा शिविर में बताया गया कि निरुद्ध बंदियों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा अण्डर ट्रायल रिव्यू कमेटी के अन्तर्गत बंदियों की रिहाई हेतु ञ्कञ्ज75 महाअभियान संचालित किया गया है। इस महाअभियान के अन्तर्गत बंदियों को पात्रता के आधार पर रिहा कराये जाने के बाबत विस्तापूर्वक जानकारी उपलब्ध करायी गई। इसके अतिरिक्त विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चलाई जी जा रही योजनाओं (नि:शुल्क कानूनी सहायता, बंदियों के अधिकार, आदि विषयों पर प्रकाश डाला गया तथा शिविर के माध्यम से बंदियों को उनके मौलिक अधिकारों व कर्तव्यों के विषय में जानकारी दी गई। कारागार में निरूद्ध बंदियों को अपने मुकदमों में पैरवी हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से अधिवक्ता उपलब्ध कराने हेतु पूछा गया।शिविर में शिवानी त्यागी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,अरुण प्रताप सिंह अधीक्षक जिला कारागार गौतमबुद्धनगर के साथ कारागार स्टाफ एवं बंदीगण उपस्थित रहे।

संपत्ति कर जमा न करने पर निजी संस्थानों को नोटिस

सोहना। नगर परिषद ने 25 निजी संस्थानों पर 80 लाख रुपये बकाया संपत्ति कर को लेकर नोटिस जारी किया है। इससे पहले नौ सरकारी विभागों को एक करोड़ 27 लाख रुपये के नोटिस जारी किए गए थे। परिषद विभाग अभी अन्य निजी संस्थानों को भी नोटिस देने की तैयारी में है। शहर के वार्ड-3 में बनी जीएलएस सोसाइटी पर 9 लाख 37 हजार 649 रुपये का संपत्ति कर है। दूसरे नंबर पर जीएलएस सोसायटी पर 8 लाख 91 हजार 633 रुपये है। दोनों ही सोसायटियों पर वर्ष 2022-23 का बकाया संपत्ति कर है। इसके अलावा निजी यूनिवर्सिटी, कॉलेज, स्कूल, होटल और पेट्रोल पंपों को भी नोटिस जारी किया गया है। नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी अतर सिंह ने बताया कि संपत्ति कर की वसूली में किसी प्रकार की ढिल नहीं दी जाएगी। नोटिस देने के बावजूद कर जमा नहीं करने वालों पर केस भी दर्ज किया जाएगा।

कोरोना : 213 नए संक्रमित मरीज मिले

गुरुग्राम। जिले में कोरोना से संक्रमित मंगलवार को 213 नए मरीज मिले। इसी के साथ कुल संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 288867 हो गई। राहत इस बात की रही कि बीते 24 घंटे में किसी भी संक्रमित मरीज की मौत नहीं हुई। वहीं मंगलवार को 209 मरीज संक्रमण को मात देकर स्वस्थ भी हो गए। मंगलवार को जिले में कोरोना संक्रमण की दर 5.22 फीसदी दर्ज की गई। लगातार नए संक्रमित मरीज मिलने की वजह से कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या जिले में बढ़कर मंगलवार को 882 तक पहुंच गई। इनमें से 860 संक्रमित मरीज होम आइसोलेशन में हैं। इनमें संक्रमण के कम लक्षण होने की वजह से स्वास्थ्य विभाग ने इन्हें एहतियात बरतते हुए होम आइसोलेशन में रहने की हिदायत दी है। 22 सक्रिय मरीजों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। नए संक्रमित मरीजों की पहचान के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग का सघन जांच अभियान लगातार जारी है। कोरोना जांच के लिए मंगलवार को जिले में 4080 नमूने लिए गए। इनमें से 1762 नमूनों की जांच रैपिड एंटीजन टेस्ट से की गई। जबकि 2318 नमूने आरटीपीसीआर जांच के लिए एकत्रित किए गए। 1481 नमूनों की जांच रिपोर्ट अभी सरकारी लैब से आना बाकी है।

हर कार्यकर्ता से संवाद जरूरी : ओपी धनखड़

फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि संगठन के हर कार्यकर्ता के साथ संवाद करना बहुत जरूरी है। उन्होंने संवाद को ही जीत का मंत्र बताते हुए कहा कि संवाद से न केवल संगठन मजबूत रहता है, बल्कि चुनाव जीतना भी आसान हो जाता है। वह मंगलवार को फरीदाबाद के कन्वेंशन हाल में आयोजित शक्ति केंद्र प्रमुखों की जिला स्तरीय कार्याशाला में बोल रहे थे। इस मौके पर उन्होंने हर घर तिरंगा अभियान, जिला पंचायत चुनाव व नगरपरिषद चुनाव को लेकर शक्ति केंद्र प्रमुखों को अभी से तैयारियों में जुट जाने को कहा। कार्यशाला में संगठन प्रदेश महामंत्री रविन्द्र राजू, जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, जिला महामंत्री मूलचंद मित्तल व आरएन सिंह मुख्य तौर पर उपस्थित रहे। ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि हमारे लिए हमेशा देश सर्वोपरि है। उन्होंने शक्ति केंद्र प्रमुखों को उनके दायित्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि त्रिदेव के साथ पन्ना प्रमुख और बूथ समिति को सक्रिय करना बहुत जरुरी है। धनखड़ ने कहा कि हर बूथ पर एक अच्छे कार्यकर्त्ता को बीएलए-2 की जिम्मेदारी देने से बूथ और सशक्त होगा। इस दौरान प्रदेश संगठन मंत्री रविन्द्र राजू ने कहा कि शक्ति केंद्र प्रमुख की कार्यशालाओं का आयोजन 9 अगस्त तक पूरे हरियाणा में किया जायेगा। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान को पूरे जोर-शोर से चलाना है। शक्ति केंद्र प्रमुख अपने बूथ को मजबूत करें। शक्ति केंद्र प्रमुख का काम अपने बूथों की चिंता करना और वोटर से बूथ पर जाकर मिलना है। जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने कहा कि कार्यशालाओं का आयोजन करना भारतीय जनता पार्टी की परम्परा रही है। यह किसी और दूसरी पार्टियों में देखने को नहीं मिलेगी।

केजरीवाल सरकार नई आबकारी नीति के तहत गलत तरीके से दिल्ली के सरकारी खजाने को लूट रही है : आदेश गुप्ता

केजरीवाल की नई आबकारी नीति ने दिल्ली के राजस्व को खोखला करने का काम किया : आदेश गुप्ता

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि मनीष सिसोदिया ने नई आबकारी नीति को लेकर बयान दिया था कि इस नई नीति से दिल्ली सरकार को 3000 करोड़ रुपये का अधिक रेवेन्यू इकट्ठा हुआ है जबकि इससे ठीक उलट दिल्ली सरकार की कैबिनेट नोट इसमें कमी बताई गई है। 2019-20 में रेवेन्यू 8911 करोड़ रुपया का अनुमान था, लेकिन यह घटकर 7029 करोड़ रुपया हो गया। वहीं 2021-22 की बात करें तो 37.5 फीसदी की रेवेन्यू में भारी कमी यानि 2151 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। यानि नई आबकारी नीति से दिल्ली की राजस्व में भारी कमी आई है।

आदेश गुप्ता ने आज राष्ट्रीय कार्यालय में नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी के साथ संयुक्त प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कैबिनेट नोट में इस बात का खुलासा भी हुआ है कि एक ओर राजस्व में कमी आई है तो दूसरी तरफ शराब बोतलों की बिक्री में भारी बढ़ोतरी हुई है। इससे स्पष्ट होता है कि दिल्ली सरकार के खजाने को गलत तरीके से लूटा जा रहा है और इसका सीधा फायदा शराब माफियाओं को पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दो महीने का वक्त देकर और फायदा पहुंचाने का काम केजरीवाल सरकार ने किया है। पहले भी 144 करोड़ रुपये का फायदा पहुंचाया है। दिल्ली सरकार का पूरा फोकस शराब माफिया को फायदा पहुंचाया जाए चाहे इसके लिए दिल्ली के सरकारी खजाने को खोखला कर दिया जाए। प्रेसवार्ता में राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रमुख श्री संजय मयूख और राष्ट्रीय प्रवक्ता सरदार आर पी सिंह भी उपस्थित थे।

नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि हर साल 10,000 करोड़ रुपये का फायदा और शराब की क्वालिटी अच्छी होने का दावा करने वाली केजरीवाल सरकार का पोल उस वक्त खोल गया जब 2022-23 की पहली तिमाही में 2375 करोड़ रुपये का रेवेन्यू आने का अनुमान था लेकिन सिर्फ 505 करोड़ रुपये का रेवेन्यू आया। जबकि 980 करोड़ रुपये तो सेक्योरिटी के रुप में जमा है। जबकि विस्की की सेल में 59.46 फीसदी और वाईन 87.25 फीसदी की वृद्धि हुई है। उन्होंने केजरीवाल सरकार से सवाल किया कि विस्की पर 30 से 300 फीसदी तक एक्साइज ड्यूटी वसूलते हैं, वाइन पर 65 फीसदी और बियर पर 150 फीसदी वसूला जाता है। ऐसे में एक बोतल पर एक फ्री देने पर जो एक्साइज ड्यूटी बनी वह किसने वसूली और वह कहां गई?

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि उपमुख्यमंत्री ने विधानसभा के अंदर स्वीकार किया है कि दिल्ली में 100 नगर निगम वार्ड्स ऐसे हैं जहां शराब के ठेके नहीं खोले जा सकते तो फिर इन्होंने शराब के ठेकेदारों से मोटी-मोटी रकम लेकर मास्टर प्लान का उल्लंघन करके शराब के ठेके क्यों खोले गए हैं अब इसकी जांच सीबीआई करेगी। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार ने शराब माफियाओं की हर वह बात मानी चाहे ड्राइ डे कम करना हो, कमीशन बढ़ाना हो, उम्र सीमा घटाना हो, समय सीमा बढ़ानी हो या फिर खुद की शराब जांच हो।

दिल्ली को डरा रहा मंकीपॉक्स, तीसरा केस मिला, देश भर में अब तक 8 मामले

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में रहने वाला एक और नाइजीरियाई व्यक्ति मंकीपॉक्स से संक्रमित पाया गया है। यह दिल्ली में मंकीपॉक्स से संक्रमित पाया गया तीसरा व्यक्ति है। इससे साथ देश में मंकीपॉक्स से संक्रमित लोगों की कुल संख्या आठ हो गई है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

मंगलवार को नाइजीरिया के एक 31 वर्षीय व्यक्ति को संक्रमण के बाद लोक नायक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां टेस्ट पॉजिटिव पाया गया। मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि मरीज का कोई विदेश यात्रा इतिहास नहीं है।

मंगलवार को नाइजीरिया के एक 31 वर्षीय व्यक्ति को संक्रमण के बाद लोक नायक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां टेस्ट पॉजिटिव पाया गया। मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि मरीज का कोई विदेश यात्रा इतिहास नहीं है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने मंगलवार को राज्यसभा में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, भारत में वर्तमान में मंकीपॉक्स के आठ पुष्ट मामले हैं, जिनमें से पांच रोगियों का विदेश यात्रा का इतिहास है। मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि भारत में आठ मंकीपॉक्स मामलों में से पांच केरल के हैं और तीन दिल्ली के हैं। केरल के त्रिशूर जिले के इन रोगियों में से एक की मौत हो गई है।

वहीं, लोक नायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल में भर्ती दिल्ली के मंकीपॉक्स के पहले मरीज को छुट्टी दे दी गई। वरिष्ठ अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पश्चिमी दिल्ली का यह निवासी (34) पिछले महीने मंकीपॉक्स से संक्रमित पाया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि उनके संपर्क में आए चिकित्सक सहित 14 लोगों को पृथक किया गया, लेकिन इनमें से किसी में भी कोई लक्षण नहीं दिखा। उन्होंने बताया कि उसे सोमवार रात अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इस बीच, शहर के दूसरे मंकीपॉक्स के मरीज तथा नाइजीरियाई नागरिक की हालत स्थिर है।

दिल्ली में दो बसों की जोरदार टक्कर

हादसे में सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के 24 मजदूर हुए घायल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के पटेल नगर में मंगलवार को मजदूरों को सेंट्रल विस्टा परियोजना स्थल पर ले जा रही एक निजी बस और क्लस्टर बस में जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में निजी बस चालक और 24 मजदूरों सहित कुल 28 लोग घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि दुर्घटना की सूचना सुबह नौ बजे मिली। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। इस दुर्घटना में निजी बस के चालक और क्लस्टर बस के तीन यात्रियों सहित चार और लोग भी घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि मजदूरों को नए संसद भवन निर्माण स्थल पर ले जा रही बस पटेल नगर की मेन रेड लाइट पर क्लस्टर बस से टकरा गई। उन्होंने बताया कि इस टक्कर में निजी बस के चालक जगमोहन (44) सहित कुल 28 लोग घायल हो गए।

डीसीप (सेंट्रल) श्वेता चौहान ने बताया कि घायलों को पहले पटेल नगर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में क्लस्टर बस में सवार तीन घायल यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। वहीं, निजी बस के चालक और मजदूरों को आगे के इलाज के लिए राम मनोहर लोहिया अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

डीसीपी ने बताया कि निजी बस के चालक जगमोहन अभी भी बेहोश थे। पुलिस ने कहा कि वे दुर्घटना के कारण का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बता दें कि, क्लस्टर बसों का संचालन दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टी-मोडल ट्रांजिट सिस्टम लिमिटेड द्वारा किया जाता है, जो दिल्ली सरकार और आईडीएफसी फाउंडेशन का संयुक्त उद्यम है।

नौकरी के बहाने युवती को होटल में बुलाकर किया रेप, विरोध पर पीटा

नोएडा। युवक ने नौकरी दिलाने के बहाने युवती को सेक्टर-27 स्थित होटल में बुलाकर दुष्कर्म किया। आरोपी ने युवती के विरोध करने पर उससे मारपीट भी की। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ सेक्टर-20 थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस को दी शिकायत में युवती ने बताया कि एक युवक ने उनसे नौकरी दिलाने के नाम पर संपर्क किया था। युवक ने अपना नाम सागर बताया। सागर ने उसे सेक्टर-27 स्थित होटल में बुलाया। युवती का आरोप है कि उसे होटल आने पर पता चला कि युवक का नाम सागर नहीं बल्कि शहबाज है। आरोपी ने युवती के साथ होटल में दुष्कर्म किया। पीड़िता के विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ गाली गलौच कर मारपीट की। पीड़िता ने घटना की जानकारी अपनी बहन को दी। पीड़िता की बहन ने आरोपी से बात की तो उसने उनके साथ भी बदसलूकी की। इसके बाद युवती ने आरोपी के खिलाफ सेक्टर-20 थाने में शिकायत दी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुपालना में विद्यालय में कार्यक्रम

नई शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य ग्रेड स्तर की अपेक्षित योग्यता हासिल करवाना है: ओम प्रकाश

कपिल शर्मा/गौरवशाली भारत

नाँगल चौधरी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुपालना में शिक्षा विभाग के सौजन्य से निपुण हरियाणा मिशन के तहत प्राथमिक शिक्षकों के लिए चल रहे 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला को खण्ड शिक्षा अधिकारी ओम प्रकाश द्वारा शुभारम्भ किया गया। इस प्रशिक्षण में अध्यापकों को अभिप्रेरित करते हुए खण्ड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि नई शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य पढ़ने लिखने तथा संख्या ज्ञान में ग्रेड स्तर की अपेक्षित योग्यता हासिल करवाना है। बता दें कि, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य विकास जयदीप की देख रेख मे इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक करवाया जा रहा है। खण्ड नांगल चौधरी में यह कार्यक्रम 28 जुलाई से मंगलवार 2 अगस्त तक पहले ग्रुप का आयोजित किया गया। इस मिशन के तहत यह सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न शैक्षणिक पहल कर रहा है। ग्रेड 1 से 3 के सभी छात्र रोड-स्तरीय एफ.एल.एन सक्षम बने। केआरपी मनमोहन ने यहां से सीखी हुई कलाओं को कक्षाओं में लागू करने की अपील की। जिससे बच्चे लाभान्वित हो सके। KRP जितेन्द्र ने कहा कि, इस पहल को एक मजबूत तकनीक - सक्षम निगरानी प्रणाली द्वारा पुरा किया जाएगा ताकि कक्षा के अन्दर और बाहर सभी कार्यो को देखा सके। बूढ़नवाल से इस प्रशिक्षण ग्रुप के जीपीएस धर्मवीर को श्रेष्ठ प्रशिक्षण पुरस्कार भी दिया गया। जिन्होने हर गतिविधी में बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर गाँव नायन से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के एबीआरसी सुरेन्द्र, भूंगारका विद्यालय से एबीआरसी राजेन्द्र, नांगल चौधरी विद्यालय एबीआरसी राजेन्द्र, एबीआरसी ज्योति एवं समस्त विद्यालय स्टॉफ उपस्थित रहे।

शराब घोटाले के जिम्मेदार मनीष सिसोदिया अभी तक गिरफ्तार क्यो नही?

केजरीवाल सिसोदिया को तुरंत प्रभाव से बर्खास्त करे : चौ0 अनिल कुमार

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली में नई आबकारी नीति पर मुख्य सचिव की रिपोर्ट पर उपराज्यपाल द्वारा सीबीआई जांच की सिफारिश होन के बाद जब केजरीवाल ने शराब नीति को वापस लेने की घोषणा कर दी, तब केजरीवाल ने मनीष सिसोदिया को मंत्रीमंडल से बर्खास्त क्यों नही किया? प्रदेश अध्यक्ष ने दिल्ली सरकार से प्रश्न पूछा कि कि हजारों करोड़ के भ्रष्टाचार के सरमाएदार और शराब माफिया को आर्थिक लाभ पहुँचाने वाले मनीष सिसोदिया अभी तक जेल से बाहर क्यों है।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि केजरीवाल द्वारा शराब नीति की वापसी का मतलब इसमें उनकी कोई दूरदर्शी सोच नही बल्कि शराब नीति में हुए भ्रष्टाचार में सलिंप्त मनीष सिसोदिया को बचाने का षडयंत्र है, जिससे वो अपनी ही नीति को वापस लेकर सहानूभूति अर्जित करना चाहते है। मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने आबकारी नीति को वापस लेने की घोषणा बिना केबिनैट और उपराज्यपाल की सहमति तो करके जनता का ध्यान भ्रष्टाचार से हटाने की मंशा से पुरानी नीति को लागू करने पर मजबूर हुए है।

चौ0 अनिल कुमार ने ट्वीट करके भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता से सवाल किए कि शराब घोटाले के तथ्य जब सामने आस चुके है तब अबतक पुलिस ने पूछताछ व गिरफ्तारी क्यों नही की? एक अन्य सवाल में पूछा कि जब केन्द्र सरकार द्वारा नियुक्त उपराज्यपाल ने शराब नीति को लागू करने की अपनी सहमति दी तो दिल्ली के भाजपा सांसदों और विधायकों ने क्या किया? वे प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से क्यों नही मिले? उन्होंने कहा कि जब केजरीवाल ने दिल्ली को नशे की राजधानी बना रहे थे तब भाजपा सांसद, विधायक क्या कर रहे थे, क्यों नही किसी जांच एजेंसी से शिकायत नही की?

वेदांता सोसाइटी के लोगों को मिलेगी पर्याप्त बिजली

गुरुग्राम। सेक्टर-108 के वेदांता सोसाइटी में रहने वाले लोगों की बिजली की समस्या जल्द खत्म होगी। बिल्डर ने 33 केवी का बिजली सब स्टेशन बनाने के लिए काम शुरू कर दिया है। इससे सोसाइटी के 500 परिवारों को पर्याप्त बिजली मिलेगी। अस्थाई कनेक्शन से बिल्डर लोगों को बिजली सप्लाई करता है। साथ ही डीजल जनरेटर से भी बिजली आपूर्ति करता है। सब स्टेशन बनने से लोगों को राहत मिलेगी। सोसाइटी में रहने वाले लोगों ने कहा कि बिल्डर ने 13 करोड़ रुपये लेने के बाद भी सब स्टेशन नहीं बनवाया था। इस मामले में जिला कोर्ट में शिकायत दी थी। कोर्ट ने लोगों की इस समस्या को सुलझाने के लिए फरवरी माह में बिल्डर दफ्तर सील कर दिया था। अब नगर योजनाकार विभाग ने 22 बिल्डरों को अपनी सोसाइटी में जनरेटर बंद करने का आदेश दिया है। चार अगस्त तक सोसाइटी में बिजली का स्थायी समाधान करने का जवाब मांगा है। बिल्डर ने सोसाइटी में सब स्टेशन बनाने का काम शुरू करवा दिया है। उधर, सेक्टर-109 के चिंटल सोसाइटी में भी जनरेटर बंद होने की चिंता 400 परिवारों को सता रही है। लोगों ने बिल्डर से सब स्टेशन बनाने की मांग की है। बिल्डर ने बिजली निगम को पत्र लिखकर कहा है कि सोसाइटी में ऑडिट का काम शुरू है।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को बड़ी कामयाबी

गोगी गैंग का कुख्यात शार्पशूटर मुठभेड़ के बाद पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने कुख्यात गोगी गैंग के एक शार्पशूटर को भलस्वा डेयरी इलाके में स्थित लैंडफिल के पास मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गोगी गैंग लॉरेंस बिश्नोई के लिए भी काम करता था।

पुलिस ने मंगलवार को बताया कि आरोपी की पहचान गोगी गैंग और बॉक्सर गैंग के शार्पशूटर भगवान सिंह उर्फ मुकेश (उम्र 32 साल) के रूप में हुई है। भगवान सिंह रंगदारी, हत्या और फायरिंग जैसी कई घटनाओं में शामिल रहा है। उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार व्यक्ति को सरेंडर करने के लिए कहा गया था, लेकिन उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। इसके बाद स्पेशल सेल के जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए उनके बाएं पैर में गोली मार दी। गिरफ्तारी के बाद उसे उसे इलाज के लिए जहांगीरपुरी के बाबू जगजीवन राम अस्पताल ले जाया गया। इस मुठभेड़ के दौरान कुल पांच राउंड फायर किए गए, जिसमें तीन आरोपी ने किए थे और दो पुलिस टीम द्वारा किए गए थे।

दिल्ली पुलिस ने कहा कि भगवान सिंह एक वॉन्टेड अपराधी था और उस पर इस साल मई महीने में शाहबाद डेयरी के क्षेत्र में सतीश नाम के एक व्यक्ति का अपहरण और हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था।

गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के पास से 3 जिंदा कारतूस के साथ .32 की एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल बरामद की गई है। आरोपी भगवान सिंह पूर्व में दिल्ली में सात से अधिक आपराधिक मामलों में शामिल था, जिसमें हत्या के दो मामले, हत्या के प्रयास के दो मामले, पुलिस पर हमले के दो मामले और अन्य पर हमला, चोट, धमकी, दंगा, चोरी, हथियार अधिनियम आदि शामिल थे।

पुलिस ने कहा कि जेल में बंद होने के दौरान भगवान सिंह गोगी गैंग के सदस्यों के संपर्क में आया और उसके बाद वह उस गैंग से जुड़ गया और अब उनके साथ काम कर रहा है।

एसीबी और विजीलेंस जांच में देरी पर एलजी ने जताई नाराजगी

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने अपराध निरोधक शाखा (एसीबी) और विजीलेंस की जांच में हो रही देरी पर नाराजगी जाहिर की है। उप राज्यपाल ने एक साल से ज्यादा समय से लंबित मामलों पर एसीबी से स्पष्टीकरण भी मांगा है।

उप राज्यपाल ने सरकारी अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायतों की जांच में भ्रष्टाचार निरोधक शाखा एवं सतर्कता निदेशालय द्वारा हो रही प्रक्रियात्मक चूकों व देरी का संज्ञान लिया है। उप राज्यपाल ने मंगलवार के दिन संबंधित प्रशासनिक विभागों द्वारा अपने अधिकारियों के विरुद्ध शिकायतों की जांच के लिए एजेंसियों द्वारा मांगी गई जानकारियों को समय पर उपलब्ध नहीं कराने या देरी करने पर भी नाराजगी जाहिर की है। उप राज्यपाल ने भ्रष्टाचार निरोधक शाखा के अधिकारियों से एक वर्ष से अधिक समय से लंबित सभी मामलों पर स्पष्टीकरण देने को कहा है। इसके साथ ही उन्हें ऐसे मामलों की सूची भी उप राज्यपाल सचिवालय में भेजने को कहा गया है।

सतर्कता निदेशालय और सभी विभागों के अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी करते उप राज्यपाल ने कहा है कि जांच के लिए भेजे गए सभी मामलों-शिकायतों पर गंभीर से विचार करके, यथोचित प्रक्रिया एवं मामलों का विवेक पूर्ण अध्ययन करके उसे निश्चित समय सीमा के अंदर कार्यवाही के लिए प्रस्तुत किया जाए।

उप राज्यपाल द्वारा हाल ही में कई सरकारी अधिकारियों के खिलाफ अलग कार्रवाई की गई है। यह निर्देश ऐसे समय में सामने आए हैं जब उप राज्यपाल ने यह पाया कि सरकारी अधिकारियों के भ्रष्टाचार के जो मामले उनके सामने लाए गए थे, उनमें संबंधित विभागों और एजेंसियों द्वारा विवेकपूर्ण तरीके से अध्ययन नहीं किया और जांच में बेवजह देरी की गई। जहां कई मामले 2012-17 से जांच के लिए लंबित हैं, वहीं कई में संबंधित प्रशासनिक विभाग ने अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत नहीं की थीं। जबकि, कुछ मामलों में सतर्कता विभाग ने स्वीकृति प्रदान करने के लिए विरोधासी सिफारिशें प्रस्तुत की थीं। उप राज्यपाल ने सतर्कता विभाग को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी है कि भ्रष्टाचार निरोधक शाखा द्वारा शिकायत संबंधी अनुरोध उनके विचार के लिए तभी प्रस्तुत की जाए जब संबंधित प्रशासनिक विभाग अभियुक्त अधिकारियों के खिलाफ उचित छानबीन कर अपनी टिप्पणी फाइल पर दे दें।

पुलिस ने हत्या के वांछित आरोपी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संवाददाता/गौरवशाली भारत

ग्रेटर नोएडा। थाना ईकोटेक प्रथम पुलिस ने हत्या के वांछित आरोपी अभियुक्त फिरोज पुत्र जैनुला अंसारी निवासी ग्राम लद्दी पश्चिम टोला थाना गोरिया कोठी जिला शिवान राज्य बिहार हाल पता ग्राम लुक्सर जिला गौतमबुद्धनगर को ओप्पो कम्पनी के पास से मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया।उपरोक्त अभियुक्त थाना ईकोटेक प्रथम पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 84/2022 धारा 302, 201 भदावि अंतर्गत वांछित चल रहा था।20 जुलाई 2022 को थाना इकोटेक प्रथम पुलिस को ग्राम पुवारी से ग्राम दादूपुर की ओर जाने वाले रास्ते पर जंगल मे एक अज्ञात शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई। अज्ञात शव की शिनाख्त हेतु पम्पलेट व फोटो प्रसारित किये गये काफी प्रयासों के उपरान्त 21 जुलाई 2022 को अज्ञात शव की शिनाख्त उसकी माता ने अपने सचिन पुत्र टेकचन्द शर्मा बुराडी दिल्ली उम्र करीब 23 वर्ष के रुप मे की गयी। मृतक के भाई तनुज शर्मा की लिखित तहरीर के आधार पर थाना इकोटेक पर 22 जुलाई 2022 को उपरोक्त मुकदमा गौतम, फिरोज पुत्र नामालूम निवासी अज्ञात के विरुद्ध पंजीकृत कराया गया। विवेचना में गौतम पुत्र चन्द्रभान,दीपक पुत्र चन्द्रभान, प्रशान्त पुत्र विजय उर्फ विज्जू निवासीगण ग्राम हतेवा थाना दनकौर जिला गौतमबुद्धनगर को पूर्व में जेल भेजा जा चुका है। अभियुक्त फिरोज पुत्र जैनुला अंसारी निवासी ग्राम लद्दी पश्चिम टोला थाना गोरिया कोठी जिला शिवान राज्य बिहार वर्तमान पता ग्राम लुक्सर जिला गौतमबुद्धनगर के नाम प्रकाश मे आया।

संपादकीय

भारतीयों को आपस में लड़ाने की विदेशी साजिश के खिलाफ सबको खड़ा होना पड़ेगा

छोटे-छोटे मुद्दों को इस प्रकार हवा दी जा रही है ताकि देश में एक वर्ग दूसरे वर्ग के खिलाफ खड़ा हो जाये। हाल में विशेष रूप से हिंदुओं पर कातिलाना हमले हुए हैं, जैसे उदयपुर, अमरावती, कर्नाटक आदि जगहों पर एक वर्ग विशेष के लोगों द्वारा कुछ हिंदू नागरिकों की हत्या कर दी गई। भारत चूंकि पूरे विश्व में सबसे तेज गति से विकास करने वाली अर्थव्यवस्था बन गया है अत: कुछ अन्य देश भारत के खिलाफ षड्यंत्र करते नजर आ रहे हैं ताकि भारत में विकास गति को रोका जा सके। ये विदेशी ताकतें एवं कुछ आतंकवादी संगठन मिलकर भारत में अस्थिरता फैलाने का लगातार प्रयास कर रहे हैं और आश्चर्य तब होता है जब यह ध्यान में आता है कि हमारे देश के ही कुछ नागरिक इस प्रकार के कार्यों में इन षड्यंत्रकारी ताकतों की मदद करते नजर आते हैं। छोटे-छोटे मुद्दों को इस प्रकार हवा दी जा रही है ताकि देश में एक वर्ग दूसरे वर्ग के खिलाफ खड़ा हो जाये। अभी हाल ही में विशेष रूप से हिंदुओं पर कातिलाना हमले हुए हैं, जैसे उदयपुर, अमरावती, कर्नाटक आदि जगहों पर एक वर्ग विशेष के लोगों द्वारा कुछ हिंदू नागरिकों की हत्या कर दी गई। इन हत्याओं में अंतरराष्ट्रीय स्तर के आतंकवादी संगठनों का हाथ होने की जांच भी केंद्र सरकार की विभिन्न एजेंसियां कर रही हैं। परंतु, अब समय आ गया है कि देश के समस्त नागरिक इस विषय पर विचार करें कि हिंदू ही क्यों हर बार इन दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। कई आतंकवादी संगठन तो गजवा ए हिंद का आंदोलन चलाते नजर आ रहे हैं और जिस प्रकार से पूरी दुनिया में हिंदुत्व का प्रभाव बढ़ रहा है, इसे देखकर ये आतंकवादी संगठन बौखला गए हैं एवं भारत में भय का वातावरण बनाने एवं आतंकवादी घटनाओं को गति देते नजर आ रहे हैं। सबसे बड़ी बात तो यह देखी जा रही है कि ये संगठन भारतीय नागरिकों की भावनाएं भड़काने का काम भी करते नजर आ रहे हैं और इनके जाल में कई भारतीय फंसते दिखाई दे रहे हैं। इस विषय पर अब गम्भीर होने का समय आ गया है एवं समस्त भारतीयों को मिलकर, देश में फैलायी जा रही अराजकता एवं हिंदुओं के नरसंहार को किस प्रकार रोका जाये, इस विषय पर विचार करने की जरूरत दिखाई देने लगी है। भारत में आतंकवादी संगठन अपने नापाक इरादों में कभी भी कामयाब नहीं हो सकते हैं क्योंकि भारत की महान हिंदू संस्कृति इनका सामना करने में सक्षम है। ये लोग देश में कुछ अशांति फैलाने के प्रयास में कुछ सफल होते जरूर दिखाई दे रहे हैं क्योंकि इनका विरोध करने की देश में अभी तैयारी नहीं की गई है। यदि कस्बों एवं ग्रामों में भारत के नागरिक एक हो जाएं और इन आतंकवादी संगठनों का डटकर मुकाबला करने की ओर अग्रसर होने लगें तो इन आतंकवादी संगठनों की क्या मजाल कि मां भारती को किसी भी प्रकार का नुकसान पहुंचा सकें। अभी हाल ही में उदयपुर में हुई श्री कन्हैयालाल की हत्या के बाद न केवल उदयपुर बल्कि देश के अन्य कई नगरों में भी लाखों की संख्या में भारतीय नागरिक इस जघन्य हत्याकांड के विरोध में सड़कों पर शांतिप्रिय तरीके से उतरे हैं एवं अपनी एकता का प्रदर्शन किया है, यह एक अतुलनीय प्रयास ही कहा जाना चाहिए। भारतीय नागरिक अब छोटे-छोटे कस्बों में भी जागरूक हो रहे हैं एवं इस तरह की घटनाओं का प्रतिवाद भी करते दिखाई दे रहे हैं। देश के एक अखबार ने इस तरह के विरोध प्रदर्शनों के संदर्भ में तीन बातों की ओर इशारा किया है: (1) इन कस्बों/नगरों के नागरिकों में निरीह हिंदू नागरिकों की हत्या किए जाने के बाद जबरदस्त आक्रोश था और पूरा हिंदू समाज एकता की कड़ी में जुड़ा हुआ दिखाई दिया, इससे स्थानीय प्रशासन भी सकते में आ गया; (2) इस तरह के शांतिप्रिय विरोध प्रदर्शनों में पूर्णत: अनुशासन दिखाई दिया एवं कहीं भी किसी भी प्रकार के पत्थर फेंकने अथवा पुलिस/नागरिकों पर हमले करने की घटनाएं नहीं हुई; एवं (3) इन प्रदर्शन करने वाले नागरिकों में देश भक्ति की भावना दिखाई दी तथा इन्होंने किसी भी प्रकार की सम्पत्ति को नुक्सान नहीं पहुंचाया।

दुनिया भर में चिंता पैदा करने वाले प्रमुख मुद्दों में से एक प्रदूषण

अभिषेक गुप्ता

प्रदूषण न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में चिंता पैदा करने वाले प्रमुख मुद्दों में से एक है। औद्योगीकरण एवं तकनीकी विकास ने सबसे ज्यादा पर्यावरण को नुकसान पहुँचाया है। वैश्विक पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक (ईपीआई) 2022 के अनुसार, भारत को सबसे निचले स्तर पर रखा गया है। यह बड़े ही दुर्भाग्य की बात है कि देश की राजधानी दिल्ली को, दुनिया के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में से एक माना गया है। वायु प्रदूषण के मामले में दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर है। दिल्ली देशी की राजनितिक राजधानी है जिसे हम भारत का दिल भी कहते है। और आज यह इतना प्रदूषित है कि यहाँ साँस लेना मुश्किल है। वायु प्रदूषण केवल दिल्ली की ही समस्या नहीं रह गई है बल्कि इस समस्या में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र भी शामिल है। इस समस्या से निपटने के लिए केंद्र और राज्यों को मिलकर काम करना होगा तभी दिल्ली प्रदुषणमुक्त हो सकती है।दिल्ली एनसीआर में गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद, नोएडा एवं उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्से, हरियाणा और यहाँ तक कि राजस्थान का अलवर आदि ये बड़े औद्योगिक क्षेत्र हैं जहाँ से सबसे अधिक प्रदुषण निकलता है जैसा कि हमें पता है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र हरियाणा और उत्तर प्रदेश राज्यों के साथ अपनी सीमा साझा करती है। दिल्ली में वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर का सबसे बड़ा कारण किसानों द्वारा फसलों को जलाया जाना भी है। इन किसानों द्वारा पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में फसल के पराली जलाएं जाते हैं। एक अनुमान के मुताबिक लगभग 35-40 मिलियन टन फसल इन राज्यों द्वारा प्रत्येक वर्ष जलाएँ जाते हैं। वायु इन सभी प्रदूषकों और धूल कणों को अपने साथ ले जाती है जो हवा में कैद होकर दिल्ली में प्रदुषण को बढ़ाते हैं। दिल्ली में वाहनों की बढ़ती संख्या से उत्पन्न प्रदूषण वायु प्रदूषण का दूसरा सबसे बड़ा कारण माना जाता है। इस वायु प्रदूषण के कारण वायु की गुणवत्ता सूचकांक प्राय: गंभीर स्तर पर पहुँच जाता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने वाहनों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को दिल्ली के बढ़ते हुए वायु प्रदूषण के लिए एक प्रमुख कारक के माना है। सर्दियों का मौसम आते ही कुहरा बढ़ जाता है जिससे हवा में धूल के कण एवं अन्य प्रदूषक स्थिर हो जाते है हवाओं के स्थिर होने के कारण ये प्रदूषक हवा में बंद हो जाते हैं और मौसम की स्थिति को प्रभावित करते हैं। जिसके परिणामस्वरूप स्मॉग का निर्माण होता है। दिल्ली में वायु-प्रदूषण का एक और प्रमुख कारण जनसंख्या का घनत्व है। अधिक जनसंख्या घनत्व के कारण जल, वायु और ध्वनि तीनों प्रकार के प्रदूषणों में वृद्धि होती है । दिल्ली में बड़े पैमाने पर होने वाले कंस्ट्रक्शन के कार्य भी वायु प्रदुषण काफी बढ़ता है, निर्माण कार्य से वायु में धूल एवं प्रदूषण में वृद्धि होता है। औद्योगिक प्रदूषण एवं प्रतिदिन निकलने वाले कचरे भी दिल्ली एवं एनसीआर क्षेत्रों में वायुप्रदूषण के स्तर को बढ़ा रहे हैं। शर्दियों के समय में वायु-प्रदूषण के स्तर तो इतना बढ़ जाता है कि लोगों को घर के अंदर रहने की सलाह दी जाती है और बाहर निकलने से मना किया जाता है। सुबह या शाम में बाहरी क्रियाकलापों को करने की बात कही जाती है। मुख्य सड़कों के इस्तोल को मना किया जाता है ताकि लोग प्रदूषण कणों से दूर रह सकें। वायु प्रदुषण को रोकने के लिए बुनियादी ढाँचे में कम निवेश को भी वायु प्रदूषण के अन्य कारणों में से एक बताया गया है। दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन और बुनियादी ढाँचे के क्षेत्र में निवेश काफी कम है जिससे सड़कों में ट्रैफिक जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है और वायुप्रदूषण में बढ़ोत्तरी होती है। वायु प्रदूषण से निपटने हेतु राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता होती है। साथ ही सभी दिल्ली वासियों को भी अपनी जिम्मेदारी समझना चाहिए की की दिल्ली को प्रदूषणमुक्त रखने के लिए आगे आयें। दिल्ली एवं आसपास के सभी राज्यों के मुख्यमंत्री के साथ केंद्र अध्यक्षता में कार्यों की नियमित रूप से समीक्षा करनी चाहिए।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त- 3 अगस्त 2022 जन्म जयन्ती

वे राष्ट्रीय चेतना जगाने धरती पर आए थे

ललित गर्ग

इतिहास और साहित्य में ऐसी प्रतिभाएं कभी-कभी ही जन्म लेती हैं जो बनी बनाई लकीरों को पोंछकर नई लकीरें बनाते हैं। वे अपना जीवन अपनी शर्तों पर जीते हुए नया जीवन-दर्शन निरुपित करते हैं और कुछ विलक्षण सृजन करते हैं। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त का व्यक्तित्व और कृतित्व भी इसका अपवाद नहीं हैं। यह शब्द सिद्धा अपने वजूद के रेशे-रेशे में, अपनी सांस-सांस में कविता की सिहरनें जीता हुआ राष्ट्रीय चेतना को बलशाली बनाता गया। शायद इसीलिये उनका बोला हर शब्द कविता बनकर जन-जन में राष्ट्र के प्रति आन्दोलित करता रहा है। स्वतंत्रता आंदोलन के उस दौर के अधिकांश कवि आजादी के गीत गा रहे थे, उनके कंठों में स्वतंत्रता का संगीत एवं क्रांतिकारी ज्वाला थी। मैथिलीशरण गुप्त भी अपनी कविताओं के माध्यम से देशभक्ति को स्वर देते आ रहे थे। आजादी की अनुगूंजें उनके काव्य का प्रमुख स्वर बनती गयीं। आजादी के लिये उनके क्रांतिकारी एवं आन्दोलनकारी शब्दों की ज्वाला ने देशभक्ति की अलख जगाई और वे जेल की सलाखों के पीछे भेज दिये गये। फिर भी उनकी शब्द-ज्वाला मंद नहीं पड़ी।

हिन्दी साहित्याकाश के दैदीप्यमान नक्षत्रों में से एक मैथिलीशरण गुप्त का जन्म झांसी के एक भारतीय संस्कारों से परिपूर्ण काव्यानुरागी परिवार में 1886 में हुआ था। पिता सेठ रामचरण कनकने, माता कौशल्याबाई की वे तीसरी सन्तान थे। संस्कृत, बांग्ला, मराठी आदि कई भाषाओं का अध्ययन इन्होंने मुख्यतया घर पर ही किया। तत्पश्चात् आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के संपर्क में आने से इनकी काव्य रचनाएं प्रतिष्ठित 'सरस्वती' पत्रिका में प्रकाशित होने लगीं। द्विवेदीजी की प्रेरणा और सान्निध्य से इनकी रचनाओं में गंभीरता तथा उत्कृष्टता का विकास हुआ। इनके काव्यधारा राष्ट्रीयता से ओतप्रोत हैं। गांधी जीवन दर्शन से खासे प्रभावित गुप्त ने स्वतंत्रता संग्राम में भी योगदान दिया और असहयोग आंदोलन में जेल यात्रा भी की। 1930 में महात्मा गांधी ने उन्हें साहित्य साधना के लिए 'राष्ट्र कवि' की उपाधि दी। हिन्दी भाषा की विशिष्ट सेवा के लिए आगरा विश्वविद्यालय ने इन्हें 1948 में डी. लिट् की उपाधि से अलंकृत किया। सन् 1952 में गुप्तजी राज्यसभा में सदस्य के लिए मनोनीत भी हुए थे। 1954 में उन्हें पद्म भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया था।

मैथिलीशरण गुप्त की कविताओं में बौद्धदर्शन, महाभारत तथा रामायण के कथानक स्वत: ही उतर आते हैं। हिन्दी की खड़ी बोली के रचनाकार गुप्तजी हिन्दी कविता के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। उनका काव्य वर्तमान हिन्दी साहित्य में युगान्तरकारी है। इसमें वह संजीवनी शक्ति है जो किसी भी जाति, वर्ग, धर्म को उत्साह जागरण की शक्ति का वरदान दे सकती है। उनकी कविताओं में हम कौन थे, क्या हो गये हैं और क्या होंगे अभी, का विचार सभी के भीतर बदलाव की मानसिकता से गूँज उठा। मानवीय संवेदनाओं और जीवनदर्शन के साथ-साथ गुप्तजी की रचनाएं अनेक स्थानों पर सूक्तियां बन गई हैं। वे राष्ट्रीय चेतना, मानवतावादी सोच, नैतिक और सांस्कृतिक काव्यधारा के विशिष्ट कवि थे। 'भारत-भारती' गुप्तजी की प्रसिद्ध काव्यकृति है जो 1912-13 में लिखी गई थी। इसकी लोकप्रियता का आलम यह था कि इसकी प्रतियां रातोंरात खरीदी गईं। प्रभात फेरियों, राष्ट्रीय आन्दोलनों, शिक्षा संस्थानों, प्रात:कालीन प्रार्थनाओं में भारत-भारती के पद गाँवों, नगरों में गाये जाने लगे। 'भारत भारती' के तीन खण्डों में देश का अतीत, वर्तमान और भविष्य चित्रित है। यह स्वदेश-प्रेम को दर्शाते हुए वर्तमान और भावी दुर्दशा से उबरने के लिए समाधान खोजने का एक सफल प्रयोग है। भारतवर्ष के संक्षिप्त दर्शन की काव्यात्मक प्रस्तुति 'भारत भारती' निश्चित रूप से किसी शोध कार्य से कम नहीं है। गुप्तजी की सृजनता की दक्षता का परिचय देने वाली यह पुस्तक कई सामाजिक एवं राष्ट्रीय आयामों पर विचार करने को विवश करती है। भारतीय साहित्य में 'भारत-भारती' सांस्कृतिक नवजागरण का ऐतिहासिक दस्तावेज़ है। गुप्तजी जिस काव्य के कारण जन-जन के प्राणों में रच-बस गये और राष्ट्रकवि कहलाए वह कृति 'भारत-भारती' ही है। मैथिलीशरण गुप्त के लगभग 40 मौलिक काव्य ग्रंथों में भारत भारती (1912), रंग में भंग (1909), जयद्रथ वध, पंचवटी, झंकार, साकेत, यशोधरा, द्वापर, जय भारत, विष्णु प्रिया आदि उल्लेखनीय हैं। रामचरितमानस के पश्चात हिंदी में राम काव्य का दूसरा प्रसिद्ध उदाहरण साकेत है। नारी के प्रति उनका हृदय सहानुभूति और करुणा से आप्लावित हैं। यशोधरा, उर्मिला, कैकयी, विधृता आदि उनकी नारी प्रधान काव्य कृतियां हैं। गुप्तजी की भाषा में माधुर्य भाव की तीव्रता और प्रयुक्त शब्दों का सुंदर अद्भुत समावेश है। वे गंभीर विषयों को भी सुंदर और सरल शब्दों में प्रस्तुत करने में सिद्धहस्त थे। इनकी भाषा में लोकोक्तियां एवं मुहावरे के प्रयोगों से जीवंतता देखने को मिलती है। इनकी शैली में गेयता, प्रवाहमयता एवं संगीतमयता विद्यमान है। उनकी राष्ट्रीयता की भावना से ओतप्रोत रचनाओं के कारण हिंदी साहित्य में इनका सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदैशिक स्थान है। हिंदी काव्य से राष्ट्रीय भावों की पुनीत गंगा को बहाने का श्रेय गुप्तजी को ही हैं। अत: ये सच्चे अर्थों में लोगों में राष्ट्रीय भावनाओं को भरकर उनमें जनजागृति लाने वाले राष्ट्रकवि हैं। इनके काव्य हिंदी साहित्य की अमूल्य निधि है।

राष्ट्रप्रेम गुप्तजी की कविता का प्रमुख स्वर है। गांधीवाद तथा कहीं-कहीं आर्य समाज का प्रभाव भी उन पर पड़ा है। अपने काव्य की कथावस्तु गुप्ताजी ने आज के जीवन से ना लेकर प्राचीन इतिहास अथवा पुराणों से ली है। वे अतीत की गौरव गाथाओं को वर्तमान जीवन के लिए मानवतावादी एवं नैतिक प्रेरणा देने के उद्देश्य से ही अपनाते थे।

उन्होंने हिन्दी काव्य-साहित्य के क्षेत्र में कथ्य एवं शिल्प दोनों में आमूलचूल बदलाव कर दिया था। काव्य की एक सर्वथा मौलिक किन्तु सशक्त धारा उनसे जन्मी। इस साहित्यिक क्रांति का यह आश्चर्यजनक पहलू था कि यह ऐसे राष्ट्रप्रेमी लेखक की कलम से उपजी थी जिसने स्वतंत्रता आन्दोलन को नया मुकाम दिया। वह एक समय ऐसा था जब भारत विद्या, कला-कौशल, साहित्य, संस्कृति, धर्म, अध्यात्म, शौर्य व सभ्यता में, संसार का शिरोमणि था और एक यह समय है कि इन्हीं बातों का इसमें सोचनीय अभाव हो गया है। जो आर्य जाति कभी सारे संसार को शिक्षा देती थी वही आज पग-पग पर पराया मुँह ताक रही है। क्या हम लोग अपने मार्ग से यहाँ तक हट गये हैं कि अब उसे पा ही नहीं सकते? संसार में ऐसा कोई काम नहीं है जो सचमुच उद्योग से सिद्ध न हो सके। परन्तु उद्योग के लिये उत्साह की आवश्यकता होती है। इसी उत्साह को एवं इसी मानसिक वेग को उत्तेजित करने के लिये गुप्तजी ने ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध संघर्ष एवं जन-जागृति का शंखनाद किया है। तभी उनके स्वर मुखरित हुए कि जो भरा नहीं है भावों से जिसमें बहती रसधार नहीं। वह हृदय नहीं पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।'

मैथिलीशरणजी अंत तक अपनी कविताओं में इसी तरह राष्ट्रीयता के नए-नए रंग भरते रहे और नव रस घोलते प्रसारित करते रहे। उनकी कविताओं में मुख्यत: विषय भक्ति, राष्ट्रप्रेम, भारतीय संस्कृति और समाज सुधार हैं। इनकी धार्मिकता में संकीर्णता का आरोप नहीं किया जा सकता, बल्कि इनकी धार्मिकता समग्रता और व्यापकता पर आधारित है। वे भारतीय संस्कृति के सच्चे पुजारी थे और सांस्कृतिक परंपराओं के अक्षुण्ण रखने के प्रबल पक्षधर थे । इसलिए इन सांस्कृतिक मूल्यों के क्षरण से वे असंतुष्ट, आन्दोलित और दुखी हो जाते थे। गुप्तजी ने सत्यं, शिवम् और सौन्दर्य की युगपत् उपासना करते हुए राष्ट्रीय भावना को बलशाली बनाया। इसलिये उनका काव्य मनोरंजन एवं व्यावसायिकता से ऊपर राष्ट्रीय भावना को पैदा करने वाला है। उनका काव्य एवं सृजन आत्माभिव्यक्ति, प्रशंसा या किसी को प्रभावित करना नहीं, अपितु जन-कल्याण एवं देशप्रेम की भावना का जगाना है। इसी कारण उनके विचार सीमा को लांघकर असीम की ओर गति करते हुए दृष्टिगोचर होते हैं। किसी भी सहृदय को झकझोरने में सक्षम है। निश्चित ही मैथिलीशरण गुप्त होना अपने आम में एक घटना है, स्वतंत्रता आन्दोलन का अमूल्य दस्तावेज एवं प्रेरक कथानक है।

संस्कृतेन अस्मान् सभ्यम् अकरोत् वयं संस्कृतं विस्मृतवन्तः

पुखराज प्राज

प्राथम्य शब्दों में संस्कृत में वाक्यांशों का तात्पर्य है संस्कृत ने हमें सभ्य बनाया और हम ही संस्कृत को भूल गए। भाषा के संदर्भ में स्त्रुत्वा कहते हैं कि, %भाषा यादृच्छिक भाष् प्रतीकों का तन्त्र है जिसके द्वारा एक सामाजिक समूह के सदस्य सहयोग एवं सम्पर्क करते हैं।% यानी भाषा की वैज्ञानिकता का आधार भाषा के वर्णों, अक्षरों और उसके उच्चारण के संधारित्र करके समाहित भाषा को उत्कृष्ट भाषा कहा जा सकता है। ठीक इसी संदर्भ में भाषा से संस्कृति को,सांस्कृतिक परिदृश्य को जोड़ती इनसाइक्लोपीडिया ब्रिटैनिका स्त्रुत्वा जी की बात को अद्यतन करते कहती है कि, %भाषा को यादृच्छिक भाष् प्रतिकों का तन्त्र है जिसके द्वारा मानव प्राणि एक सामाजिक समूह के सदस्य और सांस्कृतिक साझीदार के रूप में एक सामाजिक समूह के सदस्य संपर्क एवं सम्प्रेषण करते हैं।% यानी किसी भी भाषा के जन्म में उस क्षेत्र विशेष की सांस्कृतिक परिदृश्य का लेपन प्रदर्शित होता है। सारांश में कहें तो भाषा में प्रासंगिक होने वाले शब्द और उन शब्दों का अर्थ एवं उच्चारण यदि समान हो, तो वह भाषा वैज्ञानिक है। और इस वैज्ञानिक भाषा को तीव्रता से सीख एवं समझ सकते है। भाषा के संदर्भ में डॉ. शयामसुन्दरदास कहते हैं कि, %मनुष्य और मनुष्य के बीच वस्तुओं के विषय अपनी इच्छा और मति का आदान प्रदान करने के लिए व्यक्त ध्वनि-संकेतो का जो व्यवहार होता है, उसे भाषा कहते है।% वहीं डॉ बाबुराम सक्सेना कहते है कि, %जिन ध्वनि-चिंहों द्वारा मनुष्य परस्पर विचार-बिनिमय करता है उसको समष्टि रूप से भाषा कहते है।%

भाषा विकास के संदर्भ में विश्व के प्रमुख राष्ट्रों के तमाम विश्विद्यालय एवं शिक्षण संस्थानों के द्वारा किए गए शोध संस्कृत को सबसे प्राचीन भाषा बताते हैं। यह माना जाता है कि दुनिया की सभी भाषाओं की जननी कहीं-ना-कहीं संस्कृत है। संस्कृत भाषा ईसा से 5000 साल पहले से बोली जाती है।संस्कृत भाषा का मूल तमिल को माना गया है। संस्कृत एक हिंद-आर्य भाषा है। जो भाषा शैली के हिंद-यूरोपीय भाषा परिवार की एक शाखा है। आधुनिक कई भारतीय भाषाएँ जैसे, हिंदी, बांग्ला, मराठी, सिन्धी, पंजाबी, नेपाली, आदि इसी से उत्पन्न हुई हैं। इन सभी भाषाओं में यूरोपीय बंजारों की रोमानी भाषा भी शामिल है। संस्कृत में वैदिक धर्म से संबंधित लगभग सभी धर्मग्रंथ लिखे गए हैं।

संस्कृत के विकास और विरासत के संदर्भ में प्राप्त तर्कसंगत विचारों के आधार पर विद्वानों ने संस्कृत साहित्य के इतिहास को दो भागों में बांटा है। 3500 ई. पूर्व से 500 ई. पूर्व का समय तो वैदिक संस्कृत काल के लिए और बाद का लौकिक संस्कृत काल के लिए निर्धारित करते हैं। पाणिनि को संस्कृत के जनक कहा जाता है। जिन्होंने संस्कृत भाषा को व्याकरण सम्मत रूप देने में अपना अतुलनीय योगदान दिया है। पाणिनि के द्वारा लिखे गए व्याकरण का नाम अष्टाध्यायी है। जिसमें आठ अध्याय और लगभग चार सहस्त्र सूत्र हैं। संस्कृत के प्रसार, संचार और व्यावहारिक शैली में प्रयोग के साथ लेखन कौशल में मानक स्तर को लब्धि होती है।

संस्कृत जो संस्कृति के परिचायक है। जिसमें जैसा कहते है, जैसा है और जो मूल अर्थ है। संस्कृत के वैभवशाली गौरव के संचित इस भारत की भूमि पर इस भाषा के प्रयोग करने वालों की संख्या में कमी हो रही है। लेकिन इस भाषा की वैज्ञानिकता और लचीलेपन के कारण इसका प्रयोग विदेशों में विद्वानों के द्वारा सीखा और प्रासंगिक किया जा रहा है। अपने देश में संस्कृत भाषा उपेक्षा की शिकार हो, लेकिन वैश्विक स्तर पर कई देश इसे सीखने में ललकशील हैं। अपनी जड़ों को तलाश रहे इरान-इराक जैसे पश्चिमी एशियाई देशों और संस्कृत साहित्य में छिपे रहस्यों को समझने को आतुर यूरोपियन देशों में भी संस्कृत सीखने की ललक बढ़ी है। इन मुल्कों से संस्कृत के विद्वानों की मांग लगातार बढ़ी है।

संस्कृत विश्व की एक मात्र भाषा है जो व्यक्तित्व के दृष्टिकोण को प्रदर्शित करती है। इस देववाणी का संरक्षण हमारा कर्तव्य होना चाहिए।

सेहत के लिए अमृत के समान है पंचमेल दाल, इसके सेवन से सेहत को होते हैं कई चमत्कारी लाभ

पांच तरह की दालों के बराबर मिश्रण को पंचमेल दाल कहते हैं। पंचमेल दाल का सेवन करने से सेहत को कई तरह के लाभ मिलते हैं।पंचमेल दाल में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, कार्बोहाइड्रेट और मिनरल्स जैसे कई पोषक तत्व के गुण पाए जाते है। इसका सेवन करने से कई तरह की स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं से छुटकारा मिलता है। सोचिए एक तरह की दाल खाने से हमारे शरीर को इतना पोषण मिलता है तो पांच दालों के मिश्रण को खाने से कितना पोषण मिलेगा? पांच तरह की दालों के बराबर मिश्रण को पंचमेल दाल कहते हैं। पंचमेल दाल का सेवन करने से सेहत को कई तरह के लाभ मिलते हैं। पंचमेल दाल में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, कार्बोहाइड्रेट और मिनरल्स जैसे कई पोषक तत्व के गुण पाए जाते है। इसका सेवन करने से कई तरह की स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं से छुटकारा मिलता है। आज के इस लेख में हम आपको पंचमेल दाल के फायदों के बारे में बताएंगे - पंचमेल दाल हमारे पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए बहुत ही फायदेमंद मानी जाती है। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर मौजूद होता है, जो पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करता है। पंचमेल दाल का सेवन करने से कब्ज की समस्या को दूर करने में मदद मिलती है। जो लोग वजन कम करना चाहते हैं, उनके लिए पंचमेल दाल का सेवन करना बहुत फायदेमंद माना जाता है। पंचमेल दाल में फाइबर मौजूद होता है, जिसकी वजह से पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है और भूख भी कम लगती है। पंचमेल दाल का सेवन करने से वजन कम करने में मदद मिलती है। डायबिटीज के मरीजों के लिए पंचमेल दाल का सेवन करना बहुत लाभकारी माना जाता है। पंचमेल दाल में ऐसे कई सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। दिल को हेल्दी रखने के लिए भी पंचमेल दाल का सेवन फायदेमंद माना हटा है। इसमें फाइबर पाया जाता है जो कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद करता है। पंचमेल दाल का सेवन करने से दिल का स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

नीरज ने खत्म किया एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 19 साल का सूखा

योगेश कुमार गोयल

विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में भारतीय खिलाड़ी पिछले कुछ समय से बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। इन दिनों राष्ट्रमंडल खेलों में भी भारतीय खिलाड़ी सराहनीय प्रदर्शन कर रहे हैं। देश को गौरवान्वित करते ऐसे ही खिलाड़ियों में भारतीय एथलीट नीरज चोपड़ा भी शामिल हैं, जिन्होंने टोक्यो ओलम्पिक में इतिहास रचने के एक साल बाद पिछले दिनों अमेरिका के ओरेगन में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। ओलम्पिक खेलों में 121 वर्षों के इतिहास में कोई भी भारतीय एथलीट पदक नहीं जीत सका था और नीरज ओलम्पिक में पदक जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक एंड फील्ड एथलीट बने थे। टोक्यो में स्वर्ण पदक पदक जीतकर नीरज ने भारतीय एथलेटिक्स के एक नए युग की शुरुआत की थी और विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाले भी पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में भारत का 19 साल का सूखा भी खत्म कर दिया है। उल्लेखनीय है कि विश्व चैंपियनशिप में भारत का अब तक का यह दूसरा पदक है, 2003 में लांग जंपर अंजू बॉबी जॉर्ज ने पेरिस में भारत को पहला पदक कांस्य दिलाया था। ओरेगन विश्व चैंपियनशिप 2022 में नीरज चोपड़ा ने क्वालिफिकेशन में 88.39 मीटर के साथ फाइनल में जगह बनाई और पदक राउंड में 88.13 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो करके रजत पदक जीता जबकि 90.54 मीटर की दूरी के साथ एंडरसन पीटर्स स्वर्ण पदक जीतकर विश्व चैंपियन बने, जिन्होंने फाइनल में तीन बार 90 मीटर के मार्क को पार किया। नीरज हालांकि थोड़े से अंतर से स्वर्ण पदक जीतने से चूक गए लेकिन भारत के लिए उनको मिली चांदी भी सोने से कम नहीं है।

18 साल की उम्र में नीरज वर्ष 2016 में आईएएएफ अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर किसी भी इवेंट और किसी भी उम्र के स्तर पर विश्व चैंपियन बनने वाले पहले भारतीय ट्रैक एंड फील्ड एथलीट बने थे और वह बेमिसाल उपलब्धि हासिल करने के बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। पोलैंड में आयोजित उस जूनियर चैंपियनशिप में नीरज ने 86.48 मीटर के विजयी थ्रो के साथ विश्व रिकॉर्ड भी बनाया था। उनसे पहले 84.69 मीटर थ्रो के साथ यह रिकॉर्ड लातविया के जिगिस्मंड्स सिरमाइस के नाम दर्ज था। वैसे 24 दिसम्बर 1997 को हरियाणा के पानीपत जिले के खांद्रा गांव में एक छोटे किसान के घर जन्मे नीरज टोक्यो ओलम्पिक में इतिहास रचने से पहले भी कई बड़ी-बड़ी चैम्पियनशिप जीत चुके हैं। भारतीय सेना के सूबेदार नीरज एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों, एशियन चैंपियनशिप, साउथ एशियन गेम्स तथा विश्व जूनियर चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक अपने नाम कर चुके हैं।

2016 में पोलैंड में जूनियर चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के बाद ही नीरज को सेना में जूनियर कमीशंड ऑफिसर के तौर पर नियुक्ति दी गई थी। मार्च 2021 में उन्होंने इंडियन ग्रैंड प्रिक्स-3 में 88.07 मीटर जैवलिन थ्रो के साथ अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया था। जून 2021 में पुर्तगाल के लिस्बन शहर में हुए मीटिंग सिडडे डी लिस्बोआ टूर्नामेंट में नीरज ने स्वर्ण पदक जीता था। 2016 में उन्होंने साउथ एशियन गेम्स में 82.23 मीटर दूर, 2017 में एशियन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 85.23 मीटर दूर और 2018 में इंडोनेशिया के जकार्ता में हुए एशियाई खेलों में 88.06 मीटर दूर भाला फैंककर स्वर्ण पदक जीते। एशियाई खेलों के इतिहास में अब तक भालाफैंक में भारत को केवल दो ही पदक मिले हैं और नीरज पहले ऐसे भारतीय एथलीट हैं, जिन्होंने एशियन खेलों में स्वर्ण पदक जीता। उनसे पहले वर्ष 1982 में गुरतेज सिंह को कांस्य पदक मिला था। नीरज का अभी तक का सर्वश्रेष्ठ प्रयास 30 जून 2022 को स्वीडन में स्टॉकहोम डायमंड लीग 2022 में रहा है, जहां उन्होंने 89.94 मीटर के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को स्थापित करने के साथ ही एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया।

वैसे नीरज की एथलेटिक्स में आने की कहानी भी दिलचस्प है। उन्होंने या उनके परिवार के किसी सदस्य ने सपने में भी नहीं सोचा था कि नीरज एथलेटिक्स में किस्मत आजमाएंगे। बचपन में नीरज काफी मोटे और थुलथुले थे, 13 वर्ष की आयु में उनका वजन करीब 80 किलोग्राम था और तब परिवारवालों के दबाव में उन्होंने एथलेटिक्स के जरिये अपना वजन कम करने का निश्चय किया। परिजनों ने उन्हें प्रतिदिन दौड़ लगाने को प्रोत्साहित किया ताकि वजन कम हो सके लेकिन नीरज को दौड़ने में कोई दिलचस्पी नहीं थी। एक दिन उनके चाचा उन्हें गांव से करीब 15 किलोमीटर दूर पानीपत के शिवाजी स्टेडियम ले गए। वहां नीरज ने कुछ खिलाड़ियों को भाला फैंक का अभ्यास करते देखा तो उन्हें इस खेल से ऐसा लगाव हुआ कि वे अपनी कुछ वर्षों की कड़ी मेहनत के बलबूते पर देश के लिए पूरी दुनिया में इतिहास रचने में सफल हो गए। अपनी थ्रोइंग स्किल्स को बेहतर बनाने के लिए उन्होंने जर्मनी के बायो-मैकेनिक्स विशेषज्ञ क्लाउस बार्तोनित्ज से प्रशिक्षण लिया, जिससे उनके प्रदर्शन में निरन्तरता आई।

देश के एक अनुभवी भालाफैंक खिलाड़ी जयवीर चौधरी ने नीरज की प्रतिभा को पहचाना, जिसके बाद बेहतर सुविधाओं की तलाश में वह 2011 में पंचकूला के देवीलाल स्टेडियम पहुंच गए, जहां उनका सामना राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों से हुआ और वहां मिलने वाली बेहतर सुविधाओं का लाभ उठाकर वह बहुत कम समय में वर्ष 2012 के अंत में अंडर-16 राष्ट्रीय चैम्पियन बन गए। उसके बाद और आगे बढ़ने के लिए उन्हें बेहतर उपकरणों और अच्छी खुराक के लिए वित्तीय सहायता की जरूरत थी। ऐसे में उनके संयुक्त किसान परिवार ने उनकी हरसंभव मदद की, जिसकी बदौलत वह वर्ष 2015 में राष्ट्रीय शिविर में शामिल हो गए और अगले ही साल 2016 में जूनियर विश्व चैम्पियनशिप में विश्व रिकॉर्ड के साथ ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतकर सुर्खियों में आए। उनकी लग्न तथा कड़े परिश्रम का ही नतीजा टोक्यो ओलम्पिक में ऐतिहासिक जीत के बाद विश्व चैंपियनशिप में जीत के रूप में भी दुनिया के सामने है।

नीरज की बेमिसाल उपलब्धियों की ही बदौलत उन पर न केवल लगातार इनामों की बरसात हो रही है बल्कि ओलम्पिक में सोना जीतने के बाद वह खेलों के साथ-साथ विज्ञापन की दुनिया में भी एक स्टार बनकर उभरे हैं और उनकी ब्रांड वैल्यू में सौ फीसदी से भी ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। सीएनॉलेज की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में नीरज का नेटवर्थ करीब 31.93 करोड़ रुपये (4 मिलियन डॉलर) हो चुका है। वैसे बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भी देश को उनसे काफी उम्मीदें थी लेकिन विश्व चैंपियनशिप के दौरान जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव आने के कारण डॉक्टरों की सलाह पर नीरज को इन खेलों से हटना पड़ा है, जिससे भारत की एथलेटिक्स में पदक की संभावनाओं को झटका लगा है। बहरहाल, अब नीरज की नजरें की 2024 के पेरिस ओलम्पिक पर केन्द्रित हैं और नीरज के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए आने वाले वर्षों में उनके द्वारा विभिन्न स्पर्धाओं में लगातार पदक जीतने की उम्मीदें बरकरार हैं।

शार्ट न्यूज

इलाहाबाद उच्च न्यायालय और लखनऊ खंडपीठ के 800 से अधिक सरकारी वकील बर्खास्त, इन्हें मिलेगा मौका

लखनऊ। यूपी की योगी सरकार ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय और लखनऊ खंडपीठ के 800 से अधिक सरकारी वकीलों को बर्खास्त कर दिया है। इसके बाद नए वकीलों को मौका मिलेगा। इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया। दरअसल, हर पांच साल पर सरकारी वकीलों को लेकर आदेश जारी होते हैं जिसमें कुछ हटाए जाते हैं। इसके बाद नए को मौका मिलता है। आपको बता दें कि सरकारी वकीलों की नियुक्ति केंद्र सरकार और राज्य सरकार दोनों मिल कर करती है। वकीलों की नियुक्ति कौन सरकार करेगी वो इस बात पर निर्भर होगी के आप कौन से कोर्ट में वकालत करना चाहते हैं, उच्च न्यायालय में या जिला स्तर के न्यायलय में। उच्च न्यायलय में सरकारी वकीलों की नियुक्ति, उस स्टेट की गवर्नमेंट और केंद्र की सरकार द्वारा, उच्च न्यायालय से विचार और परामर्श करने के बाद किया जाता है। वहीं जिला न्यायालय में वकीलों की नियुक्ति स्टेट की गवर्नमेंट द्वारा की जाती है।

शिक्षा विभाग में एक ही पद पर दो-दो लोगों की तैनाती, अधिकारियों पर कार्रवाई की तैयारी

बेसिक शिक्षा विभाग में लिपिकों के तबादलों में गड़बड़ियां पाई गई हैं। 70 प्रतिशत मामलों में एक ही पद पर दो लोगों को तैनाती दे दी गई है। अधिकारियों पर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

शिक्षा विभाग में एक ही पद पर दो-दो लोगों की तैनाती, अधिकारियों पर कार्रवाई की तैयारी

लखनऊ। बेसिक शिक्षा विभाग में लिपिकों के तबादलों में गड़बड़ियां पाई गई हैं। 70 प्रतिशत मामलों में एक ही पद पर दो लोगों को तैनाती दे दी गई है। विभाग के अपर शिक्षा निदेशक अनिल भूषण चतुर्वेदी ने जांच रिपोर्ट सोमवार को महानिदेशक स्कूल शिक्षा विजय किरन आनंद को सौंप दी है। रिपोर्ट में विसंगति के लिए दोषी अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई करने की अनुशंसा की गई है। चतुर्वेदी ने कहा कि तबादलों की विसंगति को ठीक किया जाएगा। स्थानांतरित किए गए 1043 लिपिकों में से अभी तक 775 लिपिकों ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। जिन तबादलों में विसंगति पाई गई है उनमें 70 फीसदी ऐसे हैं जहां एक ही पद पर दो लोगों को तैनाती दे दी गई है या फिर जहां से लिपिक का तबादला हुआ है, वहां पर वह तैनात है ही नहीं। अधिकारियों का मानना है कि लिपिकों के सही पटल की जानकारी अपडेट न होने के कारण यह विसंगतियां हुई है। भाग ने जून में 1043 लिपिकों का तबादला किया था जिनमें 45 फीसदी ऐसे थे जो 10 सालों से एक ही जगह पर जमे थे। लिपिकों के तबादलों को लेकर यूपी एजुकेशन मिनिस्ट्रियल ऑफिसर्स एसोसिएशन ने लगभग 300 लिपिकों की सूची विभाग को सौंपी थी जिनमें गड़बड़ियां थीं। इसके बाद विभाग ने तीन अधिकारियों की एक कमेटी बना कर जांच के आदेश दिए थे।

अयोध्या सांसद ने भू माफियाओं के खिलाफ खोला मोर्चा, सीएम योगी से लगाई गुहार

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या के सांसद लल्लू सिंह ने भू माफियाओं के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सांसद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर अयोध्या में जमथरा से गोलाघाट तक भूमाफियाओं की ओर से नजूल तथा सरयू नदी की डूब की भूमि में किए गए अवैध कब्जों की जांच कराने की मांग की है। सांसद की ओर से मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि भू-माफियाओं का ऐसा दबदबा है कि पूर्व में सम्बन्धित तात्कालिक अधिकारियों / कर्मचारियों के साथ मिलकर नजूल तथा डूब क्षेत्र (दरिया बुर्ज) की जमीनों में कामी हेराफेरी करके लोगों को गुमराह कर जमीनों को ऐन - केन - प्रकारेण उनके नाम कर दिया गया। जिसमें रोजी-रोटी कमाने वाले जो व्यक्ति शहर में रहना चाहते हैं ऐसे लोगों के साथ उक्त जमीनों को करोड़ों / अरबों रूपयों की हेराफेरी की है। जमथरा घाट से गोलाघाट तक की जमीनों पर भू-माफियाओं का व्यापार फल फूल रहा है। गत तीन दशकों से उत्तर प्रदेश शासन की ओर से नजूल का किसी भी प्रकार का पट्टा नहीं किया जा रहा है और न ही किए गये पट्टे का रिन्यूनल हो रहा है। डूब की जमीनों पर किसी प्रकार का फ्री-होल्ड भी नहीं हो रहा है। फिर भी उक्त जमीन का किन परिस्थितियों में भू-माफियाओं ने डूब क्षेत्र नजूल की भूमि विक्रय किया गया। जिस पर लोगों की ओर से स्थायी अस्थायी निर्माण कराया जा रहा है। उस जमीन की जांच एसआईटी से होना आवश्यक है, जिसमें भू-माफियाओं के साथ तत्कालीन दोषी अधिकारियों / कर्मचारियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही हो सके।

बहराइच : नेपाल बार्डर पर 70 लाख की ब्राउन शुगर बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

बहराइच। भारत -नेपाल सरहद पर मोतीपुर पुलिस ने सोमवार को दो तस्करों को धर दबोचा है। उनके पास से ब्राउन शुगर बरामद की गई है। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 70 लाख रुपये आंकी गई है। एएसपी केशव कुमार चौधरी ने बताया कि मोतीपुर एसएचओ मुकेश कुमार सिंह सोमवार को शाम गश्त की तैयारी में थे। इसी दौरान तस्करों की गतिविधियों का इनपुट मिला। इसकी जानकारी उन्होंने अफसरों को दी। एएसपी ग्रामीण अशोक कुमार व सीओ मिहीपुरवा डा.जंग बहादुर यादव के पर्यवेक्षण में एसएचओ मुकेश कुमार सिंह ने दरोगा विपिन सिंह , मुख्य सिपाही जान मोहम्मद, सिपाही कामता प्रसाद, मुख्य सिपाही रामानंद यादव, सिपाही राज कुमार यादव ने सशस्त्र सीमा बल 59 वीं बटालियन के निरीक्षक सुग्रीव प्रसाद व उनकी टीम को साथ लेकर दबिश देकर मेढ़किया पुल पर दो संदिग्धों को पकड़ा और तलाशी ली। दोनों के पास से 70 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोतीपुर थाने के मजगंवा निवासी शमसेर व आसिफ खान के रूप में हुई। गिरफ्तार आरोपियों को मादक पदार्थ अधिनियम के तहत जेल भेज दिया गया है।

गौ आश्रय स्थलों के निरीक्षण के लिये सभी मंडलों में नोडल अधिकारी नियुक्त

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने राज्य में आवारा छोड़ दी गयी गायों की गौ आश्रय स्थलों में बेहतर देखरेख सुनिश्चित करने के लिये सभी मंडलों में नोडल अधिकारी नियुक्त कर दिये हैं। राज्य सरकार के आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के गौ आश्रय स्थलों और गौ संरक्षण केंद्रों में गायों की बेहतर देखभाल किये जाने का नियमित निरीक्षण करने के लिए सभी 18 मंडलों में अफसर नियुक्त कर दिये गये हैं। सोमवार देर रात जारी किये गये आदेश में नियुक्त किये गये 18 नोडल अफसरों की सूची जारी कर दी गयी है। आदेश में कहा गया है कि इन नोडल अफसरों को बाढ़-सूखा, गौ संरक्षण, पशुपालन और संचारी रोग टीकाकरण समेत विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करने की भी जिम्मेदारी सौंपी गयी है। मुख्यमंत्री योगी के निर्देशानुसार ये अधिकारी अगले 3 दिन तक जिलों में भ्रमण कर स्थलीय निरीक्षण करेंगे।

आजमगढ़ जहरीली शराब कांड में रमाकांत यादव की मिली रिमांड

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के माहुल में फरवरी माह में जहरीली शराब कांड की विवेचना में सपा विधायक रमाकांत यादव का नाम आने के बाद जिला प्रशासन रिमांड की तैयारियों में लगा था। रिमांड के लिए कोर्ट में अर्जी दी गई थी जिसे स्वीकृत कर लिया गया है। फरवरी माह में जिले में हुई जहरीली शराब कांड में 13 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी और 60 से अधिक लोग बीमार हो गए थे, जिन्हें इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। इस मामले में जिला प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई करते हुए 13 आरोपियों के विरूद्ध गैंगेस्टर एक्ट की कार्रवाई और छह आरोपियों पर रासुका भी लगाया है। इस मामले में रमाकांत यादव का भांजा रंगेश यादव भी शामिल है। पुलिस रिकार्ड के अनुसार बाहुबली सपा विधायक रमाकांत यादव पर 46 मुकदमें दर्ज हैं।

हरदोई में कार से कुचल कर तीन की मौत

परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

एजेंसी

हरदोई। उत्तर प्रदेश में हरदोई जिले के कासिमपुर क्षेत्र में एक बुजर्ग समेत परिवार के तीन सदस्यों की कार से कुचल कर मौत हो गयी। मृतकों के परिजनो ने तीन लोगों पर जमीनी रंजिश के चलते हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया क्षेत्र कि सांवलखेड़ा गांव का रहने वाला रेहान दूध का व्यापार करते हैं। रेहान अपने बाबा दुबर के साथ दूध लेकर बाइक से संडीला गए थे। वहीं परिवार के चचेरे भाई रहीस भी मिल गए।

तीनों लोग बाइक से गांव वापस आ रहे थे कि जरियारी और करोंदी खेड़ा गांव के बीच संडीला गौसगंज रोड पर सोमवार देर रात एक कार ने तीनो को रौंद दिया जिससे उनकी मृत्यु हो गयी। उन्होने बताया कि परिजनो का आरोप है कि ग्राम जरियारी के निकट उन्हीं के गांव के सद्दाम,आरिफ और गुफरान ने पीछे से बाइक में टक्कर मार कर तीनो को कुचल दिया जिसमें तीनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कार सवार सभी कार को वही छोड़कर मौका पाकर भाग निकले। परिजनो के मुताबिक पिछले छह सात महीने से एक दीवार बनाने को लेकर इन लोगो से रंजिश चल रही थी। उन लोगो ने पुलिस में शिकायत भी की लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई इसी के चलते आरोपियों की पुलिस से मिलीभगत के कारण हौसले बुलंद हो गए और उन्होंने इस घटना को अंजाम दे डाला। परिजनो की मांग है कि पूरे मामले में सभी आरोपियों पर हत्या का मुकदमा लिखकर उनकी गिरफ्तारी की जाए। घटना की सूचना पाकर पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और जिसके बाद पुलिस ने परिवार वालों को सभी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और कार से कुचक्र हत्या का मुकदमा दर्ज करने का आश्वाशन देकर शांत कराया और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस का दावा है की मामला दर्ज करके सभी आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बुलंदशहर में गल्ला व्यापारी सरेराह 58 हजार लूटे

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर जिले के अनूपशहर में मंगलवार को मंडी जा रहे गल्ला व्यापारी पर तमंचे की बट से हमला कर बाइक सवार बदमाशों ने 58 हजार लूट लिए।

घायल व्यापारी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लूट की घटना की खबर मिलते ही अस्पताल में बड़ी संख्या में व्यापारी पहुंच गए और रोष जताया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार सिंह ने बताया कि आज सुबह करीब नौ बजे व्यापारी प्रेम कुमार और उनका मुनीम गुड्डन मंडी मंडी जा रहे थे। रास्ते में एक कॉलेज के निकट बाइक सवार तीन बदमाशों ने तमंचे के बल पर रोककर 58 हजार रुपए नकदी छीन ली और फरार हो गए।

बदमाशों ने व्यापारी को भयभीत करने के लिए तमंचे की बट से सिर पर प्रहार किया, जिससे व्यापारी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद व्यापारी का अनूपशहर चिकित्सालय में उपचार कराया जा रहा है।

कोतवाली प्रभारी यज्ञदत्त शर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस की टीम बदमाशों की तलाश में कांबिंग कर रही है।

कुशीनगर में गंडक नदी ऊफनाई, निचले इलाकों में पानी घुसा

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में गंडक नदी के उफान पर रहने से निचले इलाकों में बसे गांव में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है।

अधिकृत सूत्रों ने बताया कि वाल्मीकि नगर बैराज से गंडक नदी में मंगलवार की सुबह 2,76,800 क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

इससे गंडक नदी के आस- पास के निचले इलाकों में बसे कई गांवों में पानी घुस गया।

इससे भैसहां गेज स्थल पर गंडक नदी खतरे के निशान के करीब 96.67 मीटर तक पहुंच गई। नदी में जलस्तर बढ़ने की सूचना पर डीएम के आदेश पर एसडीएम ने शिवपुर गांव का दौरा किया। बाढ़ की आशंका को देखते हुए उन्होंने सभी को सजग रहने के लिए कहा है।

सोमवार से ही वाल्मीकि नगर बैराज से गंडक नदी में पानी छोड़ने का सिलसिला शुरू हुआ।

सुबह छह बजे कुल डिस्चार्ज 1,24,000 क्यूसेक था। दोपहर 12 बजे 2,06,000,दो बजे 227000 तक और तीन बजे 2,50,000 तथा चार बजे 2,65,000 क्यूसेक पहुंच गया। इससे भैंसहा गेज स्थल पर खतरे के निशान को पार करने की संभावना बढ़ गई।

'संभव' नामक कार्यक्रम के अन्तर्गत जन-सुनवाई आयोजन किया गया

संवाददाता/गौरवशाली भारत

मेरठ। प्रबन्ध निदेशक, श्री अरविन्द मल्लप्पा बंगारी(आईएएस) की अध्यक्षता में आज दिनांक 02.08.2022 (मंगलवार) को डिस्कॉम मुख्यालय ऊर्जा भवन, विक्टोरिया पार्क मेरठ में 'संभव' नामक कार्यक्रम के अन्तर्गत जन-सुनवाई आयोजित हुयी।

जिसमें कुल छः शिकायतें जनपद मेरठ, बागपत एवं हापुड़ से प्राप्त हुयी जिसमें से एक शिकायत का मौके पर निस्तारण किया गया इसके अतिरिक्त शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया।सोमवार को भी 'संभव' जन-सुनवाई कार्यक्रम में खण्ड स्तर पर अधिशासी अभियन्ताओं द्वारा प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक एवं मण्डल स्तर पर अधीक्षण अभियन्ताओं द्वारा 3 बजे से 5 बजे तक जन-सुनवाई की गयी थी जिसमें खण्ड एवं मण्डलीय स्तर पर कुल 199 शिकायतें प्राप्त हुयी जिसमें से 193(लगभग 96 प्रतिशत) शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया।

इस अवसर पर श्री मिथिलेश कुमार गुप्ता अधीक्षण अभियन्ता एवं स्टॉफ आफिसर, श्री राजीव अग्रवाल, अधीक्षण अभियन्ता (वाणिज्य), श्री संजीव कुमार वर्मा, अधीक्षण अभियन्ता विद्युत वितरण मण्डल मेरठ, श्री ए0के0 सिंह अधीक्षण अभियन्ता विद्युत वितरण मण्डल-द्वितीय, मेरठ, श्री एस0के0 गोयल अधिशासी अभियन्ता, श्री मदनपाल सिंह अधिशासी अभियन्ता (मुख्यालय), श्री एच0के0 सिंह, सहायक जनसंपर्क अधिकारी, श्री संजय कुमार मौर्य अवर अभियन्ता (मुख्यालय) एवं श्री सुनील कुमार अवर अभियन्ता(मुख्यालय) आदि उपस्थित रहे।

मयंक सुसाइड : बहन के साथ बीएचयू के केंद्रीय विद्यालय पर छात्रों का धरना, प्रिंसिपल पर कार्रवाई की मांग

एजेंसी

वाराणसी। बीएचयू स्थित केंद्रीय विद्यालय के नौवीं के छात्र मयंक यादव की आत्महत्या से गुस्साए छात्र मंगलवार की सुबह केंद्रीय विद्यालय के सामने धरने पर बैठ गए। मयंक की बहन तनीषा के साथ बैठे छात्रों ने प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल पर कार्रवाई की मांग की। मयंक के मौत के लिए स्कूल प्रशासन को जिम्मेदार बताते हुए प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। छात्रों की बात सुनने डीसीपी भी पहुंचे और उनके आश्वासन पर छात्र स्कूल प्रबंधन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने थाने पहुंचा। 28 जुलाई को नौवीं का छात्र मयंक स्कूल में मोबाइल लेकर आ गया था। इसी दौरान किसी का वीडियो बनाते हुए लाइब्रेरियन ने उसे देख लिया और उसे प्रिंसिपल के पास लेकर पहुंचा। इसके बाद उसे एक हफ्ते के लिए स्कूल से सस्पेंड कर दिया गया। इतना ही नहीं प्रिंसिपल ने मयंक के पिता को भी बुलाकर बेइज्जत किया। मयंक ने सोमवार को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आरोप है कि पिता की बेइज्जती से आहत होकर उनसे आत्महत्या की है। पिता ने आरोप लगाया कि उन्हें और उनकी पत्नी को स्कूल बुलाकर अपमानित किया गया था। इससे मयंक व्यथित था। मंगलवार को प्रिंसिपल और अन्य पर कार्रवाई की मांग करते हुए मयंक की बहन तनीषा के साथ छात्रों ने धरना शुरू कर दिया। वहीं, प्रधानाचार्य दिवाकर सिंह ने इस बारे में बताया कि जो भी छात्र छात्राएं मोबाइल के साथ पकड़े जाते हैं, उनको हिदायत देते हुए मोबाइल वापस कर दिया जाता है। मयंक की घटना के बारे में कहा कि इस प्रकरण में लंका पुलिस छानबीन कर रही है। उसकी तरफ से कार्रवाई की जाएगी।

नारायणी का उग्र रूप देख सहमे ग्रामीण

कुशीनगर। नेपाल की पहाड़ियों और सीमावर्ती इलाकों में हो रही मूसलधार बरसात से कुशीनगर जिले में नारायणी नदी उफान मारने लगी है। नदी के बढ़ते जलस्तर परेशान दियारा के गांव महदेवा , शाहपुर, मरिचहवा, बसंतपुर, नारायणपुर, हरिहरपुर के ग्रामीणों के हाथ नारायणी नदी की प्रार्थना के लिए उठ जाते हैं। मंगलवार को नारायणी का उग्र रूप देख महदेवा के लोगों ने पूजा की और रहम की भीख मांगी। दोपहर बाद अचानक नदी के जलस्तर में बढ़ोत्तरी से फसल नदी में समाहित होती जा रही है। आशियाने पर भी खतरा मडराने लगा है। बाढ़ खंड के अधिकारियों ने पौने दो करोड़ खर्च कर लगभग 1750 मीटर लंबाई में नदी में परक्यूपाइन लगाकर जिम्मेदारी पूरी कर ली है। ग्रामीणों की शिकायत है कि प्रतिवर्ष बाढ़ से बचाव के नाम पर विभाग करोड़ों रुपये पानी में बहा देता है।

महोबा में नागपंचमी की धूम

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में नाग पंचमी का पर्व मंगलवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर यहां नागदेव की पारंपरिक शोभायात्रा निकाली गई। जगह.जगह मेलों के आयोजन भी किये गए।

नागपंचमी पर शिवमंदिरों में पूजन अर्चन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी लाइन लगी रही। भक्तों ने भोलेनाथ का दूध एवम जल से अभिषेक किया।

जिला मुख्यालय में गोरख गिरी पर्वत की तलहटी में स्थित नागदेव के मंदिर में विशेष पूजा. अनुष्ठान का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें हजारों की संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी। चौरसिया नव युवक कल्याण समिति द्वारा नागदेव की पारंपरिक शोभायात्रा आयोजित की गई जिसमे हजारों की संख्या में लोग शामिल रहे। यह पान मंडी से आरंभ हो नगर भ्रमण के उपरांत नागमन्दिर में पहुंच कर सम्पन्न हुई। शोभायात्रा में नाग पूजा पर आधारित विविध झांकिया लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। रामकुंड धाम में इस मौके पर मेला का आयोजन हुआ।

इसी प्रकार श्रीनगर के बड़े हनुमान मंदिरए कुलपहाड़ में बाघ विराजन मंदिर परिसर में नाग पंचमी पर पारंपरिक तरीके से मेले आयोजित किये गए। जिनमे झूला खेल.तमाशों के अलावा सम्पन्न हुई दंगल प्रतियोगिताओं ने लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया। महिलाओं ने मेले में आई दुकानों पर जमकर खरीददारी की।

मंगलवार का दिन होने के कारण हनुमान मंदिर में भक्तों की भीड़ के कारण तिल धरने की जगह नही रही। उधर महोबा एवम आसपास के क्षेत्र में पान उत्पादक चौरसिया परिवारों ने नाग पंचमी के पर्व को खास धार्मिक महत्व के साथ मनाया। उन्होंने आज न सिर्फ अपना कारोबार बंद रखा बल्कि पान बरेजों में विशेष पूजन.अनुष्ठान सम्पन्न किया।

चित्रकूट डीएम ने छात्रवृत्ति योजना के संबंध में की बैठक

चित्रकूट। चित्रकूट जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द की अध्यक्षता में वित्तीय वर्ष 2022- 23 में पूर्व क्लास 10 और 11 छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत जारी। समय सारणी के अनुसार छात्र- छात्राओं के बायोमेट्रिक उपस्थिति मास्टर डाटा अपडेशन ऑनलाइन आवेदन की स्थिति से संबंधित बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी से कहा कि, सभी प्रधानाचार्यों को एक पत्र भेजें कि छात्र छात्राएं जो ऑनलाइन छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर रहे हैं। उसकी एक प्रति विद्यालयों में जमा कराएं। छात्र छात्राओं के हस्ताक्षर एवं विद्यालय के नोडल के हस्ताक्षर अवश्य कराया जाए। ताकि जब अधिकारी सत्यापन के लिए जाएं तो पता चल सके कि कहां पर कमी रह गई है। प्रधानाचार्यों से भी प्रमाण पत्र ले कि इतने बच्चों ने आवेदन किया है,वह सही है। उन्होंने कहा कि वेबसाइट सही नहीं चल रही थी। इसके लिए शासन को पत्र भेजा गया है। अब वेब साइड में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होगी। जिला समाज कल्याण अधिकारी से कहा कि विद्यालयों में जो गत वर्ष बच्चों को छात्रवृत्ति मिली थी ।उसकी सूची विद्यालयों को उपलब्ध करा दें, उन्होंने सभी प्रधानाचार्यो से कहा कि विद्यालयों का बायोमेट्रिक मशीनें संचालित कराएं। उपस्थिति शत-प्रतिशत दर्ज कराएं सभी बायोमेट्रिक लगाने का प्रमाण पत्र भी दें।

उन्नत बागवानी से समूह की महिलाओं को मिलेगा रोजगार का नया अवसर

जिलाधिकारी ने किया रेड लेडी 786 ताइवान प्रजाति के खेत का निरीक्षण

भरथना। जिलाधिकारी श्री अवनीश राय ने मुख्य विकास अधिकारी के साथ विकास खण्ड भरथना के ग्राम कुशगंवा बादशाहपुर में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा उगाई जा रही रेड लेडी पपीता का स्थलीय निरीक्षण किया गया। रेडलेडी पपीता की ताइवान में पाई जाने वाली प्रजाति है ।जिसे प्रथम बार जनपद इटावा में प्रयोग के तौर पर किया जा रहा है ।जिलाधिकारी द्वारा महिला किसान श्रीमती राधारानी से पपीते की खेती के बारे में विस्तृत जानकारी ली।

उन्होंने बताया कि इस प्रकार की उन्नतशील हायब्रिड किस्मों से महिलाओं को न केवल रोजगार के नये साधन उपलब्ध होंगे अपितु उनकी आय में कई गुना वृद्धि होगी ।कुशगवां में अभिनव प्रयोग के तौर पर पपीता की खेती को अपनाया गया है ।राधा रानी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रयोग महिलाओं द्वारा करना सराहनीय कदम है सफल होने पर अन्य गांवों में समूहों के माध्यम से इसे कराया जाएगा ।जिलाधिकारी ने मौके पर उपस्थित जिला

उद्यान अधिकारी एवं उपायुक्त स्वत: रोजगार को नियमित अंतराल पर खेत का भ्रमण कर सहयोग हेतु निर्देशित किया।

मुख्य विकास अधिकारी श्री संतोष कुमार राय ने मौके पर उपस्थित समूह की महिलाओं और ग्रामीणों से इस प्रकार की गतिविधियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया ताकि स्थानीय स्तर पर उन्हें रोजगार के नये साधन मिल सकें ।राधा रानी स्थानीय ग्रामीणों के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं उनसे सभी को सीखने की जरूरत है।

उपायुक्त (स्वत: रोजगार)श्री बृजमोहन अम्बेड ने बताया कि आजीविका मिशन द्वारा गठित मानव स्वयं सहायता समूह की प्रगतिशील किसान श्रीमती राधारानी को पूना से 1100 पौधे मंगाकर 2 बीघा जगह में प्रयोग के तौर पर ताइवान प्रजाति के पपीते की खेती हेतु उपलब्ध कराए ।इस प्रजाति का उत्पादन देशी प्रजाति की अपेक्षा दोगुना होता है जो कि समूह की महिलाओं के स्वरोजगार में सहायक सिद्ध होगा। जिला उद्यान अधिकारी इटावा नें जिलाधिकारी महोदय को अवगत कराया कि रेड लेडी 786 ताइवान प्रजाति के प्रत्येक पौधें में फल आते है तथा प्रति पौधा 30 से 40 किलोग्राम फल देता है। जिससे प्रति एकड़ 3 से लाख रुपये मुनाफा कमाया जा सकता है।

मौके पर उपायुक्त श्रम रोजगार श्री शौकत अली, जिला पंचायत राज अधिकारी श्री वनवारी सिंह ,खंड विकास अधिकारी श्रीमती प्रतिमा शर्मा जिला मिशन प्रवन्धक श्री दीपेंद्र सिंह तोमर, सूर्य नारायण पांडे, विप्लव भूषण, जीतेश श्रीवास्तव समेत समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं।

गोद लिए बेटे ने मां को फावड़े से काट डाला

मां काम करने को कहती थी इसीलिए मार डाला, पहले भी जेल जा चुका था

अमरोहा। अमरोहा में गोद लिए बेटे ने अपनी मां की हत्या कर दी। उसने खाना बना रही मां को पहले लाठी डंडों से पीटा, फिर ईंट से सिर कूच दिया। इसके बाद फावड़े से काटकर मार डाला।

उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मां का कसूर सिर्फ इतना था कि वह बेटे को काम करने के लिए कहती थी। इस बात को लेकर आरोपी बेटा मां से अक्सर मारपीट भी करता था।

हत्या के बाद आरोपी खून से सने हाथों को धो रहा था। इस दौरान पड़ोस की एक महिला की नजर उस पर पड़ी तो उसने शोर मचा दिया। इसके बाद आस-पास के लोग मौके पर जुट गए। लोगों ने घर में जाकर देखा तो महिला का शव खून से लथपथ घर के आंगन

में पड़ा था। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आरोपी बेटे को हिरासत में ले लिया।

छोटे भाई से गोद लिया था बेटा

घटना गजरौला कोतवाली के सलेमपुर गांव की है। मृतक महिला का नाम मुन्नी देवी है। मुन्नी का शादी 30 साल पहले विजय सिंह से हुई थी। विजय सिंह मेहनत मजदूरी कर परिवार चलाते हैं। लगभग 20 साल पहले कोई संतान नहीं होने पर विजय ने पत्नी के कहने पर अपने छोटे भाई रोहतास से बेटे रोहित को गोद ले लिया था। उसे समय रोहित 3 माह का था। उसे वह बड़े लाड प्यार से पाला।

कई बार जेल जा चुका है हत्यारा बेटा

ग्रामीणों ने कहा, रोहित कई बार चोरी के आरोप में जेल जा चुका है। वह छोटी-मोटी चोरियां करता है।

सीओ बोले- आरोपी को गिरफ्तार किया गया

सीओ अरुण कुमार ने कहा, मां की हत्या के आरोप में सौतेले बेटे को हिरासत में लिया गया है। पूछताछ की जा रही है। महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

रेप का आरोपी गिरफ्तार: नौकरी का झांसा और गलत नाम बताकर बुलाया था होटल

नोएडा। नोएडा में सेक्टर-27 के ओयो होटल में युवती के साथ रेप करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। युवती ने बताया था आरोपी ने उसे नौकरी दिलाने और इंटरव्यू का झांसा देकर यहां बुलाया और उसके साथ होटल के कमरे में मारपीट कर रेप किया। पीड़िता व आरोपी सहबाज एक दूसरे से पहले से ही जानते थे। रेप के बाद आरोपी ने पीड़िता की बहन को भी धमकी दी थी।

फोन पर बताया था दूसरा नाम

युवती ने आरोप लगाया था कि युवक ने फोन पर अपना नाम सागर बताया था। लेकिन होटल में बातचीत के दौरान पता चला कि उसका नाम सागर नहीं शहबाज है। जिसके बाद उसने

युवती से रेप किया। विरोध करने पर उसने युवती के साथ मारपीट की और जान से मारने के धमकी दी।

भागने की फिराक में था आरोपी

पुलिस ने सहबाज को अट्टा पीर के पास से गिरफ्तार किया। वे भागने की फिराक में था। वह मूल रूप से शान्ति नगर कृष्णा नगर, ईस्ट दिल्ली का रहने वाला है। बताया गया कि दोनों पहले से ही एक दूसरे को जानते थे। और फोन पर नौकरी दिलाने की बात हुई थी।

5जी स्पेक्ट्रम नीलामी में 700 मेगाहर्ट्ज बैंड को खरीदने वाली जियो अकेली कंपनी

नयी दिल्ली। 5 जी स्पेक्ट्रम की नीलामी में रिलायंस समूह की दूरसंचार कंपनी जियो 22 टेलीकॉम सर्किल्स में प्रीमियम 700 मेगाहर्ट्ज बैंड खरीदने वाली अकेली ऑपरेटर है। 5जी के लिए अच्छा माने जाने वाले इस बैंड पर सभी ऑपरेटर्स की नजर थी। कंपनी ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि विश्व भर में 700 मेगाहर्ट्ज बैंड को 5जी के लिए प्रमुख बैंड की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। जिसे अमेरिका और यूरोपीय यूनियन ने इसे 5जी सर्विस के लिए 'प्रीमियम बैंड' घोषित किया हुआ है। दुनिया भर में इस बैंड के लोकप्रिय होने की कई वजह हैं।

टेलीकॉम क्षेत्र की जानकार रोहन धमीजा ने कहा कि 700 मेगाहर्ट्ज बैंड की लोकप्रियता की सबसे बड़ी वजह इसकी बेहतरीन इनडोर और आउटडोर कवरेज को मानते हैं। लो फ्रीक्वेंसी बैंड होने के कारण इसके सिग्नल इमारतों के भीतर तक प्रवेश कर सकते हैं। इस बैंड को घनी आबादी के क्षेत्रों और भारी डेटा खपत वाले इलाकों के लिए आदर्श माना जाता है। उन्होंने कहा कि 700 मेगाहर्ट्ज बैंड का टावर करीब 10 किलोमीटर तक कवरेज दे सकता है। इसकी कवरेज के कारण ऑपरेटर को कम टावर लगाने पड़ते हैं जिससे परिचालन लागत कम आती है।

संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी 700 मेगाहर्ट्ज बैंड को, दूर-दराज के ग्रामीण या भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में कनेक्टिविटी प्रदान करने में मदद करेने वाला बताया था।

विशेषज्ञ मानते हैं कि 700 मेगाहर्ट्ज बैंड, 1800 मेगाहर्ट्ज की तुलना में 5 गुना और 900 मेगाहर्ट्ज की तुलना में दोगुना अधिक कुशल है। 26 गीगाहर्ट्ज हाई फ्रीक्वेंसी मिलीमीटर बैंड की गति तो तेज है पर इसकी कवरेज बेहद सीमित है। साथ ही, 2100 मेगाहर्ट्ज के मुकाबले 700 मेगाहर्ट्ज में ब्रॉडबैंड सेवाएं देना सस्ता पड़ता है।

शेयर बाजार में तेजी बरकरार

मुंबई। वैश्विक बाजार की गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर पर सीडीजीएस, एफएमसीजी, यूटिलिटीज, ऑटो और पावर समेत नौ समूहों में हुई लिवाली से शेयर बाजार में आज लगातार पांचवें दिन भी तेजी पर रहा।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 20.86 अंक बढ़कर 58136.36 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 5.40 अंक की बढ़त लेकर 17345.45 अंक पर रहा। हालांकि बड़ी कंपनियों के मुकाबले छोटी और मझौली कंपनियों में तेजी अधिक रही। इस दौरान बीएसई का मिडकैप 0.50 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,535.78 अंक और स्मॉलकैप 0.34 प्रतिशत मजबूत होकर 27,549.73 अंक पर रहा।

इस दौरान बीएसई में कुल 3494 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1891 में लिवाली जबकि 1480 में बिकवाली हुई वहीं 123 में कोई बदलाव नहीं हुआ। हालांकि एनएसई में 26 कंपनियां लाल जबकि 24 हरे निशान पर रही।

बीएसई में नौ समूहों में तेजी जबकि 10 में गिरावट रही। इस दौरान सीडीजीएस 0.81, ऊर्जा 0.32, एफएमसीजी 0.65, हेल्थकेयर 0.07, यूटिलिटीज 1.81, ऑटो 0.62, बैंकिंग 0.33, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.44 और पावर समूह के शेयर 2.00 प्रतिशत चढ़े जबकि आईटी 0.52, दूरसंचार 0.34, कैपिटल गुड्स 0.39, धातु 0.37, टेक 0.54 और रियल्टी समूह 1.74 प्रतिशत उतर गया।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गिरावट का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.15, जर्मनी का डैक्स 0.75, जापान का निक्केई 1.42, हांगकांग का हैंगसेंग 2.36 और चीन का शंघाई कंपोजिट 2.26 प्रतिशत लुढ़क गया।

शुरुआत कारोबार में सेंसेक्स 66 अंक गिरकर 58,049.02 अंक पर खुला और बिकवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 57,744.70 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। उतार-चढ़ाव से गुजरता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में हुई लिवाली की बदौलत यह 58,328.41 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद एक बार फिर गिरकर संभलते हुए अंत में पिछले दिवस के 58,115.50 अंक के मुकाबले 0.04 प्रतिशत बढ़कर 58,136.36 अंक पर रहा।

निफ्टी भी 30 अंक फिसलकर 17,310.15 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 17,215.85 अंक के निचले जबकि 17,390.15 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 17,340.05 अंक की तुलना में 0.03 प्रतिशत बढ़कर 17,345.45 अंक पर रहा।

इस दौरान मुनाफा कमाने वाली प्रमुख कंपनियों में इंडसइंड बैंक 2.59, एशियन पेंट 2.18, एनटीपीसी 1.85, मारुति 1.81, कोटक बैंक 1.61, हिंदुस्तान यूनीलीवर 1.60, पावरग्रिड 1.57, एसबीआई 1.55, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.53, बजाज फाइनेंस 1.11, बजाज फिनसर्व 0.95, नेस्ले इंडिया 0.74, आईटीसी 0.68, टाइटन 0.32, रिलायंस 0.31 और विप्रो 0.13 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं नुकसान उठाने वाली कंपनियों में टेक महिंद्रा 1.63, एचडीएफसी 1.30, टाटा स्टील 1.20, एलटी 1.20, एचडीएफसी बैंक 1.13, भारती एयरटेल 1.09, आईसीआईसीआई बैंक 0.80, डॉ. रेड्डी 0.63, इंफोसिस 0.50, अल्ट्रासिमको 0.49, टीसीएस 0.28, सन फार्मा 0.19, एक्सिस बैंक 0.10 और एचसीएल टेक 0.08 प्रतिशत शामिल है।

आयकार्ट का किसानों के लिए चिन्नय्या आदिवासी विकास संघम से करार

एजेंसी

नयी दिल्ली। छोटे किसानों की आमदनी और उसमें स्थिरता बढ़ाने वाले देश के एकीकृत टेक प्लेटफॉर्म आयकार्ट ने चिन्नय्या आदिवासी विकास संघम (सीएवीएस) के साथ करार किया है। इसमें आदिवासी किसानों की आय बढ़ाने के लक्ष्य से उन्हें आर्थिक समर्थन और विकास का अवसर देने के लिए दोनों पक्ष रणनीतिक सहयोग कायम करते हुए कार्य करेंगे। आयकार्ट ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि दोनों पक्ष मिल कर पोषण, बेहतर कृषि पद्धतियां और ग्रामीण किसान समुदायों की जिन्दगी सुधारने और बेहतर बनाने के लिए बाजरा-आधारित विकास के विभिन्न परियोजनाओं को लेकर उत्साहित हैं। इसके लिए वे नेटवर्क, आर्थिक सहायता, आपूर्ति श्रृंखला, अन्य सेवाओं का लाभ लेंगे।

आयकार्ट के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी देवर्षि दत्ता ने कहा, हम सीएवीएस के साथ काम करने के लिए उत्साहित हैं। यह करार हमें एक मंच देगा जिसके माध्यम से हम उन्हें प्रौद्योगिकी, आर्थिक सहायता, प्रबंधन, संपर्क आदि के माध्यम से हमारी तमाम सेवाएं दे पाएंगे।

हम इस साझेदारी से कोर नेटवर्क, वित्तीय समाधान और आपूर्ति श्रृंखला के समाधानों का लाभ ले पाएंगे। इस तरह किसानों को खेती में संपूर्ण सहायता देंगे, ताकि उनका नुकसान रुके और अधिक से अधिक लाभ मिले।

फिर बढ़ सकती है ब्याज दर, कितना बढ़ेगा रेपो रेट?

-रिजर्व बैंक मौद्रिक सीमिति की बैठक आज से

नई दिल्ली।

महंगाई की मार से देश के लोग बेहाल हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) इस पर काबू पाने के लिए अब तक 0.90 फीसदी ब्याज दर बढ़ा चुका है। 3 अगस्त बुधवार से मौद्रिक सीमिति की बैठक एक बार फिर शुरू हो रही है और इस बार भी रेपो रेट में बड़ी बढ़ोतरी का अनुमान लगाया जा रहा है। दरअसल, जुलाई महीने में अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने महंगाई को काबू में लाने के लिए 0.75 फीसदी की बड़ी बढ़ोतरी की थी। इसके अलावा यूरोपीय और हांगकांग सहित कई देशों के केंद्रीय बैंकों ने भी अपनी ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। विशेषज्ञ भारतीय उद्योग क्षेत्र की गतिविधियां भले ही सुधार के संकेत दे रही हों, लेकिन आरबीआई अपनी नीतियों को सख्त बनाए रख सकता है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने पिछली एमपीसी बैठक के बाद कहा था कि इस साल के अंत तक खुदरा महंगाई की दर हमारे तय दायरे 6 फीसदी के अंदर आ जाएगी। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने भी इस सप्ताह संसद में कहा था कि हमारी पूरी कोशिश खुदरा महंगाई दर को 7 फीसदी से नीचे लाने की है, जो जून में इससे ज्यादा थी। एक्सपर्ट का कहना है कि खुदरा महंगाई दर को नीचे लाने के लिए निश्चित तौर पर रेपो रेट में बढ़ोतरी करनी होगी। रियल एस्टेट की ग्लोबल परामर्श फर्म नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन और एमडी शिशिर बैजल का कहना है कि चूंकि उपभोक्ता महंगाई दर अभी आरबीआई के तय दायरे से काफी बाहर है, लिहाजा इस बार की बैठक में भी अब 35-40 आधार अंक की बढ़ोतरी देख रहे हैं। ऐसा होने पर मई से अब तक रेपो रेट में 1.30 फीसदी तक बढ़ोतरी हो जाएगी। कैपिटल इकनॉमिक्स के सहायक अर्थशास्त्री एडम होयज का कहना है कि जुलाई में मैन्युफैक्चरिंग एक्टिविटी 56.4 अंक के साथ आठ महीने के शीर्ष पर पहुंच गई है, जबकि कारों की बिक्री 16 फीसदी बढ़ी है तो कोर इंडस्ट्री का उत्पादन 12.7 फीसदी पहुंच गया है। जीएसटी वसूली भी जुलाई में 1.49 लाख करोड़ रही। ऐसे में आरबीआई के पास इस बार 0.50 फीसदी रेपो रेट बढ़ाने का मौका दिख रहा है।

अगर रिजर्व बैंक लगातार तीसरी बार रेपो रेट

एशियाई और अमेरिकी बाजारों में गिरावट

टोक्यो। एशियाई और अमेरिकी बाजारों में गिरावट दर्ज की गयी है। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन मंगलवार को एशिया के ज्यादातर शेयर बाजार गिरावट के साथ ही सुबह लाल निशान पर खुले। सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज 0.29 फीसदी नीचे आया जबकि जापान का निक केई 1.22 फीसदी की गिरावट पर रहा। इसके अलावा दक्षिण कोरिया का कॉस्पी भी 0.31 फीसदी और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.01 फीसदी के नुकसान पर कारोबार कर रहा था। इसी प्रकार अमेरिकी बाजार में भी गिरावट आई है। सभी प्रमुख एक सचेंज नुकसान पर बंद हुए। एसएंडपी 500 0.28 फीसदी गिरा, वहीं नेडसेक 0.18 फीसदी नीचे आया। इसी प्रकार डाओ जोंस पर भी 0.14 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावा यूरोप के बाजार भी गिरावट पर बंद हुए। इसी तरह जर्मनी का स टॉक एक सचेंज पिछले सत्र में 0.03 फीसदी के नुकसान पर बंद हुआ था, जबकि फ्रांस का बाजार 0.18 फीसदी के नुकसान पर बंद हुआ। इसके अलावा लंदन स्टॉक एक्सचेंज में भी 0.13 फीसदी की गिरावट रही।

जोमैटो का कंसॉलिडेटेड घाटा घटकर 185.7 करोड़ रुपये रहा

मुंबई। अप्रैल-जून 2022 तिमाही में जोमैटो का कंसॉलिडेटेड घाटा घटकर 185.7 करोड़ रुपये रहा है। पिछले साल की पहली तिमाही के दौरान ये आंकड़ा 356.2 करोड़ रुपये रहा था। जून 2022 से पहले की तिमाही में जोमैटो को 359.7 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू 1,413.9 करोड़ रुपये रहा है। पिछले समान अवधि के दौरान मुकाबले कंपनी के रेवेन्यू में 67.44 फीसदी का इजाफा हुआ है।

तिमाही नतीजों के बाद जोमैटो के शेयर में जोरदार उछाल

जोमैटो के शेयरों में मंगलवार को शुरुआती कारोबार में जोरदार उछाल आया। कंपनी ने अपने जून तिमाही के नतीजे घोषित किए हैं। जून तिमाही में कंपनी का शुद्ध घाटा आधा होकर 186 करोड़ रुपये रह गया है। एक साल पहले समान तिमाही में कंपनी को 360.7 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की आय बढ़कर 1,582 करोड़ रुपये हो गई, जो इससे पिछले साल की समान तिमाही में 916.6 करोड़ रुपये रही थी। तिमाही नतीजों के बाद बीएसई में कंपनी का शेयर शुरुआती कारोबार में 10.67 प्रतिशत के लाभ के साथ 51.80 रुपये पर पहुंच गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में यह 10.79 प्रतिशत की बढ़त के साथ 51.30 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

भारत से वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात जुलाई में 0.76 प्रतिशत घटकर 35.2 अरब डॉलर

एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार जुलाई में गैर-पेट्रोलियम निर्यात 0.48 प्रतिशत बढ़कर 29.82 अरब डॉलर रहा पिछले साल के इसी महीने में यह आंकड़ा 29.67 अरब डॉलर था

नयी दिल्ली। महंगाई पर काबू के लिए पेट्रोलियम उत्पाद, इस्पात और कुछ अन्य उत्पादों पर निर्यात की पाबंदियों के बीच भारत से वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात जुलाई 2022 में 35.2 अरब डॉलर रहा जो पिछले वर्ष इसी माह हुए 35.51 अरब डॉलर के निर्यात की तुलना में 0.76 प्रतिशत कम है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार जुलाई में गैर-पेट्रोलियम निर्यात 0.48 प्रतिशत बढ़कर 29.82 अरब डॉलर रहा। पिछले साल के इसी महीने में यह आंकड़ा 29.67 अरब डॉलर था।

गौरतलब है कि सरकार ने कोविड-19 महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के चलते कच्चा तेल और इस्पात तथा लोहा आदि उत्पादों की कीमतों में उछाल के मद्देनजर कई महत्वपूर्ण वस्तुओं के निर्यात पर पाबंदी लगा दी थी या ऊंचा निर्यात शुल्क लगा दिया था। इनमें लौह-अयस्क और पैलेट, लोहा एवं इस्पात, पेट्रोलियम उत्पाद तथा वस्त्र एवं प्लास्टिक उद्योग में कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल होने वाली अन्य वस्तुएं शामिल हैं।

जुलाई 2022 में वाणिज्यिक आयात 43.59 प्रतिशत बढ़कर 66.26 अरब डॉलर रहा जबकि एक साल पहले आयात 46.15 अरब डॉलर था। इस तरह जुलाई 2022 में व्यापार घाटा 31.02 अरब डॉलर के बराबर रहा जबकि पिछले वर्ष जुलाई में व्यापार घाटा 10.63 अरब डॉलर रहा।

चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जुलाई 2022 के बीच निर्यात 156.41 अरब डॉलर रहा जो पिछले वित्त वर्ष इसी अवधि के 131.06 अरब डॉलर की तुलना में 19.35 प्रतिशत ऊंचा है। इस दौरान आयात 48.12 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 256.43 अरब डॉलर रहा। पिछले वर्ष इसी अवधि में आयात 173.12 अरब डॉलर था। इस तरह चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों का व्यापार घाटा 100.01 अरब डॉलर रहा जबकि पिछले वर्ष इसी दौरान व्यापार घाटा 42.07 अरब डॉलर के बराबर था।

जुलाई में इंजीनियरिंग समान का निर्यात 2.54 प्रतिशत और पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 7.7 प्रतिशत गिरा। रत्नाभूषण के निर्यात में भी 5.21 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। इस दौरान सूती धागा, कपड़े और हैंडलूम वस्तुओं के निर्यात में 28.27 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गयी। इसके विपरित इलेक्ट्रोनिक्स समानों का निर्यात पिछले साल की तुलना में 46 प्रतिशत से अधिक बढ़ा तथा चावल के निर्यात में 30 प्रतिशत से अधिक उछाल दिखा। भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद के अध्यक्ष महेश देसाई ने कहा कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था में लगातार दो तिमाही संकुचन के बाद वहां मंदी छाने का खतरा है। इसको लेकर उद्योग जगत चिंतित है क्योंकि अमेरिका और यूरोप भारत की इंजीनियरिंग समानों के दो सबसे बड़े बाजार हैं। उन्होंने कहा कि जून में इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्यात का ठंडा होना इस बात का संकेत है कि इन दोनों प्रमुख बाजारों में मांग कमजोर पड़ रही है। जुलाई में इंजीनियरिंग निर्यात 2.54 प्रतिशत घटकर 9.30 अरब डॉलर रहा।

वनप्लस एक नई स्मार्टवॉच जल्द ही पेश करेगी

-आपकी हेल्थ और फिटनेस का रखेगी ख्याल

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में वनप्लस एक नई स्मार्टवॉच जल्द ही पेश की जाएगी। हालांकि इसके लॉन्चिंग को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। इस बीच टिपस्टर मुकुल शर्मा ने वनप्लस नॉर्ड स्मार्टवॉच को लेकर नई जानकारी साझा की है। टिपस्टर ने बताया कि डिवाइस में एक डेडिकेटेड एन हेल्थ ऐप होगा। नई वनप्लस वॉच में सर्कुलर डायल की जगह रेक्टेंगूलर डायल मिलेगा।

टिपस्टर द्वारा शेयर किए गए स्क्रीनशॉट से पता चलता है कि वॉच में राउंड कॉर्नर के साथ मेट का फ्रेम मिलेगा। वॉच में मेन्यू नैविगेट करने के लिए एक क्राउन बटन भी दिया गया है। इसके अलावा स्क्रीनशॉट में नॉर्ड वॉच में मिलने वाले छह वॉच फेस भी सामने आ गए हैं। वॉच में कस्टम डायल का भी फीचर मिलेगा, जिसकी मदद से यूजर कनेक्टेड डिवाइस में मौजूद किसी भी फोटो को वॉच फेस में कस्टामाइज कर सकते हैं। स्क्रीनशॉट से पता चलता है कि वनप्लस नॉर्ड वॉच में स्टेप काउंटिंग फीचर और आउटडोर साइकलिंग और आउटडोर वॉकिंग जैसे फीचर्स भी मिलेंगे। इसके अतिरिक्त इसमें हेल्थ और फिटनेस को मॉनिटर करने के लिए भी इस वॉच में आपको कई जरूरी फीचर मिलेंगे। इसमें कंपनी एसपीओ2 और हार्ट रेट सेंसर के साथ स्लीप ट्रैकिंग मिल सकती है। वर्तमान में वनप्लस नॉर्ड वॉच की लॉन्च डेट के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है, लेकिन इसे बीआईएस से पहले ही मंजूरी मिल चुकी है, तो हम उम्मीद कर सकते हैं कि इसे भारत में 2022 की तीसरी तिमाही में लॉन्च किया जा सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक नोर्ड वॉच को 5,000 रुपये से 8,000 हजार रुपये के बीच के सेगमेंट में लॉन्च किया जा सकता है। वनप्लस नॉर्ड वॉच बीआईएस यानी ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स पर लिस्ट हो चुकी है।

अशोक लेलैंड की बिक्री जुलाई में 58 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई। वाणिज्यिक वाहन कंपनी अशोक लेलैंड की निर्यात सहित कुल वाहन बिक्री जुलाई, 2022 में सालाना आधार पर 58 प्रतिशत बढ़कर 13,625 इकाई पहुंच गई है। पिछले साल इसी महीने में कंपनी ने कुल 8,650 वाहनों की बिक्री की थी। कंपनी ने कहा कि पिछले महीने (ट्रक और बस समेत) मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहनों (एमएंडएचसीवी) की बिक्री 113 प्रतिशत बढ़कर 8,148 इकाई रही। जुलाई, 2021 में कंपनी ने 3,822 इकाइयां बेची थीं। कंपनी ने बताया कि हल्के वाणिज्यिक वाहन (एलसीवी) खंड की बिक्री भी पिछले माह 13 प्रतिशत बढ़कर 5,477 इकाई रही। एक साल पहले जुलाई माह में यह 4,828 इकाई रही थी। कंपनी ने कहा कि पिछले महीने घरेलू बाजार में उसकी कुल बिक्री 56 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 12,715 इकाई पर पहुंच गई, जो जुलाई, 2021 में 8,129 इकाई रही थी।

शार्ट न्यूज

कोटक महिंद्रा बैंक ने मिलिंद नागनूर को सीटीओ नियुक्त किया

मुंबई। कोटक महिंद्रा बैंक ने मंगलवार को कहा कि उसने मिलिंद नागनूर को बैंकों के तकनीकी परिवर्तन का नेतृत्व करने के लिए अध्यक्ष और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) नियुक्त किया है। श्री मिलिंद को मुख्य रूप से बैंकिंग और फिनटेक क्षेत्र में प्रौद्योगिकी नेतृत्व की भूमिकाओं में 20 से अधिक वर्षों का अनुभव है। श्री मिलिंद ने कहा, भारतीय बैंकिंग और वित्तीय सेवा क्षेत्र प्रौद्योगिकी के साथ बदल रहा है और मैं एक प्रतिष्ठित ब्रांड के साथ साझेदारी करने के लिए उत्साहित हूं जो अपने आप को एक ऐसे बैंक के रूप में बदल रहा है जिसके मूल में प्रौद्योगिकी है। मैं कोटक महिंद्रा बैंक में अद्भुत टीम में शामिल होने और सुरक्षित और भरोसेमंद बैंकिंग के इसके साथ किए वादे में योगदान करने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं।

कीमती धातुओं में गिरावट

मुंबई। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर मांग कमजोर रहने से सोना 45 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 562 रुपये प्रति किलोग्राम गिर गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 0.77 प्रतिशत चढ़कर 1785.41 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। इसी तरह अमेरिका सोना वायदा 0.45 प्रतिशत की बढ़त लेकर 1777 डॉलर प्रति औंस हो गया। वहीं, इस दौरान चांदी हाजिर भी 0.03 प्रतिशत उतरकर 20.33 डॉलर प्रति औंस बोली गई। देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 45 रुपये फिसलकर 51472 रुपये प्रति दस ग्राम और सोना मिनी 19 रुपये उतरकर 51440 रुपये प्रति दस ग्राम पर रही। इसी तरह चांदी 562 रुपये गिरकर 57764 रुपये प्रति किलोग्राम और चांदी मिनी 485 रुपये कमजोर होकर 58280 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

रुपया 53 पैसे की तेजी लेकर पांच सप्ताह के उच्चतम स्तर पर

मुंबई। अमेरिका और चीन के बीच तनाव को लेकर दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर पड़ने से आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 53 पैसे की तेजी लेकर पांच सप्ताह के उच्चतम स्तर 79 रुपये प्रति डॉलर के नीचे 78.53 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी दिवस रुपया 18 पैसे की तेजी लेकर 79.06 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया 10 पैसे की बढ़त लेकर 78.96 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और यही दिवस का न्यूनतम स्तर भी रहा। सत्र के दौरान बिकवाली के बल पर रुपया 78.49 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 79.06 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 53 पैसे चढ़कर 78.53 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार, चीन की बार-बार की चेतावनी के बावजूद अमेरिकी गृह मंत्रालय की प्रवक्ता नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा को लेकर अमेरिका और चीन के बीच तनाव बढ़ गया है। इससे दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर पर दबाव बढ़ने से रुपये को मजबूती मिली है।

जीटी फोर्स ने पेश ने किए दो नए इलेक्ट्रिक स्कूटर

नयी दिल्ली। इलेक्ट्रिक व्हीकल स्टार्टअप जीटी फोर्स ने अपने दो पहिया वाहन जीटी सोल और जीटी वन से पर्दा उठा दिया है जिनकी एक्स-शोरूम कीमत क्रमश: 49,996 रुपये और 59,800 रुपये है। इन स्कूटरों का उद्देश्य 25 किमी प्रति घंटा की टॉप स्पीड के साथ कम दूरी की यात्रा की आवश्यकताओं को पूरा करना है। कंपनी ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि जीटी सोल लीड 48वी 28एएच और लिथियम 48वी 24एएच बैटरियों में उपलब्ध है जो प्रति चार्ज लीड पर 50-60 किलोमीटर और लिथियम पर 60-65 किलोमीटर की यात्रा तय कर सकता है। इसमें एंटी-थेफ्ट अलार्म, पार्किंग मोड और रिवर्स मोड के साथ सेंट्रल लॉकिंग जैसे फीचर्स शामिल हैं। इसकी मोटर पर 18 महीने, लीड बैटरी पर एक साल और लिथियम आयन बैटरी पर तीन साल की वारंटी दी जा रही है। कंपनी के दूसरे इलेक्ट्रिक स्कूटर जीटी वन में जीटी सोल के अतिरिक्त मोबाइल चार्जिंग और क्रूज कंट्रोल सिस्टम जैसे फीचर्स दिए गए हैं। जीटी-फोर्स के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुकेश तनेजा ने कहा, हमें उम्मीद है कि हमारे नए उत्पाद इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए देश की बढ़ती प्राथमिकता में योगदान देंगे। हम इलेक्ट्रिक वाहनों को सुलभ और सस्ती बनाना चाहते हैं ताकि वे देश के हर कोने की यात्रा चुनौतियों का सामना कर सकें। जीटी फोर्स श्रृंखला के स्टाइलिश नए मॉडल तकनीकी रूप से उन्नत सिद्धांत और पर्यावरण के अनुकूल फीचर्स के साथ तैयार किए गए हैं जो हमारी नई पीढ़ी को पसंद हैं।

एचडीएफसी बैंक का भारतीय विज्ञान संस्थान के साथ समझौता

मुंबई। एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने मंगलवार को बेंगलुरु के भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के साथ समझौता किया। समझौते के तहत एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने आईआईएससी में बागची-पार्थसारथी अस्पताल के तीन खंडों का समर्थन करने के लिए 107.76 करोड़ रुपये देने का वादा किया है। ये कार्डियोलॉजी खंड, रेडियोलॉजी खंड और आपातकालीन चिकित्सा खंड हैं। आईआईएससी अपने बेंगलुरु परिसर के भीतर एक स्नातकोत्तर मेडिकल स्कूल के साथ एक मल्टी स्पेशलियटी गैर-लाभकारी 832 बिस्तरों वाला अस्पताल स्थापित कर रहा है। इसका नाम बागची-पार्थसारथी अस्पताल है। अस्पताल वर्ष 2024 के अंत तक चालू हो जाएगा जबकि एमडी और पीएचडी के लिए इसमें पहले दल का प्रवेश वर्ष 2025 में होगा। एचडीएफसी बैंक ने क्षेत्र में स्वास्थ्य अवसंरचना में सुधार के उद्देश्य से पहली बार आईआईएससी के साथ साझेदारी की है।

स्पाइसजेट ने विमानपत्तन प्राधिकरण का बकाया चुकाया

नयी दिल्ली। सस्ते किराए वाली एयरलाइन स्पाइसजेट ने मंगलवार को कहा कि उसने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) का पूरा बकाया चुका दिया है। कंपनी ने कहा कि इसके साथ अब वह हर रोज उड़ानों के लिए प्राधिकरण को अग्रिम भुगतान की अपनी पुरानी व्यवस्था में लौट आएगी। एयरलाइन ने एक बयान में कहा है कि उसके मूल बकाये का भुगतान हो जाने के बाद अब एएआई स्पाइसजेट को 50 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी मुक्त कर देगा। इसके परिणामस्वरूप एयरलाइन के लिए अतिरिक्त नगद धन उपलब्ध होगा। हाल ही में एयरलाइन के कुछ विमानों में उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी की कुछ घटनाओं के बाद विमानन नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इसके परिचालन में सुरक्षा की जांच सख्त कर दी थी। डीजीसीए ने 27 जुलाई को स्पाइजेट की ग्रीष्मकाल उड़ानों में से 50 प्रतिशत उड़ानों को प्रतिबंधित कर दिया था। डीजीसीए ने अपने आदेश में कहा कि स्पाइजेट एक सुरक्षित, सक्षम और विश्वसनीय हवाई यातायात सेवा की व्यवस्था करने में विफल रही। नियामक ने कहा है कि यह एयरलाइन सुरक्षा मानकों का अनुपालन सिद्ध करती है तो उसे पाबंदी में ढील दी जा सकती है। स्पाइसजेट ने कहा है कि इस आदेश का उसकी उड़ानों पर असर नहीं पड़ेगा।

सरसों तेल सस्ता, अधिकांश दालें महंगी

नयी दिल्ली। वैश्विक बाजार की गिरावट के दबाव में आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में सरसों तेल के भाव गिर गए जबकि अन्य खाद्य तेलों के दाम में टिकाव रहा वहीं अधिकांश दालें महंगी हो गई। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अगस्त वायदा 150 रिंगिट गिरकर 3943 रिंगिट प्रति टन रह गया। इसी तरह इस दौरान अमेरिकी सोया तेल का अगस्त वायदा 2.02 सेंट की गिरावट लेकर 61.25 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान सरसों तेल 147 रुपये सस्ता हो गया। वहीं, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पुराने स्तर पर टिके रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़े रहे।

शार्ट न्यूज

रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड ने अपने सर्वश्रेष्ठ 82 पहलवानों का प्रशिक्षण शिविर कपूरथला में लगाया

कपूरथला। आगामी राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप को देखते हुए भारतीय रेलवे ने प्रशिक्षण शिविर के लिए रेलवे के 82 सर्वश्रेष्ठ पहलवानों को आमंत्रित किया है। इन 82 पहलवानों का चयन ऑल इंडिया इंटर रेलवे कुश्ती चैंपियनशिप के बाद किया गया है यह पहलवान इन दिनों रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला कैंपस में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। 27 अगस्त तक चलने वाले इस प्रशिक्षण शिविर में रेलवे के अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के पहलवान सुबह-शाम पसीना बहा रहे हैं। रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला कैंपस में लगाए गए रेलवे प्रशिक्षण शिविर के लिए आमंत्रित किए गए पहलवानों में 42 पहलवान फ्री स्टाइल और 40 पहलवान ग्रीको रोमन स्टाइल से हैं। पहलवानों को प्रशिक्षण देने के लिए रेलवे के नामचीन कुश्ती प्रशिक्षकों को जिम्मेदारी सौंपी गई है । इसमें अर्जुन अवार्डी कृपाशंकर बिश्नोई (पश्चिम रेलवे), अर्जुन अवार्डी शोकिन्द्र तोमर (उत्तर रेलवे), जय भगवान (उत्तर पश्चिम रेलवे), रिछपाल सिंह (उत्तर रेलवे), सुरेन्द्र कादियान (उत्तर पश्चिम रेलवे), नरेश कुमार (उत्तर पश्चिम रेलवे), मनोज कुमार (उत्तर पश्चिम रेलवे), पूजा (उत्तर पश्चिम रेलवे), जोगेंद्र सिंह (उत्तर रेलवे), संतोष यादव (ई सी आर), जितेंद्र (एन ई आर), सोनू (उत्तर सेंटर रेलवे), रविन्द्र मिश्रा (डी एल डब्लू) शामिल हैं।

पूर्व न्यूज़ीलैंड गेंदबाज़ डेविस ने समलैंगिक होने का खुलासा किया

आकलैंड। पूर्व न्यूज़ीलैंड तेज़ गेंदबाज़ हीथ डेविस ने पहली बार सार्वजानिक रूप से समलैंगिक होने का खुलासा किया है। वह ऐसा करने वाले अपनी देश के पहले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। द स्पिनऑफ़ के लिए एक डॉक्युमेंट्री में डेविस ने कहा, (1994 में) इंग्लैंड का पहला दौरा वह वक़्त था जब मैं आत्म खोज में व्यस्त था। मैं बार में जाता था और देखने की कोशिश करता था कि मेरे लिए क्या सही होगा। मैंने यह वहीं छोड़ दिया था। मैं अपने व्यक्तिगत जीवन को अलग रखना चाहता था। इससे काफ़ी अकेलापन होता था। आप पहचाने ना जाने के लिए सौना और अन्य एकांत के जगह ढूंढते थे। मेरे पास ऐसे लोग थे जिनसे मैं बात कर सकता था लेकिन मैंने कभी सहज महसूस नहीं किया। डेविस अपने खेल जीवन में न्यूज़ीलैंड के सबसे तेज़ गति के गेंदबाज़ माने जाते थे हालांकि गेंद के नियंत्रण को लेकर उन्हें काफ़ी संघर्ष करना पड़ता था। उन्होंने 1994 और 1997 के बीच कुल पांच टेस्ट और 11 वनडे अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले थे। 1997 में ऑस्ट्रेलिया के दौरे के बाद जब उन्हें ड्रॉप कर दिया गया तो उन्होंने वेलिंग्टन से ऑकलैंड में बसने का फ़ैसला लिया।

वेस्टइंडीज़ सीरीज़ से विश्व कप के गेंदबाज़ पहचाने जाएंग : महाम्ब्रे

बैसेतैरे। भारत के गेंदबाज़ी कोच पारस म्हाम्ब्रे के लिए वेस्टइंडीज़ में चल रही मौजूदा श्रृंखला से यह पता चल जाएगा कि टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की तेज़ गेंदबाज़ी आक्रमण कैसा दिखना चाहिए। म्हाम्ब्रे ने सोमवार को दूसरे टी20 मैच में भारत की हार के बाद संवाददाताओं से कहा, यह (टी20) विश्व कप के लिए हमारी तैयारी का हिस्सा है। अभी हम विभिन्न विकल्पों पर विचार कर रहे हैं जो हमारे पास हैं और युवाओं को मौक़ा दे रहे हैं। ताकि यह पता लगाया जा सके कि टीम के लिए कौन सा गेंदबाज़ उपयुक्त है। यह एक आसान और कारगर योजना है। म्हाम्ब्रे ने युवा भारतीय गेंदबाज़ी लाइन-अप की प्रशंसा की, जिसमें अनुभवी भुवनेश्वर कुमार के साथ-साथ अवेश ख़ान और अर्शदीप सिंह शामिल हैं। उन्होंने कहा, युवा गेंदबाज़ों ने जो क्षमता दिखाई है उससे हम बहुत ख़ुश हैं। हमने पिछले कुछ मैच ऐसे खेले हैं, जहां अर्श और आवेश ने दबाव में प्रदर्शन करने की अपनी क्षमता दिखाई है और यह ऐसी चीज़ है जिससे मैं बहुत ख़ुश हूं। जो चीज़ मुझे सबसे अधिक प्रभावित करती है, वह यह है कि वे हर दिन कितना सीखना और सुधारना चाहते हैं।

1500 मीटर फ्रीस्टाइल के फाइनल में पहुंचे अद्वैत, कुशाग्र

बर्मिंघम। भारत के युवा तैराक अद्वैत पागे और कुशाग्र रावत ने मंगलवार को राष्ट्रमंडल खेल 2022 की पुरुष 1500 मीटर फ्रीस्टाइल प्रतियोगिता के फाइनल में जगह बनाई। अद्वैत ने हीट-1 में 15.39.25 के समय के साथ स्वर्ण पदक प्रतियोगिता के लिये क्वालीफाई किया। वह अपनी हीट में चौथे और कुल सातवें स्थान पर रहे। दूसरी ओर, कुशाग्र रावत ने 15.47.77 के समय के साथ फाइनल में कदम रखा। वह हीट-2 में चौथे और कुल आठवें स्थान पर रहे।

स्वीडन दूतावास ने 7-दिवसीय सस्टेनेबलिटी चैलेंज के विजेताओं को सम्मानित किया

नई दिल्ली। स्वीडन दूतावास ने सोमवार को 7 दिवसीय सस्टेनेबल लीविंग चैलेंज के विजेताओं की घोषणा की। आयोजन स्वीडिश इंस्टीट्यूट और हेरिटेज इंटरनेशनल एक्सपेरिएंशियल स्कूल के सहयोग से किया गया था। 'ईट स्मार्ट, मूव स्मार्ट और लिव स्मार्ट' को बढ़ावा देते हुए सबसे नवीन विचारों को सम्मानित करने के इस चैलेंज में तनीशी दत्त, शिवांश गुप्ता और आरव भंडारी विजेता चुने गए। विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रस्तुति और प्रभाव के आधार पर उनका मूल्यांकन किया गया। विजेताओं को अर्बनिस्टा के सस्टेनेबल सोलर पावर्ड हेडफ़ोन प्रदान कर सम्मानित किया गया। स्वीडिश ब्रांड अर्बनिस्टा सौर ऊर्जा से चलने वाले उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स की रेंज़ पेश कर सस्टेनेबलिटी को बढ़ावा देता है। चैलेंज की शुरुआत पिछले महीने 2-3 जून, 2022 को स्टॉकहोम में आयोजित संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सम्मेलन से पूर्व 1 जून को हेरिटेज इंटरनेशनल एक्सपेरिएंशियल स्कूल में की गई थी।

प्रो कबड्डी नीलामी में पवन पर होंगी सबकी नज़रें : अनूप कुमार

नयी दिल्ली। कबड्डी के बहुप्रतीक्षित आयोजन वीवी प्रो कबड्डी लीग के सीज़न नौ की बढ़ती सरगर्मियों के बीच सभी की नज़र पवन कुमार सेहरावत पर होगी, जो इस साल बेंगलुरू बुल्स से अलग होने के बाद नीलामी के लिये उपलब्ध होंगे। भारतीय कबड्डी टीम के पूर्व कप्तान अनूप कुमार ने भी स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम टोटल कबड्डी पर बात करते हुए इस बात की पुष्टि की है।अनूप ने कहा, पवन सहरावत इस साल की नीलामी में सबसे अधिक मांग वाले खिलाड़ी होंगे क्योंकि उन्हें अपनी टीम में रखने से कई टीमों को फायदा होगा। पिछले सीजन में पुनेरी पल्टन्स के कोच रहे अनूप का मानना है कि बेंगलुरू बुल्स अपने कप्तान की सेवाएं फिर से हासिल करने के लिए मजबूत प्रयास करेगा। उन्होंने कहा, भले ही बेंगलुरु बुल्स ने पवन को रिलीज़ कर दिया हो, लेकिन वे इस साल की नीलामी में उसे टीम में वापस लाने की पूरी कोशिश करेंगे। उन्हें अन्य टीमों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा क्योंकि वे भी उसके लिए बोली लगाएंगे। यह पूछे जाने पर कि पवन पिछले साल के अपने प्रदर्शन को कैसे बेहतर कर सकते हैं, भारतीय दिग्गज ने कहा, मुझे लगता है कि पवन जिस भी टीम के लिए खेलता है उसके पास एक कुशल कप्तान होना चाहिए जो उसका प्रभावी ढंग से उपयोग करने में सक्षम हो।

लंबी कूद के फाइनल में पहुंचे मुरली, यहिया

बर्मिंघम। भारत के युवा एथलीट श्रीशंकर मुरली और अनीस यहिया ने मंगलवार को राष्ट्रमंडल खेल 2022 की लंबी कूद स्पर्धा के फाइनल में जगह बनायी। ग्रुप-ए में हिस्सा लेते हुए श्रीशंकर ने क्वालीफाइंग राउंड के पहले प्रयास में ही 8.05 मीटर की कूद लगाकर फाइनल में जगह बनाई। दूसरी ओर, ग्रुप-बी में हिस्सा लेते हुए यहिया 7.68 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ 11वें स्थान पर रहे। उल्लेखनीय है कि फाइनल में पहुंचने के लिये खिलाड़ियों को या तो आठ मीटर के निशान को पार करना था या फिर शीर्ष 12 खिलाड़ियों में जगह बनानी थी।

मकॉए के छह विकेट और ब्रैंडन की किंग वाली पारी ने वेस्टइंडीज़ को दिलाई 1-1 की बराबरी

एजेंसी

बैसेतैरे। वेस्टइंडीज़ ने एक आसान दिख रहे 138 रनो के लक्ष्य को कुछ वक़्त के लिए मुश्किल कर दिया था। हालांकि अंतिम ओवर में युवा गेंदबाज़ आवेश ख़ान 10 रन नहीं बचा पाए, जिसके कारण वेस्टइंडीज़ को पांच विकेट की आसान जीत मिल गई। इस जीत के साथ वेस्टइंडीज़ ने सीरीज़ में 1-1 से बराबरी कर ली है।

वेस्टइंडीज़ को एक समय पर 72 गेंदों में 75 रनों की आवश्यकता थी और उनका सिर्फ़ एक ही विकेट गिरा था। इस आसान स्थिति से वह एक मुश्किल दौर में पहुंच गए और एक समय ऐसा आया कि उन्हें 18 गेंदों में 27 रनों की आवश्यकता थी। आख़िरी ओवर में उन्हें 10 रनों की आवश्यकता थी। हालांकि अंतिम ओवर की पहली ही गेंद पर आवेश ने एक नो गेंद डाल दी और फ्री हिट का फ़ायदा उठाते हुए डेवन थॉमस ने सिक्सर लगा दिया।

निकोलस पूरन ने टॉस जीत कर पहले गेदबाज़ी करने का फ़ैसला किया था। उनके इस फ़ैसले को बिल्कुल सही ठहराते हुए ओबेद मकॉए ने धारदार गेंदबाज़ी की। उन्होंने पारी की पहली ही गेंद पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को पवेलियन भेज दिया और इसके बाद अपने दूसरे ओवर में सूर्यकुमार यादव को भी पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। उन्होंने अपने स्पेल में 17 रन देकर छह विकेट हासिल किया।

वेस्टइंडीज़ की तरफ़ से ओपनिंग

करने आए ब्रैंडन किंग ने 52 गेंदों में 68 रनों की पारी खेली और अपनी टीम को लक्ष्य के क़रीब पहुंचाने में मदद किया।

भारत एक स्थिति पर 14 ओवर के बाद 104 रन बना लिए थे और सिर्फ़ चार ही विकेट गिरे थे। इसके बावजूद भारतीय टीम 20 ओवर तक खेलने में कामयाब नहीं हो पाई और चार गेंद पहले ही पूरी टीम ऑल आउट हो गई। अंतिम सात ओवर में भारतीय टीम ने सिर्फ़ 37 रन बनाए।

पहले बल्लेबाज़ी करते हुए भारत ने पावरप्ले में 56 रन बना लिए थे लेकिन उस दौरान उनके तीन विकेट गिर गए थे। इसके बाद ऋषभ पंत भी मिड विकेट के ऊपर से सिक्सर लगाने के चक्कर में अकील हुसैन की गेंद पर कैच आउट हो गए। इसके बाग रवींद्र जडेजा और हार्दिक पांड्या ने पारी को संभालने का प्रयास तो किया लेकिन जैसे ही वह तेज़ी से रन बटोरने के प्रयास करने लगे तो उनका विकेट गिर गया।

139 रनों के लक्ष्य का पीछा वेस्टइंडीज़ ने काफ़ी सकारात्मक तरीक़े से किया। पहले छह ओवर में उनकी टीम ने बिना किसी विकेट के नुक़सान पर 46 रन बना लिए थे। पावरप्ले के ठीक बाद काइल मेयर्स का विकेट गिर गया। इसके बाद पूरन बल्लेबाज़ी करने और आठवें ओवर में आवेश को एक सिक्सर और एक चौका लगाया। भारत को मैच में वापसी कराने के लिए सबसे पहले हार्दिक और अश्विन ने अपना कदम आगे बढ़ाया। इन तीन ओवरों में उन्होंने सिर्फ़ 11 रन दिए और पूरन का विकेट भी निकाला।

इसके बाद 16वें ओवर में आवेश ने ब्रैंडन को बोल्ड कर दिया। हार्दिक और अर्शदीप की शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 16 ओवर के बाद लगातार 10 गेंदों में कोई चौका या सिक्सर नहीं दिया। एक समय ऐसा आया कि वेस्टइंडीज़ को 14 गेंदों में 23 रनों की आवश्यकता थी। हालांकि यहां से डेवन थॉमस ने अपने दम पर वेस्टइंडीज़ को मैच जीता दिया। उन्होंने 19 गेदों में 31 रनों की पारी खेली।

28 अगस्त को भारत-पाकिस्तान, 11 सितंबर को फ़ाइनल

एजेंसी

दुबई। एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) ने एशिया कप 2022 के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है।2021 टी20 विश्व कप के बाद पहली बार 28 अगस्त को भारत और पाकिस्तान की टीमें एक दूसरे से भिड़ेंगी। इस महामुक़ाबले से एक दिन पहले 27 अगस्त को मेज़बान श्रीलंका और अफ़ग़ानिस्तान के बीच मैच से एशिया कप का शुभारंभ होगा।

भारत, पाकिस्तान और एक क्वालीफ़ायर टीम को ग्रुप-ए में रखा गया है, वहीं ग्रुप बी में मेजबान श्रीलंका, अफ़ग़ानिस्तान और बांग्लादेश हैं। सभी मैच स्थानीय समयानुसार शाम 6 बजे से शुरू होंगे। इस टूर्नामेंट के 10 मैचों की मेज़बानी दुबई जबकि तीन मैचों की मेज़बानी शारजाह को मिली है।

सभी टीमें अपने ग्रुप में राउंड-रॉबिन के आधार पर एक-एक मैच खेलेंगी। हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमें सेमीफ़ाइनल नहीं बल्कि सुपर-4 राउंड के लिए क्वालीफ़ाई करेंगी। सुपर-4 में फिर से सभी टीमें एक दूसरे से भिड़ेंगी और फिर सुपर-4 की शीर्ष दो टीमें फ़ाइनल के लिए क्वालीफ़ाई करेंगी, जो कि 11 सितंबर को दुबई में होगा।

इस टूर्नामेंट के कार्यक्रम को देखते हुए स्पष्ट लग रहा है कि भारत और पाकिस्तान दोनों टीमें कुल तीन बार आपस में भिड़ सकती हैं। ग्रुप मुक़ाबलों के बाद सुपर-4 और फिर क्वालीफ़ाई करने पर फ़ाइनल में भी इन दो चिर प्रतिद्वंदियों की भिड़ंत होने की पूरी संभावना है।

भारत 2018 के एशिया कप का विजेता बना था, जो कि वनडे फ़ॉर्मेट में खेला गया था। तब भारत ने अंतिम गेंद पर बांग्लादेश को हराकर ख़िताब जीता था। पहले यह प्रतियोगिता श्रीलंका में आयोजित होनी थी लेकिन घरेलू राजनीतिक संकट के कारण इसे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) स्थानांतरित कर दिया गया है। हालांकि मेज़बान बोर्ड अब भी श्रीलंका क्रिकेट ही होगा।

क्लीन एंड जर्क की गलती से हारीं पूनम

बर्मिंघम। भारत की पूनम यादव मंगलवार को राष्ट्रमंडल खेल 2022 की 76 किग्रा भारोत्तोलन मुकाबले के क्लीन एंड जर्क राउंड में बड़ी गलती कर बैठीं और पदक की दौड़ से बाहर हो गयीं। 2018 राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता पूनम स्नैच राउंड में 98 किग्रा के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरे स्थान पर थीं, लेकिन क्लीन एंड जर्क के तीनों प्रयासों में असफल होने के कारण वह स्पर्धा में अंतिम स्कोर भी हासिल नहीं कर सकीं। स्नैच राउंड में दूसरे स्थान पर रहने के बाद पूनम ने क्लीन एंड राउंड में 116 किग्रा के तीन प्रयास किये। वह पहले और दूसरे प्रयास में जर्क के दौरान कोहनी में लचक आने से असफल रहीं। पूनम ने तीसरे प्रयास में भार उठाया भी, लेकिन बज़र बजने से पहले ही उन्होंने उसे नीचे रख दिया जिसकी वजह से उनकी लिफ्ट पूरी नहीं हुई और वह स्पर्धा से बाहर हो गयीं। पूनम ने राष्ट्रमंडल खेल 2018 में स्वर्ण जीतने से पहले 2014 में कांस्य भी जीता था, लेकिन इस साल उन्हें प्रतियोगिता से खाली हाथ वापस आना पड़ा।

वनडे क्रिकेट को प्रासंगिक बनाए रखना एक बड़ी चुनौती : मैकग्रा

चेन्नई। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज़ गेंदबाज़ ग्लेन मैकग्रा व्यक्तिगत तौर पर अभी भी 50-ओवर क्रिकेट से प्यार करते हैं, लेकिन उनका मानना है कि क्रिकेट के अधिकारियों के सामने वनडे क्रिकेट को प्रासंगिक रखने की बड़ी चुनौती है। एमआरएफ़ पेस फ़ाउंडेशन के क्रिकेट निदेशक मैकग्रा का यह भी कहना है कि क्रिकेटर की असली परीक्षा टेस्ट क्रिकेट में ही होती है।

मैकग्रा ने पत्रकारों से कहा, मैं परंपरा में विश्वास रखने वाला व्यक्ति हूं और मुझे टेस्ट क्रिकेट और वनडे क्रिकेट से प्यार रहा है। टेस्ट क्रिकेट मेरे लिए सर्वोपरि है। मैं उम्मीद करता हूं हम इसका सम्मान करेंगे। जहां तक वनडे क्रिकेट का सवाल है, यह तब तक रोमांचक रहता है जब तक लोग रन बनाते हैं। वनडे का भविष्य कैसा होगा यह देखने की बात है। इसे रोमांचक रखना एक चुनौतीपूर्ण बात है।मैकग्रा का मानना है कि अगर किसी एक प्रारूप का चुनाव करना हो तो युवा क्रिकेटर वनडे क्रिकेट के आगे टी20 क्रिकेट खेलना चाहेंगे। उन्होंने कहा, अगर आप देखें तो कुछ समय से कई देश वनडे और टी20 में अलग टीमें रखने लगी हैं। टी20 क्रिकेट में पैसा भी अधिक है। भविष्य में युवा खिलाड़ी ज़रूर टी20 क्रिकेट ही खेलना पसंद करेंगे।

एमआरएफ़ पेस अकादमी के साथ मैकग्रा का संबंध जल्दी ही एक दशक पूरा कर लेगा और उन्होंने इस अवधि पर संतोष जताते हुए प्रसिद्ध कृष्णा और आवेश ख़ान जैसे खिलाड़ियों की सफलता पर टिप्पणी दी।

उन्होंने कहा, 10 साल एक लंबा समय है, हालांकि पिछले दो साल भुलाने लायक थे। हमारा लक्ष्य था डेनिस (लिली) के काम को जारी रखना। वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज़ गेंदबाज़ी कोच हैं। हमें आने वाली पीढ़ी को इस मामले में आत्मनिर्भर बनाना है।आगे उन्होंने कहा, हाल ही में आईपीएल में 29 ऐसे गेंदबाज़ थे जो यहां अभ्यास करते हैं या कर चुके हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है।

नैन्सी पेलोसी ताइवान गईं तो भड़क जाएगा तनाव, चीन के बाद रूस ने दी अमेरिका को चेतावनी

एजेंसी

मास्को। चीन के बाद अब रूस ने भी अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर नैन्सी पेलोसी ताइवान जाती हैं तो उस क्षेत्र में तनाव और भड़क जाएगा। रूस ने कहा कि अगर पेलोसी विवादित द्वीप पर जाती हैं तो इससे अमेरिका और चीन सीधे टकराव के रास्ते पर आ जाएंगे। बता दें कि इससे पहले चीन ने सोमवार को कहा था कि वह अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की ताइवान की यात्रा करने की योजना से जुड़ी खबरों पर करीबी नजर रख रहा है। साथ ही चीन ने आगाह किया कि अगर पेलोसी ताइपे की यात्रा करती हैं तो उसकी सेना ''कड़ा जवाब'' देगी और इसके ''गंभीर नतीजे'' भुगतने पड़ेंगे।

फिर मत कहना चेताया नहीं था, नैन्सी पेलोसी के ताइवान दौरे पर चीन की फिर घुड़की

अब चीन के बेहद करीबी रूस ने भी अमेरिका को चेतावनी दी है। रूसी प्रवक्ता ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि नैन्सी पेलोसी द्वारा ताइवान की अपेक्षित यात्रा इसे

(अमेरिका) चीन के साथ टकराव के रास्ते पर ले जाएगी और इस क्षेत्र में तनाव को भड़काएगी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने संवाददाताओं से कहा, हम अभी निश्चित रूप से यह नहीं कह सकते कि वह (पेलोसी) वहां (ताइवान) पहुंचेगी या नहीं, लेकिन इस दौरे और ताइवान की संभावित यात्रा के बारे में सब कुछ पूरी तरह से भड़काऊ नजर आ रहा है।

ताइवान को चीन अपनी मुख्य भूमि का हिस्सा बताता रहा है और पेलोसी की वहां जाने की कथित योजना से वह भड़का हुआ है। इस बीच, रूस ने नैन्सी पेलोसी की ताइवान यात्रा पर अपने सहयोगी चीन को खुला समर्थन देने का ऐलान किया है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा, वाशिंगटन दुनिया में अस्थिरता ला रहा है। हाल के दशकों में एक भी संघर्ष नहीं सुलझाया गया, बल्कि कई ऐसे संघर्षों को उकसाया गया है। यूक्रेन पर रूस के हमले ने इस आशंका को बढ़ा दिया है कि चीन भी ताइवान पर कब्जा करने की अपनी योजनाओं को आगे बढ़ा सकता है। ताइवान चीन की संप्रभुता के दावों को खारिज करता है और कहता है कि केवल उसके लोग ही द्वीप के भविष्य का फैसला कर सकते हैं। 2016 में राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन के पहली बार चुने जाने के बाद से बीजिंग लगातार स्व-शासित द्वीप पर राजनयिक और सैन्य दबाव बढ़ा रहा है।

अमेरिका ने पेलोसी की ताइवान यात्रा को लेकर चीन की बयानबाजी की निंदा की

अमेरिका ने प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की ताइवान की अपेक्षित यात्रा को लेकर चीन द्वारा की जा रही बयानबाजी की निंदा की है। व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने सोमवार को कहा कि स्वशासित द्वीप में यात्रा करने या न करने का अंतिम फैसला पेलोसी का ही है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सांसद वर्षों से ताइवान की नियमित यात्रा करते रहे हैं। चीन ताइवान पर अपना दावा करता है।

किर्बी ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों को चिंता है कि बीजिंग इस यात्रा को बहाना बनाकर ताइवान जलडमरूमध्य या ताइवान के आस-पास सैन्य कदम उठाने, ताइवान के हवाई क्षेत्र में उड़ान भरने और जलडमरूमध्य में बड़े पैमाने पर नौसैनिक अभ्यास करने समेत उकसाने की कार्रवाई कर सकता है।

'सीएनएन' ने ताइवान और अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों के हवाले से कहा कि बाइडन प्रशासन की चेतावनियों के बावजूद पेलोसी के ताइवान की यात्रा करने की संभावना है। ताइवान की मीडिया ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि पेलोसी मलेशिया की यात्रा करने के बाद ताइपे पहुंचेंगी और रात वहीं बिताएंगी।

पेलोसी की ताइवान यात्रा की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने बीजिंग में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''हम पेलोसी के कार्यक्रम पर करीबी नजर रख रहे हैं और अगर वह ताइवान की यात्रा करती हैं तो हम कड़ा जवाब देंगे।''

कैलिफोर्निया ने मंकीपॉक्स के प्रकोप को रोकने के लिए की आपातकाल की घोषणा

वाशिंगटन। अमेरिका में कैलिफोर्निया के गर्वनर ने मंकीपॉक्स के प्रकोप को जल्द से जल्द रोकने के प्रयास के तहत आपातकाल की घोषणा की है। तीन दिनों में इस तरह का कदम उठाने वाला यह देश का दूसरा राज्य है। यह जानकारी खलीज टाइम्स ने मंगलवार को दी। गर्वनर गेविन न्यूसम ने कहा कि यह कदम कैलिफोर्निया सरकार व्यापी प्रतिक्रिया के समन्वय में मदद करने, अधिक टीकों की मांग और लोगों तक उपचार और टीकाकरण पहुंचाने और शिक्षा के प्रयासों में मदद करने के लिए उठाया गया था। श्री न्यूसम ने अपने बयान में कहा, हम ज्यादा से ज्यादा टीकों को सुरक्षित करने, इसके खतरे को कम करने के बारे में जागरुकता बढ़ाने और एलजीबीटीक्यू समुदाय के साथ खड़े होने के लिए संघीय सरकार के साथ काम करना जारी रखेंगे। राज्य के जन स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार कैलिफोर्निया में मंकीपॉक्स के करीब आठ सौ मामले सामने आये है।

जकार्ता से वापस बुलाई गयीं बंगलादेशी राजनयिक

ढाका। बंगलादेश ने जकार्ता में अपने दूतावास की उप प्रमुख काजी अनारकली को इंडोनेशिया सरकार के अनुरोध पर वापस बुला लिया है। सुश्री अनारकली के घर से चरस (मारिजुआना) बरामद होने के बाद इंडोनेशिया सरकार ने यह अनुरोध किया था। विदेश मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक इंडोनेशिया के ड्रग कंट्रोल अथॉरिटीज ने इस साल पांच जून को सुश्री अनारकली के घर पर छापा मारा था। राजनयिक एक नाइजीरियाई नागरिक के साथ एक अपार्टमेंट साझा करती थीं। इंडोनेशियाई सरकार के अनुरोध पर सुश्री अनारकली को वापस ढाका लाया गया। बंगलादेश ने इस मामले में इंडोनेशिया से विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा है। वर्ष 2017 में, अनारकली को उसकी नौकरानी के लापता होने के बाद अमेरिका से वापस लाया गया था।

ब्लूचिस्तान में राहत मिशन का सैन्य हेलीकॉप्टर लापता

कराची/क्वेटा। पाकिस्तान के ब्लूचिस्तान में सोमवार रात वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को लेकर जा रहा एक हेलीकॉप्टर लापता हो गया। जो राहत मिशन पर जा रहा था। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, बलूचिस्तान के लासबेला में बाढ़ राहत कार्यों में लगे एक पाकिस्तानी सेना के हेलीकॉप्टर का हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) से संपर्क टूट गया। कुछ रिपोर्टों ने यह भी पता चला है कि पाकिस्तान तटरक्षक बल के महानिदेशक ब्रिगेडियर अमजद हनीफ सत्ती भी लापता हेलिकॉप्टर में सवार थे। सेना के मीडिया विंग के अनुसार हेलीकॉप्टर का तलाश अभियान चल रहा है और जानकारी उपलब्ध होते ही अधिक विवरण जारी किया जाएगा। तलाशी अभियान के बारे में बताते हुए पुलिस उप महानिरीक्षक खुजदार रेंज परवेज उमरानी ने बताया कि पुलिस और फ्रंटियर कोर के जवान पिछले पांच घंटे से संयुक्त तलाश अभियान चला रहे हैं। जिस क्षेत्र में हेलिकॉप्टर लापता हुआ था वह पहाड़ी इलाका है। यहां तक कोई कार या जीप भी नहीं जा सकती है। इसके साथ ही तलाश और बचाव दलों को बेहद मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

ब्राजील में एंटीवायरल दवा टेकोविरिमेट से मंकीपॉक्स संक्रमितों का इलाज

रियो डि जेनेरो। ब्राजील सरकार ने मंकीपॉक्स से गंभीर रूप से संक्रमित मरीजों का उपचार एंटीवायरल दवा टेकोविरेमेट से करने की योजना बनायी है। स्वास्थ्य मंत्री मार्सेलो क्विरोगा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सबसे पहले गंभीर रूप से पीड़ितों का उपचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पैन अमेरिकन हेल्थ ऑर्गनाइजेशन द्वारा मध्यस्थता से ब्राजील को दवा मिलेगी, लेकिन यह अभी पक्का पता नहीं कि की उसे कितनी खुराक की आपूर्ति की जाएगी। अमेरिका में टेकोविरिमेट का उपयोग मरीज को अत्यधिक परेशानी होने पर विकल्प के रूप में दिया जाता है। जबकि मंकीपॉक्स से निपटने में यह कितना असरकारक है यह अभी तक सिद्ध नहीं हुई है।

मलेशिया में कोरोना के 3213 नए मामले दर्ज

कुआलालम्पुर। मलेशिया में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के 3,213 नए मामले सामने आने से संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 46,83,266 तक पहुंच गयी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय की वेबसाइट पर जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में कोरोना के नए मामलों में से 11 मामले विदेश से आए संक्रमित यात्री हैं और 3,202 मामले स्थानीय लोगों के संपर्क में आने से संक्रमित हुए हैं। इसी अवधि में कोरोना महामारी से आठ और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 35977 हो गया है।

इमरान खान को बड़ा झटका, विदेशी फंडिंग मामले में दोषी पाई गई पार्टी

नई दिल्ली। पाकिस्तान में इमरान खान की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ी हुई नजर आ रही हैं। पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने मंगलवार को अपने एक फैसले में कहा कि पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ ने प्रतिबंधित धन जुटाए हैं। इतना ही नहीं चुनाव आयोग ने पीटीआई को एक रेड नोटिस जारी कर पूछा था कि इस धन को जब्त क्यों नहीं किया जाना चाहिए। यह नोटिस इमरान खान के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है।

दरअसल, इमरान खान की पार्टी को मिले चंदे के एक बड़े हिस्से को पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने अवैध घोषित कर दिया है। डॉन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि चुनाव आयोग ने अपने फैसले में कहा कि पूर्व सत्ताधारी पार्टी पीटीआई ने 34 विदेशी चंदे लिए हैं। यह फंड अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और यूएई से लिए गए थे। आयोग ने कहा कि पीटीआई को अन्य देशों के अलावा भी पाकिस्तानी उद्योगपतियों से भी फंड मिला है।

रिपोर्ट में बताया गया कि पीटीआई उस जगह फंस गई है जहां उसने अपने करीब तेरह खातों की जानकारी छिपाई है। मुख्य चुनाव आयुक्त सिकंदर सुल्तान राजा की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने पीटीआई के संस्थापक सदस्य अकबर एस बाबर द्वारा दायर एक मामले में फैसला सुनाया है। यह काफी समय से लंबित था। इस फैसले को चुनाव आयोग द्वारा 21 जून को सुरक्षित रखा गया था।

चुनाव आयोग द्वारा यह भी आगे कहा गया कि पीटीआई को कनाडा कॉरपोरेशन और यूके पब्लिक लिमिटेड कंपनी के माध्यम से भी चंदा मिला है। इसके अलावा पार्टी को ऑस्ट्रेलिया स्थित कंपनी डनपेक लिमिटेड, और पाकिस्तानी कंपनियों अनवर ब्रदर्स, जैन कॉटन और यंग स्पोर्ट्स से दान मिला। यह सब कानून का उल्लंघन हुआ है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

नहीं आया इंटरव्यू के लिए कॉल, आपने की होंगी ये 5 गलतियां

शायद आप कुछ समय से जॉब तलाश रहे हों और आपने अलग-अलग कंपनियों, अलग-अलग पदों पर आवेदन दिया हो। हर दिन आप यह काम करते हो लेकिन आपके पास अभी तक कोई रिस्पॉन्स नहीं आया हो, ना कोई कॉल, ना ई-मेल। आपके हताश होने से पहले, यहां कुछ जरूरी बातें दी जा रही है जो कि आप आवदेनों को भेजने के पहले एक बार फरि चेक कर लें।

हर आवेदन में एक ही सीवी और कवर लेटर तो नहीं यूज किया

हर जॉब अलग है और उस जॉब की जरूरत के हिसाब से सीवी में बदलाव की जरूरत होती है। आपको अपना सीवी कस्टमाइज करने के लिए समय निकालना चाहि और यह सोचना चाहिए कि ऐसा क्या बदलाव किया जाए कि आपको इंटरव्यू के लिए एचआर से कॉल आ जाए। अगर आपका सीवी हर जॉब के हिसाब से पर्सनलाइज्ड नहीं हुआ तो यह इग्नोर हो सकता है। एम्प्लॉयर्स यह बात नोटिस करते है कि आपके सीवी और कवर लेटर में एक ही बातें तो नहीं है। भीड़ से अलग दिखने के लिए आपको यह साबित करना होगा कि आप एक अच्छे एम्प्लॉई बन सकते हैं। ऐसी चीजें शामिल करें जिससे कंपनी ज्यादा आकर्षित हो।

आवेदन गलत जगह तो भेज नहीं दिया

जिस व्यक्ति को आवदेन भेजना है उसके नाम में कई आवेदक गलती से या मूर्खतावश गलती कर देते हैं। वशिष रूप से जब आप अलग-अलग जगहों पर अप्लाई कर रहे हैं तो एड्रेसी और कंपनी का नाम अपडेट करना आसानी से भूल सकते हैं। इतना ही नहीं नाम की स्पेलिंग में गलती भी भारी पड़ सकती है।

आप न्यूनतम योग्यता पर खरे नहीं उतरे हैं

आपको इंटरव्यू कॉल नहीं आएगा अगर आप अंडरक्वॉलिफाइड हैं। अगर आपके पास आवश्यकतानुसार अनुभव, शैक्षणिक योग्यता नहीं है या आपने उसी माहौल या इंडस्ट्री में काम नहीं किया है तो आपका सीवी बाहर कर दिया जाएगा।

याद रखें, आपको यह पता होना चाहिए कि आप योग्य है लेकिन आप रिकूटर के लिए केवल एक कागज का टुकड़ा हैं। वे आपके बारे में उतना ही जानते हैं जो आपका पिछला अनुभव कहता है। उन्हें कई सारे सीवी देखने होते हैं और वे कभी भी अपना समय ऐसे में व्यर्थ नहीं करेंगे या आपके बारे में ज्यादा जानने की कोशिश नहीं करेंगे।

क्या आप न्यूनतम योग्यता को पार कर गए हैं

अगर आप ओवरक्वॉलिफाइड हैं तो भी आपके पास कॉल नहीं आएगा। कोई भी कंपनी ऐसे व्यक्ति को हायर नहीं करेगी। ऐसे में आपका सीवी भी रिजेक्ट हो जाएगा और वे सीवी के ढेर में नए आवेदन पर नजर घुमाएंगे।

कॉन्टेक्ट डिटेल्स अपडेट किया

भेजने से पहले आपको सीवी आपको बार-बार चेक करना चाहिए। यह सुनिश्चित कर लें कि आपने आपका वर्तमान ई-मेल एड्रेस, मोबाइल नंबर और लैंडलाइन नंबर डॉक्यूमेंट्स में अपडेट कर लिया है। अगर आपने आपका पुराना सोशल मीडिया अकाउंट्स डिलीट कर दिया है तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपने उसे सीवी से भी हटा दिया है। अगर आपने सोशल मीडिया अकाउंट्स में प्राइवेसी सेंटिंग कर रखी है तो एचआर को इसके जरिए संपर्क करने का मत कहिए।

भारत में मैनेजमेंट में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के बीच एमबीए इन मार्केटिंग हमेशा से एक लोकप्रिय स्पेशलाइजेशन रहा है। मगर अब डिजिटल युग के आने से मार्केटिंग के क्षेत्र में जबरदस्त बदलाव आया है और अब इसमें डिजिटल मार्केटिंग भी शामिल हो गई है।

अब डिजिटल मार्केटिंग में पा सकते हैं एमबीए डिग्री

पढ़ाई के क्षेत्र के रूप में डिजिटल मार्केटिंग का इतना व्यापक प्रभाव पड़ा है कि अब मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग को एक ही माना जाने लगा है। यूं तो दोनों ही क्षेत्रों में मूल काम उत्पादों व सेवाओं का प्रमोशन तथा सेल्स है मगर डिजिटल मार्केटिंग में अपनाई जाने वाली रणनीतियां परंपरागत मार्केटिंग से बहुत अलग और कहीं अधिक प्रभावी होती हैं। डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र की बढ़ती लोकप्रियता और इसके लगातार विस्तार को देखते हुए मैनेजमेंट गुरुओं ने एमबीए कोर्स के लिए डिजिटल मार्केटिंग में स्पेशलाइजेशन की अलग ब्रांच की जरूरत महसूस की। आज डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए का विकल्प तो उपलब्ध है मगर कई विद्यार्थियों में इस बात को लेकर भ्रम की स्थिति है कि मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग में क्या अंतर है और वे इन दोनों में से किस स्पेशलाइजेशन का चयन करें। तो चलिए, डिजिटल मार्केटिंग के बारे में थोड़ा और विस्तार से जानते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग से कैसे अलग

जहां 'मार्केटिंग'' में सभी प्रकार की मार्केटिंग आती है, वहीं 'डिजिटल मार्केटिंग'' में केवल डिजिटल माध्यमों द्वारा की गई मार्केटिंग शामिल है। इनमें वेबसाइट, सोशल नेटवर्क, बैनर ऐड, गूगल ऐड, सर्च रिजल्ट, यूट्यूब वीडियो आदि आते हैं। परंपरागत मार्केटिंग में विज्ञापनदाता से उपभोक्ता की ओर सूचना का एकतरफा प्रवाह होता है। वहीं डिजिटल माकेटिंग में दोतरफा संवाद संभव है। परंपरागत मार्केटिंग में जहां विज्ञापन की लागत बहुत अधक आती है, वहीं डिजिटल मार्केटिंग में यह कम रहती है। परंपरागत मार्केटिंग कैंपेन काफी पहले से प्लान किए जाते हैं मगर डिजिटल कैंपेन तात्कालिक भी हो सकते हैं।

एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग

कई युवाओं का तर्क होता है कि केवल डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए कर अपनी पढ़ाई का स्कोप सीमित करने के बजाय मार्केटिंग में एमबीए करना बेहतर है। यह बात अपनी जगह सही हो सकती है मगर आप जरा डिजिटल मार्केटिंग को भविष्य के नजरिये से भी देखें। पिछले एक दशक में सारे बिजनेस घरानों ने अपना ध्यान मार्केटिंग के परंपरागत माध्यमों से हटाकर डिजिटल माध्यमों पर केंद्रित कर दिया है। डिजिटल मार्केटिंग की लोकप्रियता के कई कारण हैं, जिनमें प्रमुख हैं कम लागत, तत्काल प्रतिसाद, लचीलापन, सुविधा और प्रभावशीलता। कई जानकार तो यह भी कहते हैं कि आज के दौर में अगर आपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग नहीं की, तो ग्राहक आपसे दूर ही रहेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि आने वाले समय में सारी मार्केटिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर ही जाएगी। इस प्लेटफॉर्म पर खास तरह की मैनेजमेंट स्किल की जरूरत होती है। इसीलिए एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतर तथा आकर्षक करियर ऑप्शन बन गया है।

क्या है स्कोप

हमारे यहां अब भी यह फील्ड अपने शुरूआती दौर में है और इसके बड़ी तेजी से विस्तार लेने की उम्मीद है। डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए के विद्यार्थियों को तकनीकी बुनियाद तथा डिजिटल लैंग्वेज के कॉन्सेप्ट्स से रूबरू कराया जाता है। इसमें ये विषय भी शामिल होते हैं : वेब एनालिटिक्स, एडवर्टाइजिंग कम्युनिकेशन, बायर बिहेवियर, मार्केटिंग मैनेजमेंट, बी2बी ई-मार्केटिंग, इंटरनेट मार्केटिंग स्ट्रैटेजी आदि। भविष्य में इनमें सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, सर्च इंजिन मार्केटिंग आदि के भी शामिल किए जाने की संभावना है।

पे-पैकेज

काफी नई फील्ड होने के बावजूद डिजिटल मार्केटिंग वेतन के लिहाज से बेहद आकर्षक है। एक नया डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 4 से 5 लाख रुपए का वार्षिक पैकेज पा सकता है। अनुभव के साथ इसमें तीव्रता से वृद्धि होती है। 5 से 7 साल का अनुभवी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 10-12 लाख का वार्षिक पैकेज पा सकता है।

करियर ऑप्शन

डिजिटल मार्केटिंग में डिग्री लेने के बाद करियर के कई ऑप्शन खुले होते हैं। फिलहाल हम इनमें से 3 सबसे बेहतर ऑप्शंस की चर्चा करेंगे।

डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर

इन्हें मार्केटिंग की भाषा में 'बज क्रिएटर'' भी कहा जाता है। ये कस्टमर बिहेवियर डेटा पर काम करते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग की ऐसी रणनीति तैयार करते हैं, जिससे उस उत्पाद या सेवा के प्रति उपभोक्ता की जिज्ञासा जागे। ईमेल मार्केटिंग, ईकॉमर्स, सोशल मीडिया कैंपेन आदि इनके काम का हिस्सा हैं। डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में जॉब के अवसर अकेले इस साल ही 12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। अगर आप डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में करियर बनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप कोडिंग, वेब डिजाइन, एप्लिकेशन डेवलपमेंट, मार्केटिंग इकोनॉमिक्स तथा जनरल मैनेजेरियल एप्टिट्यूड में पारंगत हो जाएं।

इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर

अगर आपमें डेटा कलेक्शन और प्रोसेसिंग का हुनर है, तो आप इस फील्ड में करियर बना सकते हैं। इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर को मुख्य रूप से मार्केट रिसर्च एनालिस्ट के रूप में काम करना होता है। वे कस्टमर बिहेवियर डेटा का अध्ययन कर यह तय करते हैं कि उत्पाद या सेवा की बिक्री की कितना संभावना है। इसमें एमबीए की डिग्री के अलावा मार्केट रिसर्च एंड एनालिसिस में सर्टिफिकेशन आपके काम आएगा।

डिजिटल सेल्स मैनेजर

मार्केटिंग व सेल्स एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। सो कई कंपनियां डिजिटल सेल्स की जिम्मेदारी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजमेंट प्रोफेशनल को सौंपती हैं। यदि आपको डिजिटल मीडिया व निजता कानूनों, ब्राण्ड मैनेजमेंट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स आदि का ज्ञान है, तो डिजिटल सेल्स मैनेजर के रूप में यह आपको बहुत काम आएगा।

साइंस स्टूडेंट्स के लिए इस क्षेत्र में ढेरों हैं संभावनाएं

विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आए दिन नई-नई शाखाएं जुड़ रही हैं। नैनो टेक्नोलॉजी भी तुलनात्मक रूप से एक नया क्षेत्र है। नैनो टेक्नोलॉजी के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर देश-विदेश में छलांगें लगाकर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को 'साइंस ऑफ मिनिएचर' अर्थात लघुतर का विज्ञान भी कहा जाता है। जब कोई वस्तु या सामग्री नैनो डाइमेंशन (10-9 मीटर = 1 नैनोमीटर) में बदल जाती है, तो उसके भौतिक, रासायनिक, चुंबकीय, प्रकाशीय, यांत्रिक और इलेक्ट्रिक गुणों में बड़ा भारी परिवर्तन आ जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो नैनो टेक्नोलॉजी एक ऐसा विषय क्षेत्र है, जिसमें नए अवसरों की भरमार है। नैनो टेक्नोलॉजी वैज्ञानिकों को व्यावहारिक सीमाओं से परे जाकर आणविक स्तर पर प्रयोग करने की सुविधा प्रदान करती है।

हर क्षेत्र में पैठ

नैनो टेक्नोलॉजी वर्तमान में मानवीय जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में प्रवेश कर चुकी है। यह तकनीक बायोसाइंस, मेडिकल साइंस, पर्यावरण विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, कॉस्मेटिक्स, सिक्योरिटी, फैब्रिक्स और विविध क्षेत्रों में चमत्कार कर रही है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि नैनो टेक्नोलॉजी प्रत्येक क्षेत्र जैसे मेडिसिन, एयरोस्पेस, इंजीनियरिंग, विभिन्न उद्योगों और तकनीकी क्षेत्रों, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी। कुल मिलाकर ऐसा कोई क्षेत्र नहीं होगा, जो नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नहीं करेगा।

आर एंड डी पर आधारित

आने वाले समय में नैनो टेक्नोलॉजी के फायदों को देखते हुए पूरे विश्व में अकादमिक स्तर पर इसे एक विषय के रूप में अपनाया जा रहा है। नैनो टेक्नोलॉजी के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स हमारे देश में उपलब्ध हैं। एमटेक और एमएससी कोर्स में प्रवेश के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, बायोइंफॉर्मेटिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन आदि विषयों से ग्रेजुएशन कर चुके विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। एडमिशन प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाता है।

नैनो टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम का स्वरूप मूलत : रिसर्च एवं डेवलपमेंट (आर एंड डी) पर आधारित होता है। इसके पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को पहले संबंधति विषय के आधारभूत सिद्धांतों से परिचित कराया जाता है। इसके बाद इस तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग के अनुरूप अप्लाइड रूप देकर अन्य विषयों की जानकारी दी जाती है, ताकि पाठ्यक्रम रोचक, वस्तुनिष्ठ व ज्ञान पर आधारित बन सके। इसमें पदार्थ के भौतिक, रासायनिक तथा जैविक गुणों का सूक्ष्मतम अध्ययन कराया जाता है। पाठ्यक्रम की विषयवस्तु में क्वांटम थ्योरी, लिथोग्राफी, कार्बनिक और अकार्बनिक नैनो मटेरियल, स्पेक्ट्रोग्राफी, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी, एक्स-रे डिफ्रैक्शन, रमन प्रभाव, नैनो बायोसाइंस, जीन स्ट्रक्चर आदि शामिल हैं।

करियर के कई विकल्प

नैनो टेक्नोलॉजी का अध्ययन करने वालों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अच्छे विकल्प उपलब्ध हैं। यह तकनीक रक्षा, सैन्य सामग्री निर्माण, फॉरेंसिक साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में रोजगार के अच्छे अवसर प्रदान करती है। नैनो टेक्नोलॉजी पर्यावरण, कृषि, टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार प्रदान करती है। इस तकनीक का प्रयोग कैंसर के इलाज में भी किया जा रहा है। इसलिए स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में यह तकनीक अच्छी करियर की संभावनाएं रखती है। नैनो टेक्नोलॉजी के अध्यापन के क्षेत्र में भी करियर बनाया जा सकता है।

खुल रहे हैं नए द्वार

नैनो टेक्नोलॉजी के द्वारा विभिन्न तत्वों की बॉण्ड संरचना में परिवर्तन करने पर या उनका आपस में संयोग करने पर एकदम नए तत्व का निर्माण भी किया जा सकता है। इस विषय में अभी बहुत-से नए आयाम खोजे जाने बाकी हैं तथा इसके प्रयोग से भौतिकी के लगभग सभी सिद्धांतों को यथार्थ रूप दे पाना संभव हो सकता है। इसलिए यह विषय शोधर्थियों के लिए कार्यक्षेत्रों के नए द्वार खोलता है। इस टेक्नोलॉजी को और भी उन्नात बनाने तथा भविष्य में इस क्षेत्र में नई संभावनाओं की तलाश करने के लिए भारत सरकार भी पहल कर रही है। अमेरिका का नेशनल साइंस फाउंडेशन 'नेशनल नैनो टेक्नोलॉजी इनिशिएटिव' नामक योजना चला रहा है। इसके साथ ही विश्व के तमाम उन्नत देश भी इस पर अलग-अलग नामों से योजनाएं चला रहे हैं। अनेक देश इस विषय में शोध के लिए प्रतिवर्ष अरबों रुपए खर्च कर रहे हैं। स्पष्ट है कि इसके चलते इस क्षेत्र में जॉब्स के भरपूर अवसर निर्मित होने जा रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को आज जिन प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, वे हैं शिक्षित, प्रशिक्षित तथा कुशल कर्मचारियों की कमी। नैनो टेक्नोलॉजी विभिन्न प्रमुख नवाचारों के विकास में संलग्न है और इस क्षेत्र में नित नए प्रयोग हो रहे हैं, जिससे कुशल मानवशक्ति को रोजगार के उजले अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

प्रमुख संस्थान

- आईआईटी, दिल्ली
- आईआईटी, गुवाहाटी
- आईआईटी, कानपुर
- जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस साइंटिफिक रिसर्च, बेंगलुरू
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू
- नेशनल केमिकल लैबोरेट्री, पुणे
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी